NEXT IAS

RAS Prelims 2024

AAKALAN-I

DATE : 29/12/2024

Test Code:01292412

Answer Key

1.	(3)	26.	(2)	51.	(3)	76.	(3)	101.	(2)	126.	(2)
2.	(4)	27.	(2)	52.	(3)	77.	(4)	102.	(2)	127.	(2)
3.	(2)	28.	(3)	53.	(3)	78.	(2)	103.	(4)	128.	(4)
4.	(2)	29.	(3)	54.	(2)	79.	(3)	104.	(2)	129.	(4)
5.	(1)	30.	(3)	55.	(4)	80.	(4)	105.	(2)	130.	(3)
6.	(2)	31.	(2)	56.	(2)	81.	(1)	106.	(2)	131.	(2)
7.	(2)	32.	(3)	57.	(3)	82.	(1)	107.	(2)	132.	(2)
8.	(2)	33.	(3)	58.	(1)	83.	(2)	108.	(2)	133.	(1)
9.	(1)	34.	(2)	59.	(3)	84.	(3)	109.	(4)	134.	(4)
10.	(1)	35.	(1)	60.	(1)	85.	(1)	110.	(1)	135.	(2)
11.	(4)	36.	(3)	61.	(3)	86.	(1)	111.	(1)	136.	(2)
12.	(1)	37.	(1)	62.	(2)	87.	(1)	112.	(1)	137.	(3)
13.	(1)	38.	(2)	63.	(3)	88.	(3)	113.	(1)	138.	(4)
14.	(3)	39.	(4)	64.	(2)	89.	(2)	114.	(2)	139.	(4)
15.	(4)	40.	(1)	65.	(2)	90.	(3)	115.	(1)	140.	(3)
16.	(4)	41.	(3)	66.	(3)	91.	(2)	116.	(4)	141.	(4)
17.	(3)	42.	(2)	67.	(4)	92.	(4)	117.	(1)	142.	(1)
18.	(3)	43.	(2)	68.	(3)	93.	(3)	118.	(2)	143.	(2)
19.	(1)	44.	(2)	69.	(3)	94.	(3)	119.	(4)	144.	(1)
20.	(4)	45.	(4)	70.	(4)	95.	(2)	120.	(4)	145.	(2)
21.	(4)	46.	(4)	71.	(1)	96.	(4)	121.	(3)	146.	(2)
22.	(4)	47.	(1)	72.	(4)	97.	(4)	122.	(3)	147.	(2)
23.	(3)	48.	(3)	73.	(1)	98.	(3)	123.	(4)	148.	(4)
24.	(4)	49.	(1)	74.	(3)	99.	(3)	124.	(2)	149.	(2)
25.	(4)	50.	(1)	75.	(2)	100.	(4)	125.	(2)	150.	(4)

DELHI CENTRE:
Vivekananda House: 6-B, Pusa Road, Metro Pillar no. 111, Near Karol Bagh Metro, New Delhi-110060 | Phone: 8081300200
Mukherjee Nagar: 1422, Main Mukherjee Nagar Road, Near Batra Cinema, New Delhi-110009 | Phone: 8081300200
JAIPUR CENTRE: Plot No. 6 & 7, 3rd Floor, Sree Gopal Nagar, Gopalpura Bypass, Jaipur - 302015 | Phone: 9358200511
PRAYAGRAJ CENTRE: IInd Floor 31/31, Sardar Patel Marg, Civil Lines Prayagraj, Uttar Pradesh-211001 | Ph. 9958857757

1. उत्तर (3) रॉक एडिक्ट- XIII

अशोक के शिलालेखों को प्रमुख और लघु शिलालेखों में वर्गीकृत किया जा सकता है।

- प्रमुख शिलालेख संख्या में 14 थे और आठ स्थानों पर पाए गए थे: मानसेहरा, शाहबाजगढ़ी, कलसी, धौली, जौगाड़ा, सोपारा, गिरनार और येरागुड्डी।
- लघु शिलालेख: लघु शिलालेख मास्की, गुर्जरा आदि स्थानों पर पाए गए।
    - अशोक का उल्लेख केवल लघु शिलालेखों में ही मिलता है, जबकि अन्य सभी अभिलेखों में उसका उल्लेख देवानामपिय (देवताओं का प्रिय) के रूप में मिलता है।
- अशोक के 14 प्रमुख शिलालेख

शिलालेख 1	पशु वध पर प्रतिबंध। उत्सवों में होने वाले समारोहों और पशुओं की हत्या पर प्रतिबंध।
शिलालेख 2	मनुष्य और पशुओं की देखभाल प्रदान करना दक्षिण भारत के चोल, पांडय राज्यों का वर्णन करता है।
शिलालेख 3	ब्राह्मणों के प्रति उदारता
शिलालेख 4	भेरि-घोष के स्थान पर धम्मघोष को प्राथमिकता
शिलालेख 5	दासों के प्रति नीति पर चिंताएं
शिलालेख 6	कल्याणकारी उपाय
शिलालेख 7	सभी धर्मों के प्रति सहिष्णुता का अनुरोध
शिलालेख 8	अशोक की बोध गया और बोधि वृक्ष की पहली धम्मयात्रा का वर्णन करता है।
शिलालेख 9	इसमें लोकप्रिय समारोहों की निंदा की गई है। धम्म के समारोहों पर जोर दिया गया है।
शिलालेख 10	यह ख्याति और महिमा की चाहत की निंदा करता है। यह धम्म की लोकप्रियता पर जोर देता है।
शिलालेख 11	धम्म का विस्तारपूर्वक वर्णन करता है।
शिलालेख 12	विभिन्न धार्मिक संप्रदायों के बीच सहिष्णुता के लिए अनुरोध निर्देशित और निर्धारित किए गए हैं।
शिलालेख 13	कलिंग पर अशोक की विजय का उल्लेख
शिलालेख 14	देश के विभिन्न भागों में उत्कीर्णित अभिलेखों का वर्णन किया गया है।

2. उत्तर (4) सभी सही हैं

- ओरान पवित्र वन हैं जो पश्चिमी भारत के शुष्क और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में स्थित हैं। दिव्य क्षेत्र माने जाने वाले ओरण वे स्थान हैं जहाँ भूमि, जल और जंगल शांतिपूर्वक सहवास करते हैं।

- ओरान पशुओं के लिए चरागाह के रूप में काम आते हैं और सामुदायिक समारोहों और त्यौहारों के लिए स्थल हैं। वे ग्रेट इंडियन बस्टर्ड जैसी लुप्तप्राय प्रजातियों के लिए भी महत्वपूर्ण आवास हैं।
- वे सामुदायिक परिसंपत्तियां हैं जो ग्रामीण जीवन के केन्द्र में स्थित हैं, भूमि संसाधन हैं जिन पर सभी को समान रूप से अधिकार है, तथा सामुदायिक रूप से लागू संहिता के तहत सभी को उनकी सुरक्षा करनी है।

- दुनिया भर के अन्य सामुदायिक संरक्षित वनों के विपरीत, जिनमें वन का एक बड़ा क्षेत्र शामिल होता है, ओरान अपेक्षाकृत छोटे होते हैं, जिनका क्षेत्रफल 10 से 400 हेक्टेयर तक होता है।
- उनका उत्कृष्ट मूल्य, व्यक्तिगत समुदायों की सेवा करने के अलावा, उनकी विशाल संख्या में निहित है, तथा यह तथ्य भी है कि वे वनों और अर्ध-गतिशील कृषि-पशुपालन समुदायों का एक नेटवर्क बनाते हैं।
- ऐसा अनुमान है कि राजस्थान में 25,000 से अधिक ओरण हैं, जो कुल 600,000 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में फैले हुए हैं।
- राजस्थान के अन्य पवित्र उपवन: मेवाड़ की बनियाँ, अजमेर की केनक्रिस, जोधपुर, जैसलमेर, बीकानेर के ओरान, अलवर की शामलत देह और देवबाणियाँ और दक्षिण पूर्वी राजस्थान क्षेत्रों में बाग।

3. उत्तर (2) बागोर

- बागोर या बगोर राजस्थान राज्य के भीलवाड़ा जिले की मांडल तहसील में उप-तहसील वाला एक शहर है।
  - यह कोठारी नदी के बाएं तट पर स्थित एक मध्यपाषाणकालीन स्थल है।
  - इसने पशुओं को पालतू बनाने के साक्ष्य उपलब्ध कराये हैं।
- इस स्थल से पालतू कुत्तों, सूअरों और मवेशियों की हड्डियां मिली हैं।
- ये हड्डियां लगभग 5500 ईसा पूर्व की बताई जाती हैं, जिससे बागोर भारत के उन प्रारंभिक स्थलों में से एक बन जाता है जहां पशुपालन के साक्ष्य मिले हैं।
  - यह देश का एकमात्र ऐसा स्थल है जहां क्षैतिज रूप से खुदाई की गई है।
- यह लगभग 10,000 वर्ग मीटर क्षेत्र में फैला हुआ है और एक बड़े और प्रमुख रेत के टीले पर स्थित है जिसे स्थानीय रूप से 'महासती' के नाम से जाना जाता है।
- 1967 में हेडेलबर्ग विश्वविद्यालय के डॉ. एलएस लेश्निक द्वारा खोजा गया और वीएन मिश्रा और वसंत शिंदे द्वारा उत्खनन किया गया।

4. उत्तर (2) राष्ट्रीय विधिक मापविज्ञान पोर्टल (eMaap)

- भारत सरकार का उपभोक्ता मामले विभाग, राज्य विधिक मापविज्ञान विभागों और उनके पोर्टलों को एकीकृत राष्ट्रीय प्रणाली में एकीकृत करने के लिए राष्ट्रीय विधिक मापविज्ञान पोर्टल (ई-मैप) विकसित कर रहा है।
  - इस पहल का उद्देश्य लाइसेंस जारी करने, सत्यापन करने तथा प्रवर्तन एवं अनुपालन प्रबंधन की प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना है।

- एक केंद्रीकृत डाटाबेस तैयार करके, ईमैप हितधारकों के लिए कई राज्य पोर्टलों पर पंजीकरण करने की आवश्यकता को समाप्त कर देता है, जिससे व्यापार करने में आसानी होती है और व्यापार प्रथाओं में पारदर्शिता आती है।
- वर्तमान में, राज्य सरकारें पैकेज्ड वस्तुओं के पंजीकरण, लाइसेंस जारी करने तथा तौल एवं माप उपकरणों के सत्यापन/मुद्रांकन के लिए अपने स्वयं के पोर्टल का उपयोग कर रही हैं।
- हालाँकि, प्रवर्तन गतिविधियाँ और अपराधों का समाधान आदि ऑनलाइन नहीं हैं। इसलिए, उपभोक्ता मामले विभाग सभी राज्य पोर्टलों को राष्ट्रीय विधिक मापविज्ञान पोर्टल 'ईमैप' के रूप में एकीकृत कर रहा है, जिसमें प्रवर्तन सहित विधिक मापविज्ञान के सभी कार्य शामिल होंगे और एकीकृत डेटाबेस प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

5. उत्तर (1) a-iii,b-ii,c-iv,di

- 33वें ग्रीष्मकालीन ओलंपिक, जिसे XXXIII ओलंपियाड और पेरिस 2024 के खेल के रूप में भी जाना जाता है, 26 जुलाई से 11 अगस्त 2024 तक पेरिस, फ्रांस में आयोजित किया गया

2024 Olympics Games Medal Tally

POSITION	TEAMS	GOLD	SILVER	BRONZE	TOTAL
1	United States	40	44	42	126
2	China	40	27	24	91
3	Japan	20	12	13	45
4	Australia	18	19	16	53
5	France(host)	16	26	22	64
6	Netherlands	15	7	12	34
7	Great Britain	14	22	29	65
8	South Korea	13	9	10	32
9	Italy	12	13	15	40
10	Germany	12	13	8	33
71	**India**	**0**	**1**	**5**	**6**
11	New Zealand	10	7	3	20
12	Canada	9	7	11	27
13	Uzbekistan	8	2	3	13
14	Hungary	6	7	6	19

- 13वां आईसीसी पुरुष क्रिकेट एकदिवसीय विश्व कप 5 अक्टूबर से 19 नवंबर 2023 तक भारत में आयोजित किया गया था। ऑस्ट्रेलिया ने आईसीसी एकदिवसीय विश्व कप का 13वां संस्करण जीता क्योंकि उन्होंने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारत को 6 विकेट से हराया।
- 19वें एशियाई खेल, जिन्हें हांग्जो 2022 के नाम से भी जाना जाता है, एक महाद्वीपीय बहु-खेल आयोजन थे, जो 23 सितंबर से 8 अक्टूबर 2023 तक हांग्जो, चीन में आयोजित किए गए थे।
    - भारत ने चीन के हांग्जो में आयोजित एशियाई खेलों में कुल 107 पदक (28 स्वर्ण, 38 रजत, 41 कांस्य पदक) जीतकर ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की।
- 2022 शीतकालीन ओलंपिक 4 से 20 फरवरी, 2022 तक बीजिंग, चीन और आसपास के क्षेत्रों में आयोजित किए जाएंगे।
    - नॉर्वे लगातार दूसरे शीतकालीन ओलंपिक में पदक तालिका में शीर्ष पर रहा, उसने कुल 37 पदक जीते, जिनमें से 16 स्वर्ण थे।

6. उत्तर (2) तापीय, सौर और परमाणु ऊर्जा

- सूरतगढ़ सुपर थर्मल पावर प्लांट राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड द्वारा संचालित एक कोयला विद्युत संयंत्र है।
    - इस पावर प्लांट की 6 यूनिट 250 मेगावाट बिजली उत्पादन कर सकती हैं, जबकि 2 यूनिट 660 मेगावाट बिजली उत्पादन कर सकती हैं। इस प्रकार इसका कुल उत्पादन 2,820 मेगावाट है।
- **भड़ला** सोलर पार्क भारत के राजस्थान के थार रेगिस्तान में स्थित एक सौर ऊर्जा संयंत्र है। यह 56 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है और इसकी कुल स्थापित क्षमता 2,245 मेगावाट (MW) है, जो इसे 2024 तक भारत का सबसे बड़ा और दुनिया का 11वां सबसे बड़ा सौर पार्क बनाता है।
- राजस्थान परमाणु विद्युत स्टेशन रावतभाटा (चित्तौड़गढ़) में स्थित है।
    - वर्तमान में इसमें छह दबावयुक्त भारी जल रिएक्टर (PHWR) इकाइयां कार्यरत हैं, जिनकी कुल स्थापित क्षमता 1,180 मेगावाट है।
    - संयंत्र का संचालक, भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम लिमिटेड (NPCIL) दो और रिएक्टरों, जिन्हें यूनिट 7 और 8 के नाम से जाना जाता है, का निर्माण करके मौजूदा क्षमता को बढ़ा रहा है। (2×700 मेगावाट=1400 मेगावाट)।
- हाल ही में देश के सबसे बड़े परमाणु रिएक्टरों में से एक यूनिट-7 (RAPP -7) ने उस मील के पत्थर को छू लिया जिसे क्रिटिकलिटी कहा जाता है।

> परमाणु रिएक्टर में क्रिटिकलिटी उस क्षण को चिह्नित करती है जब परमाणु विखंडन की एक स्थिर और नियंत्रित श्रृंखला प्रतिक्रिया शुरू होती है। इसका मतलब है कि रिएक्टर एक संतुलन पर पहुँच जाता है जहाँ विखंडन प्रक्रिया द्वारा बनाए गए न्यूट्रॉन अवशोषण या पलायन के माध्यम से खोए गए न्यूट्रॉन की संख्या से मेल खाते हैं। इस बिंदु पर, रिएक्टर एक स्थिर बिजली उत्पादन बनाए रख सकता है।

7. उत्तर (2) A-ii,Bi,C-iii,D-iv

NPCIL वर्तमान में 7 विद्युत संयंत्रों में 24 रिएक्टरों का संचालन करती है, जिनकी कुल क्षमता 8180 मेगावाट है।

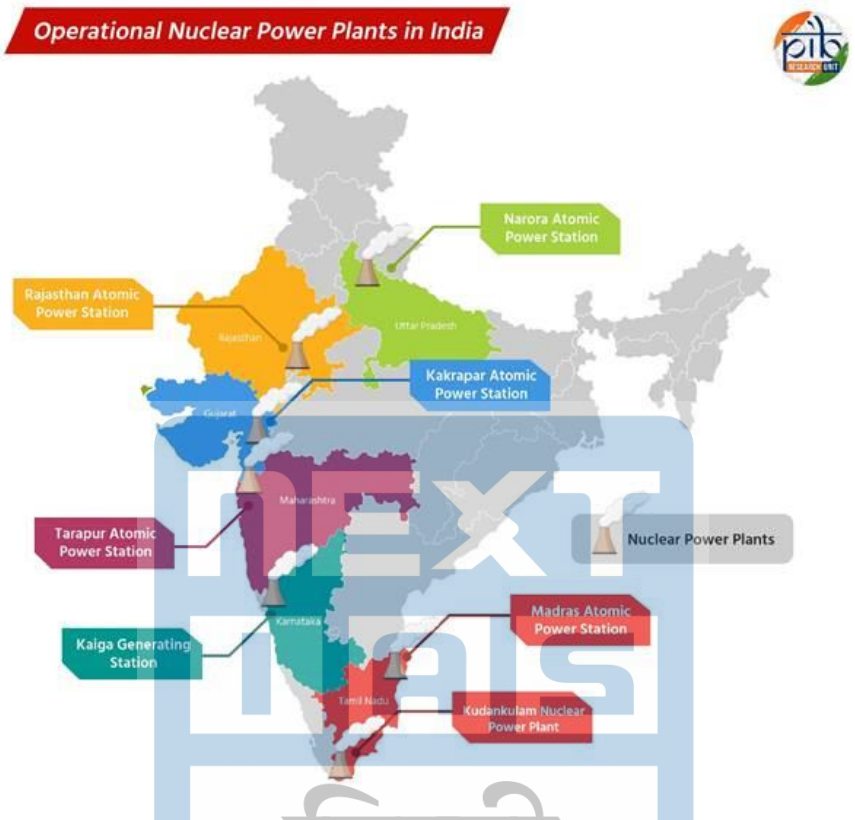

8. उत्तर (2)

गुजरात, तमिलनाडु और कर्नाटक सबसे अधिक पवन ऊर्जा स्थापना वाले शीर्ष तीन राज्य हैं। (31.10.2024 तक)।

व्याख्या: भारत की कुल नवीकरणीय ऊर्जा स्थापित क्षमता एक वर्ष में 24.2 गीगावाट (13.5%) की आश्चर्यजनक वृद्धि के साथ अक्टूबर 2023 में 178.98 गीगावाट से अक्टूबर 2024 में 203.18 गीगावाट तक पहुंच गई। परमाणु ऊर्जा सहित, कुल गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता 2023 में 186.46 गीगावाट की तुलना में 2024 में 211.36 गीगावाट तक बढ़ गई।

- **सौर ऊर्जा:** सौर क्षेत्र में 20.1 गीगावाट (27.9%) की उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जो अक्टूबर 2023 में 72.02 गीगावाट से बढ़कर अक्टूबर 2024 में 92.12 गीगावाट हो जाएगी।
- **पवन ऊर्जा:** पवन ऊर्जा ने भी स्थिर वृद्धि प्रदर्शित की है, स्थापित क्षमता में 7.8% की वृद्धि हुई है, जो अक्टूबर 2023 में 44.29 गीगावाट से बढ़कर 2024 में 47.72 गीगावाट हो गई है।
- **बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं ने भारत के नवीकरणीय ऊर्जा पोर्टफोलियो में 46.93 गीगावाट का योगदान दिया, जबकि परमाणु ऊर्जा क्षमता ने 8.18 गीगावाट का योगदान दिया।**

नवीकरणीय ऊर्जा	नवीकरणीय ऊर्जा की राज्यवार (स्थान आधारित) स्थापित क्षमता (31.10.2024 तक)	नवीकरणीय ऊर्जा में देशों की वैश्विक रैंकिंग
सौर ऊर्जा	राजस्थान>गुजरात>तमिलनाडु>कर्नाटक>महाराष्ट्र	चीन>अमेरिका>जापान>जर्मनी>भारत
पवन ऊर्जा	गुजरात>तमिलनाडु>कर्नाटक>महाराष्ट्र>राजस्थान	चीन>अमेरिका>जर्मनी>भारत>स्पेन
बायो पावर	महाराष्ट्र>उत्तरप्रदेश>कर्नाटक>तमिलनाडु	चीन>ब्राजील>अमेरिका
लघु-जल विद्युत	कर्नाटक>हिमाचलप्रदेश>महाराष्ट्र>केरल	चीन>ब्राजील>कनाडा>यूएसए
बड़ी हाइड्रो पावर	हिमाचलप्रदेश>उत्तराखंड>कर्नाटक>जम्मू-कश्मीर	
कुल विद्युत क्षमता	राजस्थान>गुजरात>तमिलनाडु>कर्नाटक>महाराष्ट्र	चीन>अमेरिका>ब्राजील>भारत>जर्मनी

9. उत्तर (1) A-ii,Bi,C-iii,D-iv

- **गढ़सीसर झील, जैसलमेर** : इसका निर्माण 14वीं शताब्दी में महारावल गढ़सी सिंह ने अपनी बंजर भूमि की जल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए करवाया था। इसके महत्व को देखते हुए इसके चारों ओर कई छोटे-छोटे मंदिर और धार्मिक स्थल बनाए गए, जिससे यह एक तीर्थस्थल और पर्यटक आकर्षण बन गया।
- **बालसमंद झील, जोधपुर** : बालसमंद झील जोधपुर से लगभग 5 किलोमीटर दूर जोधपुर-मंडोर रोड पर स्थित है। 1159 ई. में निर्मित, इसे मंडोर की जरूरतों को पूरा करने के लिए एक जलाशय के रूप में बनाया गया था। बालसमंद झील महल को बाद में एक ग्रीष्मकालीन महल के रूप में इसके किनारे पर बनाया गया था। यह हरे-भरे बगीचों से घिरा हुआ है, जिसमें आम, पपीता, अनार, अमरूद और बेर जैसे पेड़ों के बाग हैं। यह सियार और मोर जैसे पशु और पक्षियों का निवासस्थल है।
- **गैब सागर झील, डूंगरपुर** यह झील श्रीनाथजी के मंदिर के लिए प्रसिद्ध है जो इसके किनारे पर स्थित है। मंदिर परिसर में कई बेहतरीन नक्काशीदार मंदिर और एक मुख्य मंदिर, विजय राजराजेश्वर मंदिर है। भगवान शिव का यह मंदिर डूंगरपुर के प्रसिद्ध मूर्तिकारों या 'शिल्पकारों' की कुशल शिल्पकला को प्रदर्शित करता है।
- **सिलिसेढ़ झील, अलवर:** यह अलवर से 12 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में स्थित है। सिलिसेढ़ का जल महल, जिसमें कम जंगली पहाड़ियों से घिरी झील है, सरिस्का के रास्ते में है। शांत झील पहाड़ियों में बसी है; झील की चमकती लहरें लगभग वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र को कवर करती हैं, जो घने जंगल और इसके तटबंध पर शानदार स्मारकों से घिरी हुई है। महाराजा विनय सिंह ने 1845 में अपनी रानी शिला के लिए एक शाही शिकार लॉज/महल बनवाया था।

10. उत्तर (1) असम - चाय

फसलें/उत्पाद	वैश्विक रैंक	राज्यों की रैंकिंग (आर्थिक सर्वेक्षण 2023-24)
1.) चावल	चीन > भारत > बांग्लादेश	तेलंगाना>उत्तर प्रदेश>पश्चिम बंगाल
2.) गेहूँ	चीन>भारत>रूस	उत्तर प्रदेश>मध्य प्रदेश>पंजाब

3.) दूध	भारत>अमेरिका>पाकिस्तान	उत्तर प्रदेश > **राजस्थान** > मध्य प्रदेश
4.) कुल दालें	भारत>म्यांमार>कनाडा	मध्य प्रदेश>महाराष्ट्र>राजस्थान
5.) चाय	चीन>भारत>केन्या	असम>पश्चिम बंगाल>तमिलनाडु
6.) बाजरा (पोषक/मोटे अनाज)	भारत>नाइजीरिया>चीन	**राजस्थान** > कर्नाटक > मध्य प्रदेश
7.) मक्का	अमेरिका>चीन>ब्राजील (भारत 7वें स्थान पर)	कर्नाटक>बिहार>मध्य प्रदेश
8.) मूंगफली	चीन>भारत>नाइजीरिया	गुजरात > **राजस्थान** > मध्य प्रदेश
9.) रेपसीड और सरसों	रेपसीड (चीन>कनाडा>भारत)	**राजस्थान** > उत्तर प्रदेश > मध्य प्रदेश
10.) सोया बीन	ब्राज़ील>अमेरिका>अर्जेंटीना> चीन भारत(5वां)	मध्य प्रदेश> महाराष्ट्र> **राजस्थान**
11.) कुल तिलहन	अमेरिका>चीन>ब्राजील>भारत(चौथा)	**राजस्थान** >मध्यप्रदेश>गुजरात
12.) गन्ना	भारत>ब्राजील>थाईलैंड	उत्तर प्रदेश>महाराष्ट्र>कर्नाटक
13.) कपास	भारत>चीन>अमेरिका	गुजरात>महाराष्ट्र>तेलंगाना
14.) जूट और मेस्टा	भारत>बांग्लादेश>चीन	पश्चिम बंगाल>बिहार>असम

11. उत्तर (4)

0-14 और 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग को आश्रित आबादी कहा जाता है।

- 15 से 59 वर्ष की कार्यशील जनसंख्या को स्वतंत्र माना जाता है, जनसांख्यिकीय लाभांश में इस आयु वर्ग को शामिल किया जाता है।
    - भारत की 62.5% जनसंख्या 15-59 वर्ष आयु वर्ग की है।

12. उत्तर (1)

- **हिंदुओं की** संख्या **88.49%** है, जिनमें सबसे ज़्यादा संख्या दौसा में है। जयपुर, एक प्रमुख शहरी केंद्र है, जहाँ हिंदू आबादी भी सबसे ज़्यादा है।
- यहां की आबादी में **मुसलमानों की** हिस्सेदारी **9.07% है, जिसमें सबसे ज़्यादा आबादी जयपुर में है। हालांकि, जैसलमेर में मुसलमानों का प्रतिशत सबसे ज़्यादा है।**
- **सिख** आबादी मुख्य रूप से श्रीगंगानगर में केंद्रित है, जहां सिखों का प्रतिशत भी सबसे अधिक **1.27% है** ।

- **जैन** समुदाय अल्पसंख्यक समुदाय है, जो कुल जनसंख्या का **0.91% है। यह समुदाय मुख्य रूप से जयपुर और उदयपुर में केंद्रित है।**
- **ईसाई** जनसंख्या कुल जनसंख्या का **0.14% है, जिसमें सबसे अधिक संख्या बांसवाड़ा में है।**
- राज्य में बौद्ध समुदाय सबसे छोटा है , जो **कुल जनसंख्या का मात्र 0.02% है** , तथा अलवर में बौद्धों की जनसंख्या और प्रतिशत दोनों ही सबसे अधिक हैं।

13. उत्तर (1) चांदन ट्यूबवेल

चांदन नलकूप- जैसलमेर में लाठी श्रृंखला के पास उथली गहराई पर 2.30 लाख लीटर प्रति घंटे की क्षमता वाला एक मीठे पानी का नलकूप है, जिसे 'थार का घड़ा' कहा जाता है।

14. उत्तर (3) गलत है

राजस्थान में भारत का सबसे बड़ा तांबा भंडार है, जो 52.25% है। मध्य प्रदेश तांबे का सबसे बड़ा उत्पादक है, जो 57% का योगदान देता है, उसके बाद राजस्थान है, जो लगभग 43% उत्पादन करता है।

S.No.	Minerals	Reserve	Producer
1.)	**Bauxite**	• Guinea > Vietnam > Aus • Odisha > chhattisgarh > Andhra	• Aus > Guinea > China > India=6th • Odisha (76.3%) > JH > GJ
2.)	**Copper**	• Chile > Aus & Peru > Russia • Raj > MP >JH	• Chile > Peru > Congo >India=7th • MP> Raj> JH
3.)	**Manganese**	• South Africa > Brazil > Aus • Odisha > Karnataka > MP	• South Africa > Aus > China,India=5th • MP > MH > Odisha
4.)	**Iron**	• Aus > Brazil > Russia India=5th • Karnataka > Odisha > JH Magnetite: Karnataka > Andhra > Raj & Hematite: Odisha > JH > CH	• Aus > Brazil > China> India (4th) • Odisha > CH > Karnataka
5.)	**Lead & Zinc**	• Australia > China > Peru	• China > Australia > USA

	Concentrate		Rajasthan accounts for the entire production of lead and zinc concentrate.
6.)	**Gold**	• Bihar>Rajasthan>Karnataka	• About 99% of India's gold production comes from the state of Karnataka.
7.)	**Silver**	• Peru > Aus > Poland • Raj > Karnataka > JH	• Mexico > China > Peru • Raj > Karnataka
8.)	**Diamond**	• Russia > Botswana > Congo • MP > Andhra > CH	• Russia > Botswana > Canada • Only MP (Panna dist.)
9.)	**Limestone**	• Karnataka > Andhra	• Rajasthan > Andhra > MP
10.)	**Rock Phosphate**	• JH>Raj>MP	• Raj>MP
11.)	**Phosphorite**	• JH>Raj>MP	• Raj>MP
12.)	**Lignite**	• TN>Raj>Guj	• TN>Guj>Raj
13.)	**Coal**	• USA > Russia > Aus > China > India (5th) • Odisha > JH >CH>WB>MP	• China > India > USA • Odisha >CH>JH>MP
14.)	**Crude Oil**	Venezuela > Saudi Arabia > Canada Onshore > Offshore; Assam > Guj > Raj	USA > Saudi Arabia > Russia Offshore > Raj > Guj > Assam (23 oil refineries in India- 18 Public & 3 Private
15.)	**Natural Gas**	Russia>Iran>Qatar Offshore >Assam>Raj>Guj	USA>Russia>Iran Offshore>Onshore; Assam>Andhra>Gujarat

15. उत्तर (4)

मूमल, झोरावा, घुड़ला और जीरो मारवाड़ के कुछ प्रसिद्ध गीत हैं।

- पटेल्या, भिच्चियो, ललार और माचर मेवाड़ के कुछ प्रसिद्ध गीत हैं।
- हिचकी और रसिया मेवात के कुछ प्रसिद्ध गीत हैं।

- बिच्छूड़ो, पंछीड़ा और मोरनी हाड़ौती प्रदेश के कुछ प्रसिद्ध गीत हैं।

16. उत्तर (4) सभी सही हैं

नैफिथ्रोमाइसिन को आधिकारिक तौर पर 20 नवंबर, 2024 को केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह द्वारा लॉन्च किया गया था। बायोटेक्नोलॉजी इंडस्ट्री रिसर्च असिस्टेंस काउंसिल (BIRAC) के समर्थन से वॉकहार्ट द्वारा विकसित, नैफिथ्रोमाइसिन, जिसे "मिक्नाफ" के रूप में विपणन किया जाता है, दवा प्रतिरोधी बैक्टीरिया के कारण होने वाले सामुदायिक-अधिग्रहित जीवाणु निमोनिया (CABP) को लक्षित करता है, जो बच्चों, बुजुर्गों और समझौता किए गए प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोगों जैसे कमजोर आबादी को असमान रूप से प्रभावित करता है।

Anti-Microbial Resistance (AMR) के बारे में: रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर) तब होता है जब बैक्टीरिया, वायरस, कवक और परजीवी रोगाणुरोधी दवाओं पर प्रतिक्रिया नहीं करते हैं। दवा प्रतिरोध के परिणामस्वरूप, एंटीबायोटिक्स और अन्य रोगाणुरोधी दवाएं अप्रभावी हो जाती हैं और संक्रमण का इलाज करना मुश्किल या असंभव हो जाता है, जिससे बीमारी फैलने, गंभीर बीमारी, विकलांगता और मृत्यु का खतरा बढ़ जाता है।

- जबकि एएमआर समय के साथ रोगजनकों में आनुवंशिक परिवर्तनों द्वारा संचालित एक प्राकृतिक प्रक्रिया है, इसका प्रसार मानवीय गतिविधियों, विशेष रूप से मनुष्यों, जानवरों और पौधों में रोगाणुरोधी दवाओं के अत्यधिक उपयोग और दुरुपयोग से काफी तेज हो जाता है। रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर) एक प्रमुख वैश्विक स्वास्थ्य समस्या बन गई है, जिसमें भारत में हर साल लगभग 6 लाख लोगों की जान प्रतिरोधी संक्रमणों के कारण चली जाती है।

17. उत्तर (3) दोनों सही हैं

ग्राफीन के बारे में: यह कार्बन का एक द्वि-आयामी रूप (एलोट्रोप) है जिसमें षट्कोणीय जालक में व्यवस्थित कार्बन परमाणुओं की एक एकल परत होती है।

गुण:

- यह दुनिया का सबसे पतला, सबसे मजबूत तथा बिजली और गर्मी दोनों का सबसे अधिक सुचालक पदार्थ है।

- यह तांबे की तुलना में बिजली का बेहतर संचालन करता है।
- यह स्टील से 200 गुना मजबूत है लेकिन छह गुना हल्का है।
- यह लगभग पूर्णतः पारदर्शी है क्योंकि यह केवल 2% प्रकाश ही अवशोषित करता है।
- यह गैसों के लिए अभेद्य है, यहां तक कि हाइड्रोजन और हीलियम जैसी हल्की गैसों के लिए भी।

अनुप्रयोग और संभावना

- ग्राफीन कंपोजिट का उपयोग ऑटोमोटिव, खेल उपकरण और निर्माण में किया जाता है।
- इसका उपयोग उच्च प्रदर्शन वाली बैटरियों और सुपरकैपेसिटर, टचस्क्रीन और सुचालक स्याही के लिए किया जाता है।
- ग्राफीन आधारित सेंसर का उपयोग पर्यावरण निगरानी, स्वास्थ्य देखभाल और पहनने योग्य उपकरणों के लिए किया जाता है।
- ग्राफीन ऑक्साइड झिल्ली का उपयोग जल शोधन और विलवणीकरण के लिए किया जाता है।
- कोविड के दौरान ग्राफीन आधारित मास्क बनाए गए।
- ग्राफीन रक्षा और एयरोस्पेस के लिए भी महत्वपूर्ण है। इसकी असाधारण ताकत इसे कवच और बैलिस्टिक सुरक्षा के लिए एक आशाजनक सामग्री बनाती है।
- ग्राफीन में विद्युत चुम्बकीय तरंगों को अवशोषित करने और नष्ट करने की क्षमता है, जिससे यह स्टेल्थ कोटिंग्स और सामग्री विकसित करने के लिए मूल्यवान है, जो रडार हस्ताक्षरों और विद्युत चुम्बकीय हस्तक्षेप को कम करते हैं।
- ग्राफीन पर्यावरणीय परिवर्तनों के प्रति अत्यधिक संवेदनशील है, जो इसे रासायनिक और जैविक एजेंटों, विस्फोटकों, विकिरण और अन्य खतरनाक पदार्थों को पहचानने के लिए एक उत्कृष्ट विकल्प बनाता है।
- इसके अलावा, ग्राफीन आधारित सामग्री हमें रासायनिक और जैविक हमलों से भी बचा सकती है।

18. उत्तर (3) भारत और मलेशिया

- संयुक्त वायु अभ्यास रॉयल मलेशियाई वायु सेना (RMAF) के सहयोग से 05 से 09 अगस्त 2024 तक कुआंतान, मलेशिया में आयोजित किया गया। भारतीय वायुसेना ने इसमें Su-30MKI लड़ाकू विमानों के साथ भाग लिया।
    - परिचालन दक्षता को बढ़ाने के उद्देश्य से, दोनों वायु सेनाओं के तकनीकी विशेषज्ञों ने अपने रखरखाव अभ्यासों का आदान-प्रदान किया।
    - अभ्यास के दौरान, भारतीय वायुसेना के Su-30MKI लड़ाकू विमानों ने RMAF के Su-30MKM लड़ाकू विमानों के साथ हवाई युद्ध मिशनों में भाग लिया, जिससे दोनों वायु सेनाओं के चालक दल एक-दूसरे के परिचालन प्रोटोकॉल से परिचित हो सके, जिससे Su-30 विमान संचालन में अंतर-संचालनशीलता, समानता और समग्र प्रभावशीलता में वृद्धि हुई।

19. उत्तर (1) A-ii,Bi,C-iii

Muvendar	Garland	Port	Capital	Symbols
Cheras	Palmyra flower	Muziri/ Tondi	Vanchi/ Karur	Bow and arrow
Cholas	Fig (Athi) flower	Puhar	Uraiyur/ Puhar	Tiger
Pandyas	Margosa (neem) flower	Korkai	Madurai	Two Fish

20. उत्तर (4) लक्ष्मण सेना

- **पंचरत्न : गोवर्धन, शरण, जयदेव, उमापतिधर, धोयी**
- **अकबर के नवरत्न:** अबुल-फ़ज़ल, फ़ैज़ी, बीरबल, टोडर मल, राजा मान सिंह, अब्दुल-रहीम-खान-ए-खाना, फ़कीर अज़ियाओ-दीन, मुल्ला दो पियाज़ा और तानसेन।
- **विक्रमादित्य के नवरत्न:** अमरसिंह, धन्वंतरि, हरिसेन, कालिदास, कहपणक, शंकु, वराहमिहिर, वररुचि और वेतालभट्ट।
- **शिवाजी के अष्टप्रधान:** पेशवा (प्रधान मंत्री), अमात्य या मजूमदार (वित्त मंत्री) वाकिया-नवीस (गृह मंत्री की तरह), सामंत या दबीर (बाहरी लोगों से निपटना), सचिव (आधिकारिक पत्राचार), पंडित राव (आधिकारिक धार्मिक अधिकारी), सर-ए-नबूवत (सैन्य मामले), न्यायधीश (न्यायपालिका)
- **कृष्णदेवराय के अष्टदिग्गज:** अष्टदिग्गज, जिसका अर्थ है "आठ हाथी", आठ महान विद्वानों और कवियों को संदर्भित करता है जो विजयनगर साम्राज्य के दरबार के स्तंभ थे।
    - अल्लासानि पेद्दाना सबसे महान थे और उन्हें अक्सर आंध्रकविता पितामह के रूप में वर्णित किया गया था।
- उनके महत्वपूर्ण कार्यों में मनुचरितम् और हरिकथा-सरमसामु शामिल हैं।

21. उत्तर (4) सभी सही हैं

- इक्ता एक इस्लामी कर वसूलने की प्रथा थी जो बुईद राजवंश के दौरान पूरे मुस्लिम एशिया में फैल गयी थी।
- इक्ता को निज़ाम-अल-मुल्क के सियासतनामा में परिभाषित किया गया है।

- इक्ता के प्रशासकों को मुक्ती या वलि कहा जाता था। वे भू-राजस्व एकत्र करते थे और सामान्य प्रशासन की देखरेख करते थे।
- ऐसा कहा जाता है कि इल्तुतमिश (1210-36) ने सुल्तान की सेना के सैनिकों को दोआब में वेतन के बदले में "छोटे इक्ता" दिए थे।
- इक्ता प्रणाली के संदर्भ में, भारत में इक्ता धारकों को मुक्ति या वली के नाम से जाना जाता था।
- इक्ता प्रणाली के संदर्भ में, कभी-कभी इक्तादार अपने कोटे से अधिक अतिरिक्त भू-राजस्व वसूलते थे, जिसे **फवाज़िल के नाम से जाना जाता था।**
    - ये अतिरिक्त राजस्व राज्य के खजाने में जमा किये जाने थे और राज्य के राजकोषीय प्रशासन में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी।

22. उत्तर (4) पटवारी : गांव के राजस्व अभिलेखों का रखरखाव

- **सद्र-उस-सद्र, जिन्हें मुख्य काजी के नाम से भी जाना जाता था,** सर्वोच्च धार्मिक अधिकारी और दीवान-ए-रिसालत के प्रमुख थे।
    - "काज़ी" शब्द न्यायाधीश को दर्शाता था, जिसमें मुख्य काज़ी न्यायिक विभाग की अध्यक्षता करता था। पूरे सल्तनत में अतिरिक्त न्यायाधीश या काज़ियों की नियुक्ति की जाती थी।
    - दीवानी मामले मुस्लिम पर्सनल लॉ या शरिया के अंतर्गत आते थे, जबकि हिंदू मामले ग्राम पंचायतों के अधिकार क्षेत्र में आते थे, जो उनके अपने पर्सनल लॉ द्वारा शासित होते थे। आपराधिक कानून सुल्तानों के नियमों द्वारा स्थापित किया गया था।
- **दबीर-ए-खास:** दीवान-ए-इंशा का नेतृत्व दबीर-ए-खास करता था, जो सुल्तान का मुख्य सचिव और निजी सहायक था।
    - दीवान-ए-इंशा वह विभाग था जो दिल्ली सल्तनत में शासकों और अधिकारियों के बीच सभी संचार का प्रबंधन करता था।
- **बरीद-ए-मुमालिक :** वह वह राज्य समाचार संग्रह का प्रमुख था और खुफिया जानकारी से संबंधित काम करता था। उसे सल्तनत में होने वाली हर घटना की जानकारी रखनी होती थी।
    - स्थानीय स्तर पर बरीद होते थे जो राज्य के मामलों से संबंधित समाचार केंद्रीय कार्यालय को नियमित रूप से भेजते थे
- **वज़ीर:** दिल्ली सल्तनत के अंतर्गत सबसे महत्वपूर्ण पद दीवान-ए-विजारत था, जिसका मुखिया वज़ीर होता था। यह शाही दरबार में एक महत्वपूर्ण पद था और उसकी भूमिका सभी विभागों पर एक सामान्य पर्यवेक्षक की थी, हालाँकि वह चार महत्वपूर्ण विभागीय प्रमुखों में से एक था। वह सुल्तान का मुख्य सलाहकार था।
    - वज़ीर का मुख्य कार्य राज्य के वित्तीय संगठन की देखभाल करना, सुल्तान को सलाह देना और कभी-कभी सुल्तान के आदेश पर सैन्य अभियानों का नेतृत्व करना था।

- दिल्ली सल्तनत के अधीन, देश को कई भागों में विभाजित किया गया था जिन्हें इक्ता (मुक्तिस या वालिस द्वारा शासित) के रूप में जाना जाता था।
    - इन क्षेत्रों को बाद में प्रांत या सूबा के नाम से जाना गया।
- प्रान्तों को शिक़ों में विभाजित किया गया।
- शिक़ों को आगे परगना (आमिल के नेतृत्व में) में विभाजित किया गया था।
- गांव प्रशासन की सबसे छोटी इकाई थी। गांव के मुख्य अधिकारी खुत, मुकद्दम और पटवारी थे। वे राजस्व संग्रह और कानून व्यवस्था बनाए रखने आदि में मुक्ति के साथ मिलकर काम करते थे।
- पटवारी गांव का लेखाकार होता था जो गांव के राजस्व अभिलेखों की देखभाल करता था।

23. उत्तर (3) केवल A, C और D, कथन B) गलत है,

मनसबदार का पद वंशानुगत नहीं था और उसकी मृत्यु या बर्खास्तगी के बाद, उसकी निजी संपत्ति सम्राट द्वारा जब्त की जा सकती थी।

स्पष्टीकरण:

- अकबर ने प्रशासन की एक व्यवस्थित और केंद्रीकृत प्रणाली प्रदान की जिसने साम्राज्य की सफलता में योगदान दिया। उन्होंने मनसबदारी प्रणाली की शुरुआत की।
    - कुलीन, नागरिक और सैन्य अधिकारी एक ही सेवा में सम्मिलित थे तथा प्रत्येक अधिकारी को मनसबदार की उपाधि दी जाती थी।
- मनसबदार का पद जात और सवार में विभाजित था। जात में प्रत्येक मनसबदार को मिलने वाले सैनिकों की संख्या 10 से 10,000 तक निर्धारित की गई थी। सवार में मनसबदार के अधीन घोड़ों की संख्या निर्धारित की गई थी।
    - प्रत्येक अधिकारी निम्नतम से उच्चतम रैंक तक बढ़ सकता था। पदोन्नति और पदावनति मनसब में वृद्धि या कटौती के माध्यम से की जाती थी। मनसबदारी प्रणाली ने उनके कुलीन वर्ग के जातीय आधार में विविधता ला दी।

24. उत्तर (4) Ai,B-ii,C-iv,D-iii

- **खराज भूमि कर** था **और** इससे संबंधित **राजस्व अधिकारी** थे - खोत, मुकद्दम और चौधरी राज्य की ओर से किसानों से भूमि राजस्व (खराज) एकत्र करते थे, और उसे दीवान-ए-विजारत के अधिकारियों के पास जमा करते थे।
- **ज़कात** एक **संपत्ति कर था** जो अमीर मुसलमानों पर लगाया जाता था। यह मुसलमानों की संपत्ति पर ढाई प्रतिशत की दर से लगाया जाने वाला कर था।
- **ख़म्स युद्ध लूट पर लगाया जाने वाला कर** था ।

- शरीयत के अनुसार, फिरोज शाह ने खुम्स का 4/5 हिस्सा सैनिकों में बाँट दिया और 1/5 हिस्सा राज्य के लिए रख लिया। इससे सेना का मनोबल बढ़ा।

- फ़िरोज़ तुगलक (1351-88) ने **हरियाणा में सिंचाई कर (हक़-ए-शर्ब) लागू किया, जहाँ उसने नहरें खुदवाईं।**
  - **हक़-ए-शर्ब, जिसे हासिल-ए-शर्ब के नाम से भी जाना जाता है**

25. उत्तर (4) सभी सही हैं

दौलताबाद दक्कन में स्थित था और यह क्षेत्र को नियंत्रित करने के लिए एक रणनीतिक स्थान था। गुजरात भी एक महत्वपूर्ण व्यापारिक क्षेत्र था और मुहम्मद बिन तुगलक तट के करीब रहना चाहता था।

- दौलताबाद गोदावरी नदी के तट पर स्थित था, जिससे पश्चिमी और दक्षिणी बंदरगाहों तक इसकी पहुँच थी। यह व्यापार और वाणिज्य के लिए महत्वपूर्ण था।
- दिल्ली उत्तर-पश्चिमी सीमा पर स्थित था और मंगोलों के आक्रमणों के प्रति संवेदनशील था। दौलताबाद दक्षिण में स्थित था और इसे मंगोलों के आक्रमणों से अधिक सुरक्षित माना जाता था।

26. उत्तर (2) A, B और C

राष्ट्रीय आंदोलन, अपनी शुरुआत से ही प्रेस की स्वतंत्रता के लिए खड़ा था। भारतीय समाचार-पत्रों ने लॉर्ड लिटन के प्रशासन की कड़ी आलोचना की, खासकर 1876-77 के अकाल के पीड़ितों के साथ उसके अमानवीय व्यवहार के बारे में।

सरकार ने वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट, 1878 के माध्यम से जवाबी हमला किया। वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट (वीपीए) को वर्नाक्यूलर प्रेस पर 'बेहतर नियंत्रण' रखने और राजद्रोही लेखन को प्रभावी ढंग से दंडित करने और दबाने के लिए बनाया गया था।

- जिला मजिस्ट्रेट को किसी भी स्थानीय भाषा के समाचार पत्र के मुद्रक और प्रकाशक को सरकार के साथ एक बांड पर हस्ताक्षर करने के लिए कहने का अधिकार दिया गया, ताकि वे किसी भी प्रकार की असुविधा न पहुंचाएं।
  - प्रकाशित सामग्री के माध्यम से सरकार के प्रति असंतोष या विभिन्न धर्मों, जातियों, नस्लों के लोगों के बीच द्वेष;
  - मुद्रक और प्रकाशक को सुरक्षा राशि जमा कराने की भी आवश्यकता हो सकती है, जिसे विनियमन का उल्लंघन होने पर जब्त किया जा सकता है, तथा यदि उल्लंघन दोबारा हुआ तो प्रेस उपकरण जब्त किया जा सकता है।
- वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट, 1878 के अनुसार, मजिस्ट्रेट की कार्रवाई अंतिम होती थी, तथा न्यायालय में कोई अपील नहीं की जा सकती थी।
- वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट से बचने के लिए अमृत बाजार पत्रिका रातोंरात अंग्रेजी समाचार पत्र में बदल गई।
- वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट को अंततः 1882 में लॉर्ड रिपन ने निरस्त किया था, न कि लॉर्ड कर्जन ने।

27. उत्तर (2) A, B और C

- अंग्रेजी शिक्षा और पाश्चात्य ज्ञान को बढ़ावा देने की वकालत करने वाले आंग्लवादियों ने संस्कृत और अरबी ग्रंथों के मुद्रण पर होने वाले व्यय को कम करने की मांग की।
    - उनका मानना था कि इसके बजाय अंग्रेजी शिक्षा और आधुनिक विज्ञान को बढ़ावा देने के लिए संसाधन आवंटित किए जाने चाहिए।
- प्राच्यविदों का मानना था कि संस्कृत और अरबी महत्वपूर्ण सांस्कृतिक और बौद्धिक परंपराएं हैं, और उन्हें संरक्षित और अध्ययन किया जाना चाहिए। उनका तर्क था कि अरबी और संस्कृत के छात्रों के लिए वजीफा एक अच्छा निवेश था।
    - प्राच्यवादियों ने बनारस में एक नया संस्कृत महाविद्यालय शुरू किया। बनारस संस्कृत महाविद्यालय की स्थापना 1791 में जोनाथन डंकन ने की थी।

28. उत्तर (3) केवल A, B और E

डॉ. बी.आर. अंबेडकर ने दलित वर्ग का प्रतिनिधित्व किया, तेज बहादुर सप्रू ने उदारवादियों का प्रतिनिधित्व किया और बेगम जहांआरा शाहनवाज ने तीनों गोलमेज सम्मेलनों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व किया।

- मदन मोहन मालवीय ने केवल दूसरे गोलमेज सम्मेलन में भाग लिया तथा तीनों गोलमेज सम्मेलनों में भाग नहीं लिया।
- मुहम्मद अली जिन्ना ने केवल प्रथम और द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में भाग लिया लेकिन तीसरे गोलमेज सम्मेलन में अनुपस्थित रहे।

प्रथम गोलमेज सम्मेलन : नवंबर 1930 से जनवरी 1931 तक लंदन में आयोजित, जिसकी अध्यक्षता रैमसे मैकडोनाल्ड ने की।

- यह ब्रिटिश और भारतीय प्रतिनिधियों के बीच समान स्तर पर पहली आधिकारिक बातचीत थी।
- सीमित उपलब्धियां; चर्चाएं भारत के भविष्य के विकास पर केंद्रित थीं, जिसमें सुरक्षा उपायों के साथ एक संघ बनाया जाएगा, लेकिन निरंतर सविनय अवज्ञा के कारण कार्यान्वयन में बहुत कम प्रगति हुई।

दूसरा गोलमेज सम्मेलन: सितम्बर से दिसम्बर 1931 तक लंदन में आयोजित किया गया।

- सम्मेलन से पहले गांधी-इरविन समझौता (दिल्ली समझौता) हुआ, जिसके परिणामस्वरूप गांधीजी ने भाग लिया। सीमित प्रगति हुई और सम्मेलन मुस्लिम बहुल प्रांतों, विशेषज्ञ समितियों और ब्रिटिश सांप्रदायिक पुरस्कार की धमकी के बारे में घोषणाओं के साथ समाप्त हुआ।

तीसरा गोलमेज सम्मेलन: नवंबर से दिसंबर 1932 तक आयोजित किया गया।

- पिछले सम्मेलनों की तरह, इस बार भी बहुत कम सफलता मिली और सिफारिशों पर ब्रिटिश संसद में बहस हुई। अंततः 1935 का भारत सरकार अधिनियम तैयार हुआ, जिसे जुलाई 1935 में लागू किया गया।

29. उत्तर (3) पंडिता रमाबाई सरस्वती

पंडिता रमाबाई महिला सुधार आंदोलन की अग्रदूतों में से एक थीं। अपने जीवन के शुरुआती दिनों में, वह सुधारवादी संस्था ब्रह्मो समाज में शामिल हो गईं, जिसने गहरी जड़ें जमाए हुए जाति व्यवस्था का विरोध किया।

- 1881 में रमाबाई ने महिलाओं की शिक्षा को बढ़ावा देने और बाल विवाह के उत्पीड़न से मुक्ति के लिए आर्य महिला समाज की स्थापना की। 1882 में, जब तत्कालीन भारत सरकार ने शिक्षा क्षेत्र की जांच के लिए एक समिति नियुक्त की, तो रमाबाई ने सुझाव दिया कि शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जाए, महिला स्कूल निरीक्षकों की नियुक्ति की जाए और भारतीय महिलाओं को मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश दिया जाए।
- पंडिता रमाबाई ने 1887 में 'द हाई कास्ट हिंदू वूमन' नामक पुस्तक लिखी।
    - रमाबाई ने उस समय की सामाजिक बुराइयों जैसे बाल विवाह, बाल विधवाओं की दुर्दशा और ब्रिटिश भारत में महिलाओं के उत्पीड़न पर भी प्रकाश डाला।
- कलकत्ता विश्वविद्यालय ने उन्हें व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया और संस्कृत में उनके पांडित्य के कारण उन्हें 'पंडित' की उपाधि भी प्रदान की।
    - विभिन्न संस्कृत ग्रंथों के ज्ञान और व्याख्या के कारण उन्हें 'सरस्वती' की उपाधि भी प्रदान की गई थी।
- 1889 में उन्होंने युवा और विधवा महिलाओं को शिक्षित करने के लिए शारदा सदन की स्थापना की। ब्रिटिश सरकार ने उन्हें 1919 में कैसर-ए-हिंद पदक से सम्मानित किया।

30. उत्तर (3) भारत में विलय के लिए शाही परिवारों को दी जाने वाली राशि।

सरदार वल्लभभाई पटेल को वी.पी. मेनन की सहायता से रियासतों को एकीकृत करने का काम सौंपा गया था। रियासतों के राजाओं की देशभक्ति का आह्वान करने से लेकर उन्हें भारत में शामिल होने से इनकार करने की स्थिति में अराजकता की संभावना की याद दिलाने तक, पटेल उन्हें भारत में शामिल होने के लिए मनाने की कोशिश करते रहे। उन्होंने "प्रिवी पर्स" की अवधारणा भी पेश की - भारत में विलय के लिए राज परिवारों को दी जाने वाली एक राशि।

- रियासतों के शासकों को क्षेत्रीय स्वायत्तता का विकल्प नहीं दिया गया।
- कुछ रियासतों के शासकों को कुछ राज्यों का राज्यपाल नियुक्त किया गया था, लेकिन भारत में शामिल होने पर यह विशेषाधिकार नहीं दिया गया था।
- ऊपरी सदन की सदस्यता रियासतों के शासकों को विशेषाधिकार के रूप में नहीं दी गई थी, यद्यपि वे चुनाव लड़ने या सदस्यता के लिए नामांकित होने के लिए स्वतंत्र थे।

31. उत्तर (1)

उद्योतन सूरी की कृति कुवलयमाला कहानी राजस्थान के सामाजिक और सांस्कृतिक इतिहास पर एक बहुत ही विस्तृत कृति है।

- यह संस्कृत चम्पू काव्य की तर्ज पर प्राकृत गद्य और पद्य में वर्णित एक धार्मिक कथा है।
- इसमें भारत के 34 जनपदों, 47 कस्बों, 7 गांवों, 21 पहाड़ों, 8 नदियों, 2 समुद्रों और 20 राज्यों का वर्णन है।

32. उत्तर (3) बी,डी और ई

संस्कृति काल	जगह
पुरापाषाण	डीडवाना (प्रारंभिक स्थल), जायल (नागौर), भानगढ़ (अलवर), इंद्रगढ़ (कोटा), दार (भरतपुर), झालावाड़, पुष्कर (होकरा बेसिन)
मध्यपाषाण (माइक्रोलिथिक)	बागौर (भीलवाड़ा), तिलवाड़ा (बालोतरा), विराटनगर (कोटपूतली-बहरोड़), सोजत, धनेरी
ताम्र	अहार (उदयपुर), गिलुंड (राजसमंद), कालीबंगा (हनुमानगढ़), झार (जयपुर- डॉ. बी. अलचिन द्वारा खोज), बागोर (भीलवाड़ा), तिलवाड़ा (बालोतरा), बालाथल (उदयपुर)
ताम्र युग	गणेश्वर (नीमकाथाना), बेणेश्वर (डूंगरपुर), झाड़ोल (उदयपुर) जोधपुरा, नंदलालपुरा (दूदू), किराडोत, चीथवाड़ी (जयपुर ग्रामीण), साबनिया, मूंगल (बीकानेर), बूढ़ा पुष्कर (अजमेर), कुराड़ा (परबतसर), पिंड पाडलिया (चित्तौड़गढ़), पलाना (जालौर), कोल माहोली (सवाईमाधोपुर), मलाह, नोह (भरतपुर) आदि।
लौह युग	नोह (भरतपुर), विराटनगर (कोटपूतली-बहरोड़), जोधपुर, सांभर (जयपुर ग्रामीण), सुनारी (नीमकाथाना), रायढ़, नगर, नैनवा (टोंक), भीनमाल (जालौर), नगरी (चित्तौड़गढ़), चक-84, तरखानवाला (गंगानगर)

33. उत्तर (3) अबुल फजल

हल्दीघाटी का युद्ध

- हल्दीघाटी का युद्ध 18 जून 1576 ई. को खमनोर के पास हुआ था।
    - यह महाराणा प्रताप और मुगल सेना के बीच संघर्ष था।
- महाराणा प्रताप की सेना का नेतृत्व हकीम खान सूर ने किया था।
- मुगल सेना का नेतृत्व जगन्नाथ कछवाहा ने किया था।
- युद्ध के दौरान जब महाराणा प्रताप का जीवन खतरे में था, तो झाला बीदा ने अपना मुकुट पहना और युद्ध किया, जिससे प्रताप बच निकले।
    - लड़ाई बिना किसी निर्णायक परिणाम के समाप्त हो गई।
- इस युद्ध को अबुल फजल ने "खमनोर का युद्ध", बदायूंनी ने "गोगुन्दा का युद्ध" तथा जेम्स टॉड ने "हल्दीघाटी का युद्ध" और "थर्मोपाइले का युद्ध" कहा।

34. उत्तर (2) Ai, B-ii, C-iii, D-iv

- हम्मीर देव के दरबारी विद्वान कवि विजयादित्य थे।

- हम्मीर महाकाव्य 15वीं शताब्दी का भारतीय संस्कृत महाकाव्य है जो जैन विद्वान नयनचंद्र सूरी द्वारा लिखा गया है। यह 13वीं शताब्दी के जालौर राजा हम्मीर देव चौहान की जीवनी है।
- हम्मीरदेव चौहानों (चाहमानों) की रणथम्भौर शाखा का अंतिम शासक था।

- अर्नोराज के दरबारी विद्वान धर्म घोष थे।
  - अर्नोराज (1135-1150 ई.) शाकम्भरी चाहमान वंश के शासक थे। उन्होंने सपादलक्ष पर शासन किया, जिसमें उत्तर-पश्चिमी भारत में वर्तमान राजस्थान के कुछ हिस्से शामिल थे।
- विग्रहराज चतुर्थ का दरबारी विद्वान सोमदेव था।
  - विग्रहराज चतुर्थ ने 1150 ईस्वी से 1164 ईस्वी तक सपादलक्ष साम्राज्य पर शासन किया, जिसमें राजस्थान और उत्तर-पश्चिमी भारत के कुछ हिस्से शामिल थे। वह शाकंभरी चाहमान वंश से थे।
  - उन्होंने ग़ज़नवी शासक बहराम शाह और ख़ुसरो मलिक को हराया। दिल्ली-शिवालिक स्तंभ शिलालेख में उन्हें म्लेच्छों (विदेशियों) का नाश करने वाला बताया गया है।
  - संस्कृत नाटक 'ललिता विग्रहराज नाटक', जिसे 'हरकेली नाटक' भी कहा जाता है, विग्रहराज चतुर्थ द्वारा 6वीं शताब्दी के कवि भारवि के महाकाव्य 'किरातार्जुनीय' की शैली में लिखा गया था। इसका श्रेय उनके दरबारी कवि सोमदेव को भी दिया जाता है।
- पृथ्वीराज तृतीय का दरबारी विद्वान चंदबरदाई था।
  - पृथ्वीराज तृतीय (1168-1192) एक चाहमान थे, जिन्हें बाद में चौहान शासक के रूप में जाना गया। उन्होंने दिल्ली और अजमेर के आसपास के क्षेत्रों पर शासन किया। उन्होंने सुल्तान मुहम्मद गौरी को हराया।

35. उत्तर (1) कथन (I) और कथन (II) दोनों सही हैं।

कहा जाता है कि मत्स्यदेश की राजधानी बैराट या प्राचीन विराटनगर की स्थापना राजा विराट ने की थी, जिनके राज्य में *पांचों पांडवों ने अज्ञातवास के तेरहवें वर्ष* भेष बदलकर बिताए थे।

- *दो अशोक शिलालेखों* और यहां पाए गए महत्वपूर्ण *प्राचीन बौद्ध अवशेषों* के लिए प्रसिद्ध है ।
- **बीजक-की-पहाड़ी** के नाम से प्रसिद्ध इस पहाड़ी के विभिन्न सोपानों पर किए गए उत्खनन से एक मौर्यकालीन गोलाकार स्तूप-मंदिर के अवशेष प्राप्त हुए हैं, जो चूने से पुती ईंटों से निर्मित है तथा लकड़ी के छब्बीस अष्टकोणीय स्तंभों से युक्त है, जिसके आगे एक खुले वर्गाकार प्रांगण के चारों ओर कक्षों की दोहरी पंक्ति के साथ मठ के अवशेष हैं।

36. उत्तर (3) भैंसरोडगढ़ किला

भैंसरोड़गढ़ किला एक वास्तुशिल्प आश्चर्य है, जो 200 फुट ऊंची खड़ी पहाड़ी के ऊपर स्थित है और चंबल और ब्राह्मणी नदियों से घिरा हुआ है।

- भैंसरोड़गढ़ किले का इतिहास पौराणिक है। प्रचलित मान्यता के अनुसार, इसका निर्माण सलूम्बर के रावत लाल सिंह द्वितीय ने करवाया था, जिन्होंने इसे 1741 ई. में मेवाड़ के महाराणा जगत सिंह द्वितीय से जागीर के रूप में

प्राप्त किया था। हालाँकि 1764 ई. में मेवाड़ के राज्य में शामिल होने से पहले यह कई हाथों से गुज़रा, लेकिन अलाउद्दीन खिलजी ने इस किले के शुरुआती इतिहास से जुड़े सभी मंदिरों और इमारतों को घेरकर नष्ट कर दिया होगा।

- भैंसरोड़गढ़ किले को अक्सर 'राजस्थान का स्कॉटलैंड' कहा जाता है। ब्रिटिश इतिहासकार कर्नल जेम्स टॉड इसकी खूबसूरती से इतने मंत्रमुग्ध थे कि अगर उन्हें राजस्थान में कोई जागीर चुनने का मौका दिया जाए - और प्रस्ताव दिया जाए - तो वह निश्चित रूप से भैंसरोड़गढ़ ही होगा!
- किवदंती के अनुसार, भैंसरोड़गढ़ किला मूल रूप से बनिया व्यापारी भैंसा साह और व्यापारी रोरा चरण द्वारा लुटेरे डाकुओं से सुरक्षा के लिए बनाया गया था; इस प्रकार, इसका नाम "भैंसा" और "रोरा" से बना है।

37. उत्तर (1) कथन (I) गलत है लेकिन कथन (II) सही है।

संत दादू दयाल जी (1544-1603) का जन्म फाल्गुनी सुदी अष्टमी गुरुवार 1544 ई. को गुजरात राज्य के अहमदाबाद शहर में हुआ था। दादू का अर्थ है भाई और दयाल का अर्थ है दयालु। दादू दयाल जी महाराज हिंदी, गुजराती, राजस्थानी आदि कई भाषाओं के ज्ञाता थे। उन्होंने शबद और साखी लिखी। उनकी रचनाएँ रोमांटिक हैं। जाति-पाति के उन्मूलन, हिंदू-मुस्लिम एकता आदि मुद्दों पर उनके पद तर्क से प्रेरित न होकर हृदय से प्रेरित हैं।

- उन्हें 'राजस्थान का कबीर' कहा जाता था।
  - उन्होंने धार्मिक सद्भाव को बढ़ावा दिया अर्थात ईश्वर वह है जो हिंदू-मुस्लिम के बीच भेदभाव नहीं करता।
  - उन्होंने ब्रह्म, जीव, जगत और मोक्ष पर अपनी शिक्षाएं सरल भाषा (सधुक्कड़ी) में दीं।
  - उन्होंने कर्मकाण्ड, जाति-प्रथा, मूर्ति पूजा, रूढ़िवाद आदि का कड़ा विरोध किया।

38. उत्तर (2) कथन (I) और कथन (II) दोनों सही हैं।

1888 में जब कांग्रेस का इलाहाबाद अधिवेशन हुआ तो राजस्थान से गोपीनाथ माथुर, किशन लाल और अजमेर के हरविलास शारदा राजस्थान के प्रतिनिधि के रूप में कांग्रेस अधिवेशन में गए थे। वे तीनों ही राजस्थान के प्रतिष्ठित लोगों में से थे। उस समय भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस भारत के लोगों का प्रतिनिधि संगठन बन रही थी।

39. उत्तर (4) (a) - (iv), (b) - (i), (c) - (ii), (d) - (iii)

जसवंत सिंह का थड़ा: संगमरमर से बना सुंदर स्मारक जिसे अक्सर "मारवाड़ का ताजमहल" कहा जाता है, जोधपुर के महाराजा जसवंत सिंहजी (1873-1895) की याद में उनके बेटे महाराजा सरदार सिंहजी (1895-1911) द्वारा बनवाया गया था और 1906 ई. में पूरा हुआ था। हॉल को मंदिर की तरह बनाया गया है जहाँ पूजा (अनुष्ठान) भी की जाती है। राजपूत वंशों में पूर्वजों की पूजा आम बात है।

- आजकल, जसवंत थड़ा का प्रबंधन और देखभाल मेहरानगढ़ संग्रहालय ट्रस्ट (एमएमटी) द्वारा की जाती है और यह जनता के लिए खुला है।

जैसलमेर के बड़ा बाग में शासकों और पालीवालों की छतरियाँ : इन छतरियों की वास्तुकला पालीवाल, मुगल और राजपूत वास्तुकला शैलियों का मिश्रण है। प्रत्येक समाधि पर राजा और रानी के नाम वाली पट्टियाँ अंकित हैं। कुछ समाधियों में घोड़े पर सवार राजा की मूर्ति है, जिसके पास में उनकी रानी खड़ी हैं। छतरियों का आकार व्यक्ति की स्थिति के अनुसार अलग-अलग होता है।

चौरासी खंभों की छतरी (84 खंभों वाली छतरी): जैसा कि नाम से पता चलता है, 84 खंभों वाली छतरी 84 स्तंभों द्वारा समर्थित एक संरचना है।

- बूंदी के महाराजा राव अनिरुद्ध द्वारा बनवाया गया यह स्मारक उनकी प्रिय नर्स देवा को श्रद्धांजलि है, जिसे वे बेहद प्यार करते थे। एक लोकप्रिय पर्यटक आकर्षण, यह प्रभावशाली संरचना हिरण, हाथी और अप्सराओं की नक्काशी से सजी हुई है।

फतेह गुम्बद: फतेह जंग का मकबरा फतेह जंग गुम्बद या फतेह जंग का गुम्बद के नाम से भी जाना जाता है। यह स्मारक एक ऐतिहासिक खजाना है जो क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करता है और राजस्थान राज्य के अलवर शहर में एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में स्थित है।

- यह मुगल सम्राट शाहजहाँ के मंत्री और अलवर के पूर्व गवर्नर फतेह जंग को समर्पित है। अलवर के खानजादा शासक भी फतेह जंग से संबंधित थे।
- फतेह जंग की बहादुरी और वफादारी को इस मकबरे में अमर कर दिया गया है, जो उनकी याद में एक सच्ची श्रद्धांजलि है। 1647 ई. में निर्मित यह उल्लेखनीय संरचना महत्वपूर्ण ऐतिहासिक और वास्तुशिल्प मूल्य रखती है, जो इसकी भव्यता की सराहना करने और इसके दिलचस्प अतीत के बारे में जानने के लिए दूर-दूर से पर्यटकों को आकर्षित करती है।

40. उत्तर (1) केवल A और C

- के उद्भव से जुड़े रागमाला चित्रों का सेट **1605 में चावंड में निसारदीन नामक कलाकार द्वारा चित्रित किया गया था।**
  - जगत सिंह प्रथम (1628-1652) के शासनकाल को उस काल के रूप में जाना जाता है जब कलाप्रेमी कलाकार साहिबदीन और मनोहर के नेतृत्व में चित्रात्मक सौंदर्यशास्त्र का पुनर्निर्माण हुआ, जिन्होंने मेवाड़ चित्रकला की शैली और शब्दावली में नई जीवंतता जोड़ी।
- साहिबदीन ने रागमाला (1628), रसिकप्रिया, भागवत पुराण (1648) और रामायण के युद्ध कांड (1652) को चित्रित किया।
- मनोहर की सबसे महत्वपूर्ण रचना रामायण का बालकाण्ड (1649) है।
- एक अन्य असाधारण प्रतिभाशाली कलाकार जगन्नाथ ने 1719 में बिहारी सतसई चित्रित की, जो मेवाड़ स्कूल का एक अद्वितीय योगदान है।
- **बूंदी चित्रकला** का एक लोकप्रिय विषय है । यह केशवदास द्वारा 12 महीनों का एक वातावरणीय वर्णन है जो ओरछा की एक प्रसिद्ध वेश्या राय परबीन के लिए लिखी गई कविप्रिया के दसवें अध्याय का हिस्सा है।

- **बीकानेर** में प्रचलित प्रथा थी मंडी नामक स्टूडियो स्थापित करना, जहाँ कलाकारों का एक समूह एक मास्टर कलाकार की देखरेख में काम करता था। शिलालेखों से पता चलता है कि रुकनुद्दीन, इब्राहिम और नाथू इन स्टूडियो का प्रबंधन करते थे। अनूप सिंह के शासनकाल में कई मंडियाँ मौजूद थीं।

41. उत्तर (3) माधव गाडगिल

प्रसिद्ध पारिस्थितिकीविद्, शिक्षाविद और लेखक माधव गाडगिल संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के वर्ष 2024 के छह 'चैंपियंस ऑफ द अर्थ' में से एक हैं, जैसा कि संयुक्त राष्ट्र निकाय ने 10 दिसंबर, 2024 को घोषित किया।

- बयान में कहा गया कि गाडगिल ने अनुसंधान और सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से लोगों और ग्रह की रक्षा में दशकों बिताए हैं।
    - उनके कार्य ने प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर जनमत और आधिकारिक नीतियों को बहुत प्रभावित किया है।
    - इसमें राज्य और राष्ट्रीय नीतियों से लेकर जमीनी स्तर पर पर्यावरणीय सहभागिता तक के ऐतिहासिक पर्यावरणीय प्रभाव आकलन शामिल हैं।
    - "वह भारत के पारिस्थितिक रूप से नाजुक पश्चिमी घाट क्षेत्र में अपने मौलिक कार्य के लिए प्रसिद्ध हैं, जो एक अद्वितीय वैश्विक जैव विविधता वाला क्षेत्र है।"

  असम स्थित वन्यजीव जीवविज्ञानी पूर्णिमा देवी बर्मन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, सुजलॉन समूह के अध्यक्ष तुलसी तांती और अफरोज आलम साहिल को इससे पहले विभिन्न श्रेणियों में चैंपियंस ऑफ अर्थ पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

42. उत्तर (2) आलोक शुक्ला

छत्तीसगढ़ बचाओ आंदोलन के संयोजक और हसदेव अरण्य बचाओ संघर्ष समिति के संस्थापक सदस्य आलोक शुक्ला को एशिया से 2024 गोल्डमैन पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

- आलोक शुक्ला ने एक सफल सामुदायिक अभियान का नेतृत्व किया, जिसने मध्य भारतीय राज्य छत्तीसगढ़ में 21 नियोजित कोयला खदानों से 445,000 एकड़ जैव विविधता से भरपूर जंगलों को बचाया। जुलाई 2022 में, सरकार ने हसदेव अरण्य में 21 प्रस्तावित कोयला खदानों को रद्द कर दिया, जिसके प्राचीन जंगल- जिन्हें छत्तीसगढ़ के फेफड़े के रूप में जाना जाता है- भारत के सबसे बड़े बरकरार वन क्षेत्रों में से एक हैं।

गोल्डमैन पर्यावरण पुरस्कार

- गोल्डमैन पर्यावरण पुरस्कार दुनिया भर के जमीनी स्तर के पर्यावरण कार्यकर्ताओं की उपलब्धियों और नेतृत्व को सम्मानित करता है, जो हम सभी को अपने ग्रह की रक्षा के लिए कार्रवाई करने के लिए प्रेरित करता है।
    - गोल्डमैन पर्यावरण पुरस्कार की स्थापना 1989 में रिचर्ड और रोडा गोल्डमैन द्वारा की गई थी।
- यह दुनिया के लगभग छह बसे हुए महाद्वीपीय क्षेत्रों से जमीनी स्तर के पर्यावरण नायकों को मान्यता देता है: अफ्रीका, एशिया, यूरोप, द्वीप और द्वीप राष्ट्र, उत्तरी अमेरिका, दक्षिण और मध्य अमेरिका

- यह पुरस्कार प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा और संवर्धन के लिए निरंतर और महत्वपूर्ण प्रयासों के लिए व्यक्तियों को सम्मानित करता है। गोल्डमैन पुरस्कार "जमीनी" नेताओं को स्थानीय प्रयासों में शामिल लोगों के रूप में देखता है, जहां समुदाय या नागरिक भागीदारी के माध्यम से सकारात्मक बदलाव लाया जाता है।

43. उत्तर (2) श्रीमती सुधा मूर्ति

लोकमान्य तिलक स्मारक ट्रस्ट द्वारा प्रदान किया जाने वाला यह पुरस्कार ग्रामीण विकास, साहित्य और सामाजिक कार्यों में मूर्ति के योगदान को मान्यता देता है। हाल ही में उन्हें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा राज्यसभा के लिए नामित किया गया है।

- यह पुरस्कार ट्रस्ट द्वारा लोकमान्य तिलक की पुण्यतिथि के अवसर पर प्रतिवर्ष दिया जाता है।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2023 में लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार के 41वें प्राप्तकर्ता थे। समाजवादी एसएम जोशी इस पुरस्कार के पहले प्राप्तकर्ता थे।

44. उत्तर (2) A-ii,Bi,C-iii,D-iv

- **दिव्याकृति सिंह: घुड़सवारी में अर्जुन पुरस्कार जीतने वाली भारत की पहली महिला। उन्होंने चीन के हांग्जो में आयोजित 2022 एशियाई खेलों में घुड़सवारी ड्रेसेज की टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता।**
  - दिव्याकृति राजस्थान के नागौर जिले के एक छोटे से गांव की रहने वाली हैं। दिव्याकृति ने जयपुर और अजमेर से पढ़ाई की है।
- **माहेश्वरी चौहान:** वह जालौर राजस्थान से हैं, उन्होंने ओलंपिक 2024 में निशानेबाजी की मिश्रित स्पर्धा श्रेणी में भारत का प्रतिनिधित्व किया है।
- **भावना जाट:** वह राजस्थान के राजसमंद जिले से रेस वॉकर हैं।
- **ज्योति चौधरी:** वह राजस्थान से क्रिकेटर (विकेट कीपर) हैं।

45. उत्तर (4)

चीन 383 पदकों के साथ तालिका में शीर्ष पर रहा जिसमें 201 स्वर्ण पदक शामिल थे।

जबकि जापान 52 स्वर्ण पदकों सहित 188 पदकों के साथ दूसरे स्थान पर है।

46. उत्तर (4) सभी सही हैं

यह 2019 में शुरू की गई देश में अपनी तरह की पहली पहल है और आरटीआई अधिनियम, 2005 की धारा 4(2) (जनता को सूचना का स्वतः प्रकटीकरण) की आवश्यकताओं को सुनिश्चित करती है।

- इस प्लेटफॉर्म पर खाद्यान्न एवं राशन की दुकानों की उपलब्धता, योजनाओं के कार्यान्वयन और उनके लाभार्थियों, भूमि रिकॉर्ड और सामाजिक सुरक्षा पेंशन आदि से संबंधित जानकारी वास्तविक समय के आधार पर उपलब्ध होगी।
- **सूचना कियोस्क तथा** शहरों में स्वयं सेवा **ई-मित्र केन्द्र स्थापित किए जाएंगे।**
- **सूचना प्रौद्योगिकी विभाग** जेएसपी के विकास, परिचालन और रखरखाव के लिए **नोडल विभाग** के रूप में कार्य करेगा ।
- सलाहकार समूह द्वारा डिजिटल संवाद के माध्यम से मानदंड और मानक निर्धारित किए जाते हैं। और, यह सुनिश्चित करने के लिए कि जिम्मेदारियाँ सुचारू रूप से निभाई जा रही हैं, सलाहकार समूह निगरानी एजेंसी होगी।
- **शिकायत निवारण अधिकारी** नियुक्त किए जाएंगे ताकि नागरिक राज्य सरकार की जवाबदेही पर नजर रख सकें।

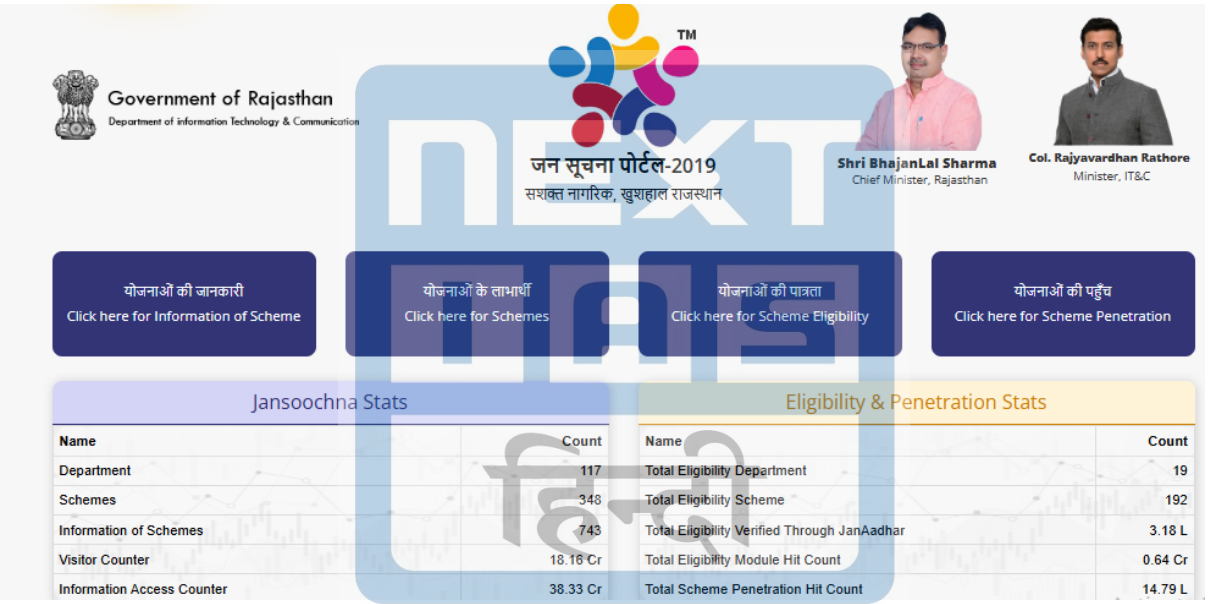

47. उत्तर (1) a - I, b - II, c - III, d - IV

- **शुद्ध के लिए युद्ध अभियान** : राज्य के सभी उपभोक्ताओं को शुद्ध खाद्य वस्तुएं उपलब्ध कराने के लिए राजस्थान सरकार द्वारा **26** अक्टूबर **, 2020 से "शुद्ध के लिए युद्ध अभियान" अभियान चलाया जा रहा है** । वर्तमान में, **"शुद्ध आहार" " मिलावट पर वार " अभियान 15 फरवरी** 2024 से लगातार चल रहा है ।
- **निरोगी राजस्थान अभियान:** यह **18 दिसंबर , 2019 को** राजस्थान के सभी नागरिकों की राज्य स्वास्थ्य समस्याओं के लिए एक निवारक उपाय के रूप में शुरू किया गया था।
    - जिसके अंतर्गत निम्नलिखित गतिविधियाँ की जा रही हैं: जनसंख्या नियंत्रण (परिवार कल्याण कार्यक्रम), वृद्धावस्था में स्वास्थ्य देखभाल (जेरिएट्रिक सेंटर), महिला स्वास्थ्य (एनीमिया, कुपोषण, स्तन और गर्भाशय कैंसर, मासिक धर्म), मौसमी संक्रामक रोग, किशोर स्वास्थ्य (एनीमिया, कुपोषण, मोटापा, मासिक धर्म और स्वच्छता)। गैर-संचारी रोग (जीवनशैली और मोटापा, मधुमेह, रक्तचाप, मनोवैज्ञानिक समस्याएं, हृदय

रोग, स्ट्रोक, कैंसर, फेफड़ों के रोग)। टीकाकरण और वयस्क टीकाकरण (पूर्ण टीकाकरण), नशा मुक्ति और रोग (शराब, ड्रग और तंबाकू), खाद्य पदार्थ और मिलावट, प्रदूषण आदि।

- **इंदिरा रसोई योजना: इसे 20 अगस्त, 2020** को लॉन्च किया गया था लेकिन अब यह **श्री अन्नपूर्णा रसोई योजना** के नाम से चल रही है।
    - सुशासन के लिए समर्पित राज्य सरकार द्वारा वर्तमान में नगरीय निकायों में **इसका संचालन किया जा रहा है , जो प्रदेश में 'लक्ष्य अंत्योदय-प्रण अंत्योदय-पथ अंत्योदय' की संकल्पना को साकार कर रहा है।**
    - योजना के तहत आम जनता को दो बार भोजन (दोपहर व रात्रि भोजन) के लिए स्थाई रसोई में सम्मानपूर्वक बैठाकर शुद्ध व पौष्टिक भोजन 8 रुपए प्रति प्लेट की दर से उपलब्ध कराया जा रहा है तथा राज्य सरकार द्वारा प्रति प्लेट 22 रुपए का राज्य अनुदान दिया जा रहा है।
- **श्री अन्नपूर्णा रसोई योजना (पूर्व में इंदिरा रसोई योजना) भी 10 सितम्बर, 2023** को ग्रामीण कस्बों में शुरू की गई। इस योजना के माध्यम से स्थानीय स्वाद के अनुसार पौष्टिक और स्वस्थ भोजन सस्ती दरों पर उपलब्ध कराया जा रहा है। श्री अन्नपूर्णा रसोई योजना (ग्रामीण) का संचालन राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका) के माध्यम से राज्य के सभी चिन्हित ग्रामीण कस्बों में महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा किया जा रहा है।
- **इंदिरा गांधी शहरी क्रेडिट कार्ड योजना:** इसके अंतर्गत शहरी क्षेत्रों में 5 लाख स्ट्रीट वेंडर्स को 50,000 रुपये का ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है।

48. उत्तर (3)

राजस्थान परिवर्तन एवं नवाचार संस्थान

राजस्थान परिवर्तन एवं नवाचार संस्थान की स्थापना 3 मार्च, 2024 को मुख्यमंत्री राजस्थान आर्थिक परिवर्तन सलाहकार परिषद (CMRETAC) के स्थान पर की गई।

- इसका गठन नीति आयोग की तर्ज पर किया गया है, जो राजस्थान को विकसित राज्य बनाने के लिए रोडमैप तैयार करेगा।

RITI के उद्देश्य और कार्य:

1.) **संसाधन उपयोग** : यह विकास के लिए राज्य के संसाधनों (भौतिक, वित्तीय और जनशक्ति) के उपयोग का अनुमान लगाने और अनुकूलन करने में मदद करेगा।

2.) **नीतिगत सिफारिशें:** इसमें क्षेत्रीय असंतुलन को दूर करने के लिए राष्ट्रीय प्राथमिकताओं और राज्य की आवश्यकताओं के अनुरूप अल्पकालिक और दीर्घकालिक उपायों का प्रस्ताव किया गया है।

3.) **सतत विकास:** सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) और अपना अग्रणी राजस्थान-संकल्प पत्र-2023 पर ध्यान केंद्रित करते हुए योजना बनाने में विभागों का मार्गदर्शन करना।

4.) **राज्य विजन-2047** : यह एक व्यापक दीर्घकालिक दृष्टि और नीतियों को तैयार करने और कार्यान्वित करने में मदद करेगा।

5.) **मूल्यांकन और सुधार:** यह बेहतर परिणामों के लिए सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों की समीक्षा करेगा और उनमें सुधार करेगा।

6.) **सफलता से सीख** : यह राज्य कार्यान्वयन के लिए सफल राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय नीतियों को अनुकूलित करेगा।

7.) **जीवन स्तर:** यह जीवन स्तर में सुधार के लिए आर्थिक और सामाजिक विकास में आने वाली बाधाओं की पहचान करेगा और उनका समाधान करेगा।

8.) **सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी**): यह वित्तीय संसाधनों के उपयोग को अधिकतम करता है और पीपीपी मॉडल के माध्यम से विकास परिणामों का आकलन करता है।

9.) **टेक एवं नॉलेज हब** : यह आईटी, आधुनिक संचार उपकरणों को बढ़ावा देगा तथा ज्ञान हस्तांतरण एवं विकास के लिए उच्च तकनीक संस्थानों के साथ समन्वय करेगा।

10.) **सतत मार्गदर्शन:** यह RITI की सिफारिशों को लागू करने के लिए विभागों को निरंतर सलाह प्रदान करेगा और आवश्यक सुधार सुझाएगा।

49. उत्तर (1) A और B

आंकड़ा 0.3 जनगणना 1961, 2001, 2011 और वर्ष 2021 और 2031 के जनसंख्या प्रक्षेपण के अनुसार राजस्थान और भारत दोनों की कुल जनसंख्या में शहरी आबादी का प्रतिशत हिस्सा दर्शाता है।

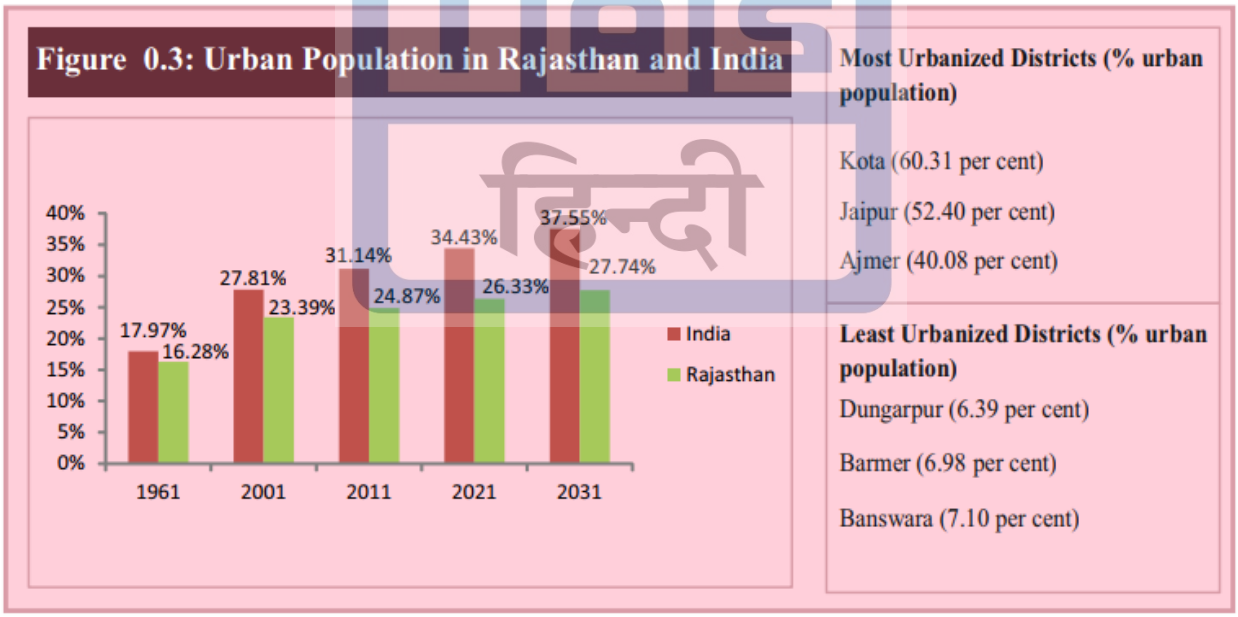

50. उत्तर (1) व्यापार, होटल और रेस्तरां

वर्ष 2023-24 में सेवा क्षेत्र वर्तमान मूल्यों पर राजस्थान के सकल राज्य मूल्य वर्धित (जीएसवीए) में 45.07 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ राज्य में सबसे बड़ा क्षेत्र बना रहेगा।

- 2023-24 में, व्यापार, होटल और रेस्तरां ने सेवा क्षेत्र में जीएसवीए में लगभग 28.01 प्रतिशत का योगदान दिया, इसके बाद आवास और व्यावसायिक सेवाओं के रियल एस्टेट स्वामित्व की हिस्सेदारी 23.59 प्रतिशत रही।

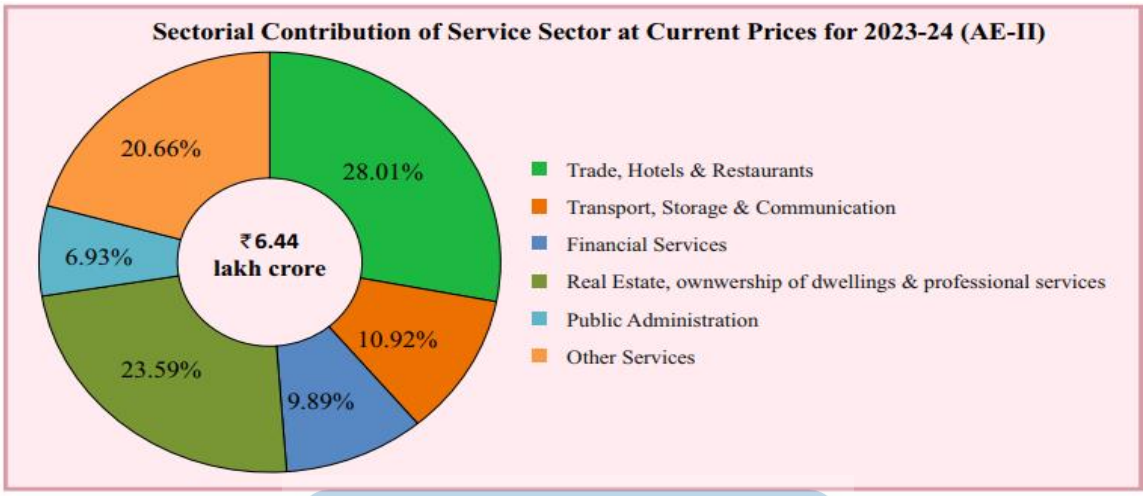

51. उत्तर (3)

सिंधु दर्शन तीर्थयात्रा योजना के तहत, भारत के लद्दाख में सिंधु दर्शन तीर्थ स्थल की यात्रा प्रदान की जाती है।

स्पष्टीकरण:

- **मुख्यमंत्री वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना** का नाम बदलकर पंडित दीन दयाल उपाध्याय वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना कर दिया गया है।
    - राज्य के वरिष्ठ नागरिकों को देश के विभिन्न धार्मिक स्थानों जैसे रामेश्वरम, जगन्नाथ पुरी और गंगासागर वैष्णो देवी, शिरडी, द्वारकापुरी, तिरूपति, कामाख्या, उज्जैन, वाराणसी, अमृतसर, श्रवणबेलगोला, सम्मेद शिखर, की निःशुल्क यात्रा और दर्शन की सुविधा प्रदान की जाती है। ट्रेन से बिहारशरीफ, गया (बिहार), हरिद्वार, कोच्चि, लखनऊ, मथुरा-वृंदावन।
    - एयरलाइन के माध्यम से पशुपतिनाथ, काठमांडू (नेपाल) तक।
- **मोक्ष कलश योजना:** अस्थि विसर्जन के लिए परिवार के दो सदस्यों को हरिद्वार तक मुफ्त यात्रा।
    - इस योजना के तहत आरएसआरटीसी द्वारा किए गए सभी खर्चों की प्रतिपूर्ति देवस्थान विभाग द्वारा की जाती है।
- **सिंधु दर्शन तीर्थ यात्रा योजना:** भारत के लद्दाख में स्थित सिंधु दर्शन तीर्थ स्थल की यात्रा।
    - कुल व्यय का 50% या अधिकतम ₹10,000 राजस्थान के निवासियों को दिया जाता है।

52. उत्तर (3)

आरबीआई गवर्नर की नियुक्ति **पांच वर्ष से अधिक की अवधि के लिए नहीं की जाती है** , जिसे केंद्र सरकार द्वारा विस्तार या पुनर्नियुक्ति की संभावना के साथ नियुक्त किया जा सकता है।

- इसकी अवधि प्रारम्भ में तीन वर्ष निर्धारित की गई है, लेकिन आवश्यकता पड़ने पर इसे दो वर्ष के लिए बढ़ाया जा सकता है।

आरबीआई गवर्नर की नियुक्ति प्रक्रिया : आरबीआई गवर्नर की नियुक्ति भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 के तहत निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार की जाती है। गवर्नर का चयन कैसे किया जाता है, इसका अवलोकन नीचे दिया गया है:

- **चयन समिति:** वित्तीय क्षेत्र नियामक नियुक्ति खोज समिति उम्मीदवारों की सूची बनाने के लिए जिम्मेदार होती है।
    - इस समिति में कैबिनेट सचिव, वर्तमान आरबीआई गवर्नर, वित्तीय सेवा सचिव और दो स्वतंत्र सदस्य शामिल हैं।
- **चयन और साक्षात्कार:** पात्र उम्मीदवारों की सूची तैयार करने के बाद, समिति उनका साक्षात्कार लेती है और फिर सूची को प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली नियुक्ति संबंधी कैबिनेट समिति को भेजती है।
- **अंतिम नियुक्ति:** जब कैबिनेट समिति उम्मीदवार को मंजूरी दे देती है, तो केंद्र सरकार द्वारा नियुक्ति की पुष्टि कर दी जाती है।
- **कार्यकाल:** आरबीआई गवर्नर की नियुक्ति पांच वर्ष की अवधि के लिए की जाती है, जिसे केंद्र सरकार द्वारा विस्तार या पुनर्नियुक्ति की संभावना के साथ नियुक्त किया जा सकता है।

नोट: हाल ही में, संजय मल्होत्रा को आरबीआई के 26वें गवर्नर के रूप में नियुक्त किया गया है, जो पूर्व राजस्व सचिव के रूप में अपनी भूमिका निभाएंगे।

- वह भारतीय रिजर्व बैंक के प्रमुख के रूप में तीन साल का कार्यकाल पूरा करेंगे। मल्होत्रा शक्तिकांत दास का स्थान लेंगे जिन्होंने आरबीआई प्रमुख के रूप में अपना कार्यकाल पूरा कर लिया है।

NEXT IAS हिन्दी

53. उत्तर (3)

राज्य के भीतर आवंटन, पात्र परिवारों की पहचान, राशन कार्ड जारी करना और उचित मूल्य की दुकानों (एफपीएस) के कामकाज की निगरानी सहित परिचालन जिम्मेदारियाँ मुख्य रूप से राज्य सरकारों के पास हैं। इसलिए, कथन 3 गलत है।

- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (NFSA) 2013 भारत में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS) को नियंत्रित करता है। NFSA का उद्देश्य पात्र परिवारों को रियायती कीमतों पर खाद्यान्न उपलब्ध कराकर आबादी के एक बड़े हिस्से को खाद्य सुरक्षा प्रदान करना है।
    - अधिनियम के अंतर्गत 75% ग्रामीण जनसंख्या तथा 50% शहरी जनसंख्या को लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत लाया जाएगा, इस प्रकार देश की लगभग दो-तिहाई जनसंख्या इसके अंतर्गत आएगी।

54. उत्तर (2) A, B और D

मानव श्रम और भूमि उत्पादन में योगदान करते हैं। इसलिए, कथन A और B सही हैं।

पूंजीगत सामान वे मशीनें हैं जिनका उपयोग अन्य वस्तुओं के उत्पादन के लिए किया जाता है। इसलिए, कथन D भी सही है।'

उपभोक्ता वस्तुएँ तैयार उत्पाद हैं। वे उत्पादन के कारक नहीं हैं, बल्कि उत्पाद हैं। इसलिए, कथन C गलत है।

- यह उन इनपुट का वर्णन करता है जो वस्तुओं या सेवाओं के उत्पादन में उपयोग किए जाते हैं
- आर्थिक लाभ कमाने के प्रयास में उत्पादन के कारकों में भूमि, श्रम, पूंजी और उद्यमशीलता शामिल हैं।
    - पूंजी को आगे स्थिर (मशीनें आदि) और कार्यशील पूंजी (धन, कच्चा माल आदि) में विभाजित किया जा सकता है।

55. उत्तर : (4)

- सीआरआर और एसएलआर बढ़ाने का मतलब है कि बैंकों को अपनी परिसंपत्तियों का ज़्यादा हिस्सा केंद्रीय बैंक के पास जमा करना होगा। इससे बैंक की ग्राहकों को उधार देने की क्षमता कम हो जाती है। इस प्रकार, अर्थव्यवस्था में कुल मुद्रा आपूर्ति कम हो जाती है।
- राजकोषीय घाटे को कम करने का मतलब यह हो सकता है कि सरकार ने उपभोग व्यय कम कर दिया है। इससे अर्थव्यवस्था में धन की मात्रा भी कम हो सकती है।
- जब रिवर्स रेपो दर अधिक होती है, तो बैंकों को अपने अतिरिक्त धन को उधार देने के बजाय केंद्रीय बैंक के पास जमा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इससे प्रचलन में मुद्रा की मात्रा कम हो जाती है।

56. उत्तर (2) नारियल

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अंतरिम बजट में देश को सरसों, मूंगफली, तिल, सोयाबीन और सूरजमुखी जैसे तिलहनों में आत्मनिर्भर बनाने की रणनीति की घोषणा की।

- यह घोषणा ऐसे समय में की गई है, जब कम आयात शुल्क के कारण भारत आयातित खाद्य तेलों का प्रमुख गंतव्य बन गया है - एक ऐसा तथ्य जिसने तिलहन उत्पादकों की आय को काफी प्रभावित किया है।

  हाल ही में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने **राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन - तिलहन (एनएमईओ-तिलहन) को मंज़ूरी दी है,** जो घरेलू तिलहन उत्पादन को बढ़ावा देने और खाद्य तेलों में आत्मनिर्भरता (आत्मनिर्भर भारत) हासिल करने के उद्देश्य से एक ऐतिहासिक पहल है। मिशन को 2024-25 से 2030-31 तक सात साल की अवधि में लागू किया जाएगा, जिसका वित्तीय परिव्यय 10,103 करोड़ रुपये होगा।
- नव अनुमोदित एनएमईओ-तिलहन, रेपसीड-सरसों, मूंगफली, सोयाबीन, सूरजमुखी और तिल जैसी प्रमुख प्राथमिक तिलहन फसलों के उत्पादन को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करेगा, साथ ही कपास के बीज, चावल की भूसी और वृक्ष जनित तेलों जैसे द्वितीयक स्रोतों से संग्रहण और निष्कर्षण दक्षता को बढ़ाएगा।
- मिशन का लक्ष्य प्राथमिक तिलहन उत्पादन को 39 मिलियन टन (2022-23) से बढ़ाकर 2030-31 तक 69.7 मिलियन टन करना है। एनएमईओ-ओपी (ऑयल पाम) के साथ मिलकर, मिशन का लक्ष्य 2030-31 तक घरेलू खाद्य तेल उत्पादन को 25.45 मिलियन टन तक बढ़ाना है, जो हमारी अनुमानित घरेलू आवश्यकता का लगभग 72% पूरा करेगा।

- यह लक्ष्य उच्च उपज देने वाली, उच्च तेल मात्रा वाली बीज किस्मों को अपनाने, चावल की परती भूमि में खेती को बढ़ाने तथा अंतरफसल को बढ़ावा देने के माध्यम से प्राप्त किया जाएगा।
- यह मिशन जीनोम एडिटिंग जैसी अत्याधुनिक वैश्विक प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके उच्च गुणवत्ता वाले बीजों के विकास को बढ़ावा देगा।

- गुणवत्तायुक्त बीजों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए, मिशन **'बीज प्रमाणीकरण, पता लगाने योग्यता और समग्र सूची (एसएटीएचआई)' पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन 5-वर्षीय रोलिंग बीज योजना शुरू करेगा,** जिससे राज्यों को सहकारी समितियों, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) और सरकारी या निजी बीज निगमों सहित बीज उत्पादक एजेंसियों के साथ अग्रिम गठजोड़ स्थापित करने में मदद मिलेगी। बीज उत्पादन के बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए सार्वजनिक क्षेत्र में 65 नए बीज केंद्र और 50 बीज भंडारण इकाइयां स्थापित की जाएंगी।

57. उत्तर (3) सतत विकास

58. उत्तर (1) केवल a और b

- अर्थशास्त्री आमतौर पर मुद्रास्फीति और सापेक्ष मूल्य वृद्धि के बीच अंतर करते हैं, 'मुद्रास्फीति' से तात्पर्य निरंतर, सर्वत्र मूल्य वृद्धि से है, जबकि 'सापेक्ष मूल्य वृद्धि' से तात्पर्य एक या वस्तुओं के एक छोटे समूह से संबंधित आकस्मिक मूल्य वृद्धि से है।

- इससे एक तीसरी घटना सामने आती है, जिसमें एक या एक छोटे समूह की वस्तुओं की कीमत में निरंतर समयावधि में वृद्धि होती है, जिसका कोई पारंपरिक नाम नहीं होता। मूल्य वृद्धि की इस तीसरी श्रेणी का वर्णन करने के लिए **'स्क्यूफ्लेशन** ' एक अपेक्षाकृत नया शब्द है।

- **स्टैगफ्लेशन** एक ऐसी स्थिति है जब **मुद्रास्फीति और बेरोजगारी दोनों ही उच्च स्तर पर होती हैं,** जो कि पारंपरिक धारणा के विपरीत है। ऐसी स्थिति सबसे पहले 1970 के दशक में अमेरिकी अर्थव्यवस्था में पैदा हुई थी।
- **पुनर्मुद्रास्फीति** एक ऐसी स्थिति है जिसे सरकार अक्सर बेरोजगारी को कम करने और आर्थिक विकास के उच्च स्तर तक पहुंचकर मांग को बढ़ाने के लिए जानबूझकर लाती है।
- **अपस्फीति** वस्तुओं और सेवाओं के सामान्य मूल्य स्तर में कमी है।
  - अपस्फीति से धन का वास्तविक मूल्य बढ़ जाता है।
- **डिस्इन्फ्लेशन** मुद्रास्फीति की दर में मंदी है (अर्थात जब मुद्रास्फीति निम्न स्तर तक गिर जाती है)।

59. उत्तर (3)

'सेंसेक्स' में वृद्धि का अर्थ है बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में पंजीकृत कंपनियों के समूह के शेयरों की कीमतों में समग्र वृद्धि।

- सेंसेक्स भारत में बीएसई का बेंचमार्क इंडेक्स है। इसे 1 जनवरी, 1986 को बीएसई में सूचीबद्ध देश की सबसे बड़ी, वित्तीय रूप से मजबूत कंपनियों का प्रतिनिधित्व करने वाले 30 शेयरों की एक टोकरी के रूप में लॉन्च किया गया था।
  - 'सेंसेक्स' शब्द 'सेंसिटिव' और 'इंडेक्स' शब्दों का मिश्रण है और इसे शेयर बाजार विशेषज्ञ दीपक मोहिनी ने गढ़ा था।
  - सेंसेक्स भारतीय शेयर बाजार में होने वाली हलचल को दर्शाता है। इसे भारतीय शेयर बाजार का बेंचमार्क इंडेक्स माना जाता है। यह भारत का सबसे पुराना इंडेक्स है और 1979 से टाइम सीरीज डेटा प्रदान करता है, बीएसई, जिसे पहले बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के नाम से जाना जाता था, अपनी वेबसाइट पर कहता है।

60. उत्तर (1) a-i, b-ii, c-iii, d-iv

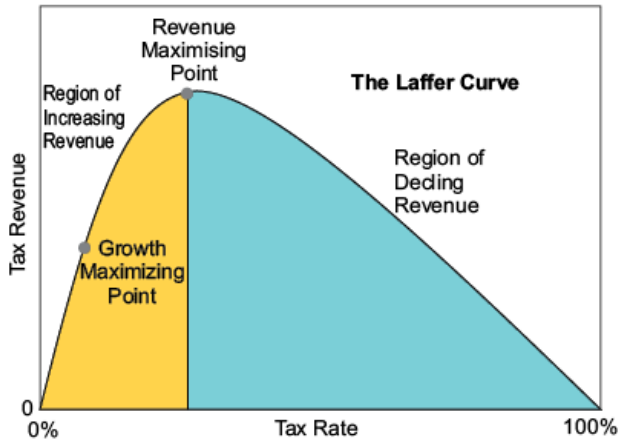

लाफ़र वक्र: इसका आविष्कार आर्थर लाफ़र ने किया था।

- यह कर दरों और सरकार द्वारा एकत्रित कर राजस्व के बीच संबंध को दर्शाता है।
- लाफ़र वक्र का आकार उल्टा U है, जो दर्शाता है कि:
    - 0% कर दर पर, सरकार कोई कर राजस्व एकत्रित नहीं करती (जिसे वक्र के सबसे नीचे बाएँ बिन्दु द्वारा दर्शाया गया है)।
    - जैसे-जैसे कर की दर 0% से बढ़ती है, सरकार का कर राजस्व शुरू में बढ़ता है। वक्र पर एक सैद्धांतिक मीठा बिंदु होता है जहाँ कर की दर सरकार के लिए अधिकतम कर राजस्व उत्पन्न करती है।
    - इस बिंदु को अक्सर इष्टतम कर दर के रूप में संदर्भित किया जाता है। इष्टतम बिंदु से परे, यदि कर दरें बढ़ती रहती हैं, तो सरकार का कर राजस्व कम होने लगता है।

■ ऐसा इसलिए है क्योंकि उच्च कर दरें आर्थिक गतिविधियों को हतोत्साहित कर सकती हैं, कर से बचने को प्रोत्साहित कर सकती हैं, या आय के स्तर को कम कर सकती हैं।

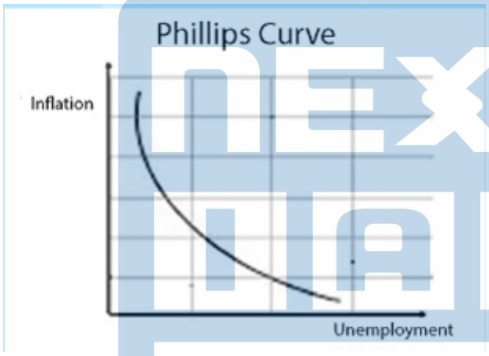

फिलिप्स वक्र: यह बेरोजगारी दर और मुद्रास्फीति के बीच विपरीत संबंध को दर्शाता है।

- यह कहता है कि किसी अर्थव्यवस्था में मुद्रास्फीति की दर और बेरोज़गारी की दर के बीच विपरीत संबंध होता है। दूसरे शब्दों में, अगर बेरोज़गारी घटती है, तो मुद्रास्फीति बढ़ेगी और इसके विपरीत।
- इस वक्र का नाम अर्थशास्त्री ए.डब्लू. फिलिप्स के नाम पर रखा गया है, जिन्होंने 1958 में पहली बार इस सिद्धांत को सामने रखा था।

लोरेंज वक्र : यह आय असमानता या धन असमानता का एक ग्राफिकल प्रतिनिधित्व है जिसे अमेरिकी अर्थशास्त्री मैक्स लोरेंज ने 1905 में विकसित किया था।

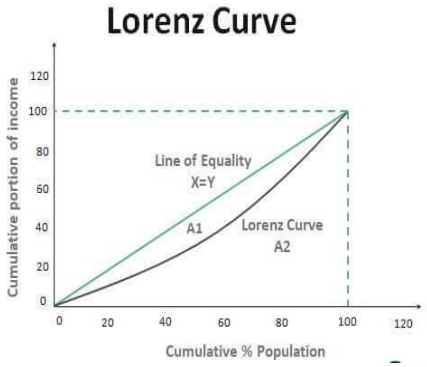

कुज्नेत्स वक्र: यह एक यू-आकार का ग्राफ है जो आर्थिक विकास और आय असमानता, पर्यावरण गुणवत्ता या वन आवरण के बीच संबंध को दर्शाता है।

- इस वक्र का विकास रूसी-अमेरिकी अर्थशास्त्री साइमन कुज़नेट्स ने 1950 और 1960 के दशक में किया था।

61. उत्तर (3) 2010

यह भारत के राजस्थान राज्य का एक लोक नृत्य है। इसे 'सपेरा नृत्य' या 'सपेरा नृत्य' जैसे अन्य नामों से भी जाना जाता है।

- कालबेलिया नृत्य विशेष रूप से 'कालबेलिया' नामक राजस्थानी समुदाय द्वारा किया जाता है।

यूनेस्को की अमूर्त विरासत सूची: यूनेस्को के अनुसार, अमूर्त सांस्कृतिक विरासत में हमारे पूर्वजों से विरासत में मिली और हमारे वंशजों को प्राप्त हुई परंपराएं या जीवंत अभिव्यक्तियां शामिल हैं, जैसे मौखिक परंपराएं, प्रदर्शन कलाएं, सामाजिक प्रथाएं, अनुष्ठान, उत्सव कार्यक्रम, प्रकृति और ब्रह्मांड से संबंधित ज्ञान और प्रथाएं या पारंपरिक शिल्प का उत्पादन करने का ज्ञान और कौशल।

- यूनेस्को ने अमूर्त सांस्कृतिक विरासतों की अपनी सूची की स्थापना विश्व भर में महत्वपूर्ण अमूर्त सांस्कृतिक विरासतों के बेहतर संरक्षण और उनके महत्व के बारे में जागरूकता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की है।
- यह सूची 2008 में स्थापित की गई थी जब अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा के लिए 2003 का कन्वेंशन प्रभावी हुआ था।

62. उत्तर (2) केवल a, b & d

कर्क रेखा भारत के 8 राज्यों अर्थात् गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, मिजोरम से होकर गुजरती है।

- साबरमती नदी गुजरात राज्य के मेहसाणा जिले के पास कर्क रेखा से गुजरने के बाद खंभात की खाड़ी में प्रवेश करती है
- माही नदी कर्क रेखा को दो बार काटती है। सबसे पहले यह मध्य प्रदेश में कटती है, फिर गुजरात में बहती है, जहाँ यह दूसरी बार कटती है।
- लूनी नदी अंतर्देशीय जल निकासी प्रणाली का एक उदाहरण है और यह समुद्र में प्रवेश करने में सक्षम नहीं है, इसलिए यह बहुत कम दूरी तय करती है। यह कच्छ के रण में लुप्त हो जाती है। यह स्थान कर्क रेखा के ऊपर है, इसलिए यह कर्क रेखा को नहीं छूती है।
- दामोदर नदी पश्चिम बंगाल में कर्क रेखा को काटती है तथा छोटा नागपुर पठार से निकलती है।

63. उत्त (3) वॉसजेस - यूरोप

व्याख्या: वोसगेस को छोड़कर, जो एक ब्लॉक पर्वत श्रृंखला है, अन्य सभी फ़ोल्ड पर्वत हैं।

- वलित पर्वत अंतर्जात बलों द्वारा उत्पन्न संपीड़न बलों के कारण निर्मित होते हैं।

- ब्लॉक पर्वत तब बनते हैं जब बड़े क्षेत्र टूट जाते हैं और ऊर्ध्वाधर रूप से विस्थापित हो जाते हैं।

64. उत्तर (2)

ऊर्जा पिरामिड हमेशा सीधा होता है क्योंकि ऊर्जा का प्रवाह हमेशा निम्न ट्रॉफिक स्तर से उच्च ट्रॉफिक स्तर तक एकदिशीय होता है। केवल 10% ऊर्जा निम्न से उच्च ट्रॉफिक स्तर तक स्थानांतरित होती है। इसे दस प्रतिशत नियम कहा जाता है।

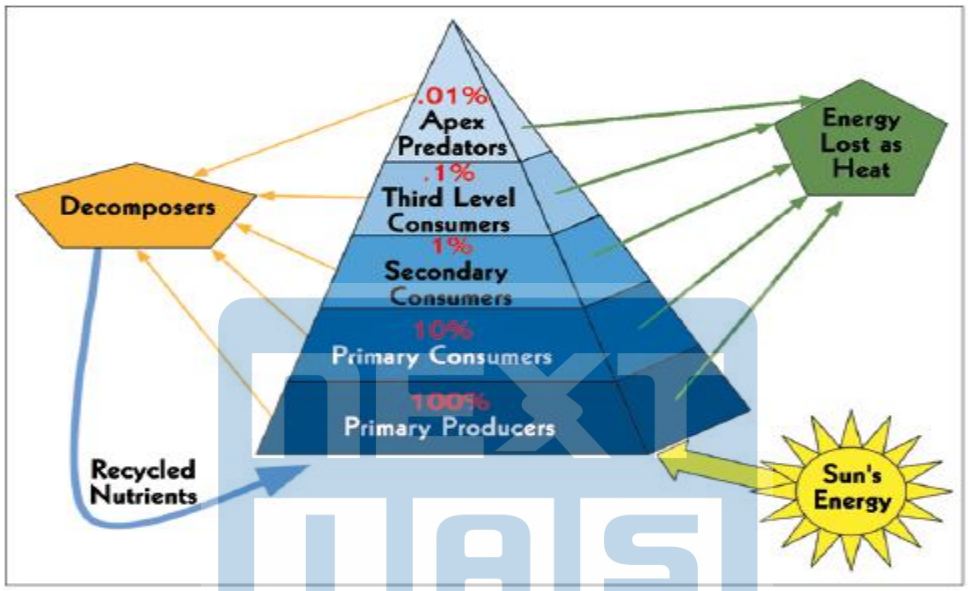

65. उत्तर (2) a-i, b-iii, c-ii, d-iv

- कांटो क्षेत्र को जापान की अर्थव्यवस्था का मुख्य इंजन माना जाता है। जापान के सकल घरेलू उत्पाद में इस क्षेत्र का योगदान लगभग 45% है।
    - यह क्षेत्र अनेक विज्ञान केन्द्रों और अनुसंधान एवं विकास केन्द्रों का घर है, जिसके कारण यहां अनेक जापानी बड़ी कम्पनियां और मानव संसाधन एकत्रित हैं।
- लंकाशायर औद्योगिक क्षेत्र उत्तर-पश्चिमी इंग्लैंड के लंकाशायर काउंटी में स्थित है।
    - यह बंदरगाह और कपास मिलों के लिए जाना जाता है।
- लोरेन अपने क्विच, मैकरॉन, मिराबेल प्लम और मैडेलीन के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। यह 2.3 मिलियन से अधिक निवासियों (लोरेन और लोरेन) का घर है।
    - कई वर्षों तक यह क्षेत्र कोयला, लोहा और इस्पात उद्योगों का पर्याय रहा और 1960 में यह फ्रांस का तीसरा आर्थिक क्षेत्र था।
- कुज़्नेत्स्क बेसिन, जिसे कुज़बास के नाम से भी जाना जाता है, रूस का एक क्षेत्र है जो अपने कोयला उत्पादन और अन्य उद्योगों के लिए प्रसिद्ध है।

66. उत्तर (3) कंवर प्राकृतिक बैल झील है

कंवर झील बिहार के बेगूसराय जिले में स्थित है। यह एक अवशिष्ट ऑक्सबो झील है और एशिया की सबसे बड़ी मीठे पानी की ऑक्सबो झील है। यह गंगा की एक सहायक नदी गंडक के घुमावदार बहाव से बनी है।

- रामसर स्थलों में से एक वेम्बनाड एक तटीय लैगून है। इसका समुद्र की ओर एक एकल, अपेक्षाकृत संकीर्ण द्वार है और इसका निर्माण समुद्र तट के पश्चिम में समुद्र में एक संकीर्ण रेत पट्टी बनाने वाली छह बारहमासी नदियों द्वारा फेंके गए मलबे से हुआ होगा।
- टेक्टोनिक झीलें वे झीलें हैं जो पृथ्वी की पपड़ी के विरूपण और उसके परिणामस्वरूप पार्श्व और ऊर्ध्वाधर गति के परिणामस्वरूप बनती हैं। इन गतियों में दोष, झुकाव, तह और विरूपण शामिल हैं। वुलर झील एशिया की सबसे बड़ी मीठे पानी की झीलों में से एक है, जो भूवैज्ञानिक क्रिया द्वारा निर्मित हुई है। इसलिए, यह एक प्रकार की टेक्टोनिक झील है।

67. उत्तर (4) कोई नहीं

शीत लहर 24 घंटे की अवधि में तापमान में होने वाली तेज़ गिरावट है। शीत लहर एक मौसमी घटना है जो हवा के ठंडा होने से पहचानी जाती है। शीत लहर की स्थिति तब बनती है जब तापमान तेज़ी से सामान्य से बहुत नीचे चला जाता है।

- दिन के समय कोहरा छाया रहे , जिससे दिन में गर्मी नहीं पड़ती और शीत लहर के लिए अनुकूल परिस्थितियां बन जाती हैं
- रात्रि के दौरान साफ आसमान की स्थिति विकिरण शीतलन द्वारा तापमान को कम करने में सहायक होती है।
- कभी-कभी, पश्चिमी विक्षोभ की अनुपस्थिति और लगातार साफ आसमान की स्थिति में, तीव्र रात्रिकालीन विकिरण शीतलन के कारण भी रात का तापमान सामान्य से नीचे गिर सकता है और शीत लहर की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

68. उत्तर (3)

- मिश्मी हिल्स- डफला हिल्स - पटकाई बम- मिकिर हिल्स-लुशाई हिल्स

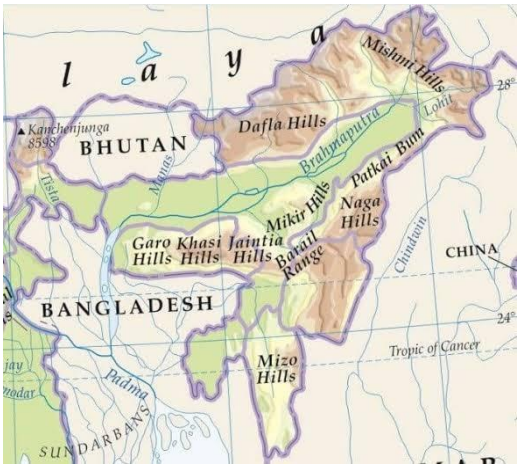

- **मिशमी पहाड़ियाँ:** ये भारत के उत्तर-पूर्वी छोर पर, उत्तर-पूर्वी अरुणाचल प्रदेश में स्थित हैं
- **डफला पहाड़ियाँ:** ये पश्चिमी अरुणाचल और असम की सीमा पर स्थित हैं और इन पर डफला नामक एक स्वतंत्र जनजाति का कब्जा है।
- **पट-काई या पटकाई बम** (ताई-अहोम भाषा में जिसका अर्थ है "मुर्गी (काई) को काटना") म्यांमार के साथ भारत की उत्तर-पूर्वी सीमा पर स्थित पहाड़ियाँ हैं।
- **मिकिर हिल्स** : ये असम के काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के दक्षिण में स्थित पहाड़ियों का एक समूह है। पूर्वी मेघालय में अलग-थलग मिकिर हिल्स हैं जो तीन तरफ से घिरे होने के कारण आंशिक रूप से अलग-थलग हैं। कार्बी पठार या मिकिर हिल्स असम में सबसे पुराना भू-आकृति माना जाता है।
- **लुशाई हिल्स** : मिज़ो हिल्स, पूर्व में लुशाई हिल्स, दक्षिण-पूर्वी मिज़ोरम राज्य में पर्वत श्रृंखला।

69. उत्तर (3) घास के प्रकार

राजस्थान की प्रसिद्ध घासें -

- मोचिया घास - ताल छापर अभयारण्य, चूरू।
- सीवन/लीलोन घास-जैसलमेर।
- धामण घास- जैसलमेर।
- खस और बर घास पूर्वी राजस्थान में पाई जाने वाली सुगंधित घास हैं।

70. उत्तर (4) सभी सही हैं

राजस्थान के चूरू जिले की सुजानगढ़ तहसील में स्थित ताल छापर वन्यजीव अभयारण्य 7.1977 वर्ग किमी में फैला हुआ है और महान भारतीय थार रेगिस्तान के किनारे पर स्थित है। 1962 में एक "आरक्षित क्षेत्र" के रूप में स्थापित और 1966 में एक अभयारण्य घोषित किया गया, इस अभयारण्य में निचले इलाकों के साथ समतल भूभाग है।

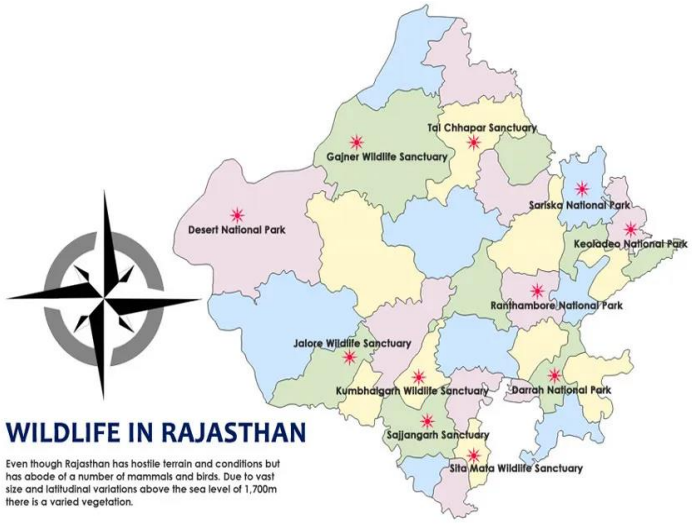

- **जीव-जंतु:** 4,500 से ज़्यादा ब्लैकबक्स, चिंकारा और 250 से ज़्यादा पक्षी प्रजातियों का घर, जिसमें प्रवासी शिकारी पक्षी भी शामिल हैं, यह मध्य एशिया और यूरोप से आने वाले पक्षियों के लिए एक प्रमुख पड़ाव है। यह अभयारण्य सुंदर ब्लैकबक्स की आबादी के लिए प्रसिद्ध है।
- **वनस्पति:** इस भूदृश्य में खुले घास के मैदान हैं, जिन पर बबूल और प्रोसोपिस के पेड़ लगे हैं, जो इसे एक विशिष्ट सवाना का रूप देते हैं।
- गुरु द्रोणाचार्य का आश्रम यहीं स्थित है।
- यहां वन्यजीव प्रबंधन एवं मरुस्थलीय पारिस्थितिकी तंत्र संस्थान की स्थापना की गई है। (राजस्थान में चौथा स्थान, जहां वन्यजीव प्रबंधन एवं मरुस्थलीय पारिस्थितिकी तंत्र संस्थान की स्थापना की गई है)।
- काला हिरण (एंटीलोप सर्विकाप्रा), या भारतीय मृग, मृग की एक प्रजाति है।
    - **निवास स्थान:** भारत और नेपाल का मूल निवासी। यह राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, ओडिशा और प्रायद्वीपीय भारत के अन्य क्षेत्रों में व्यापक रूप से फैला हुआ है।
- इसे घास के मैदान का प्रतीक माना जाता है।
    - इसे पंजाब, हरियाणा और आंध्र प्रदेश का राज्य पशु घोषित किया गया है।
    - काला हिरण एक दिनचर मृग है (मुख्यतः दिन के समय सक्रिय)।
    - सांस्कृतिक महत्व: यह हिंदू धर्म के लिए शुद्धता का प्रतीक है और राजस्थान के बिश्नोई समुदाय में इसे एक पवित्र वस्तु माना जाता है।
- बौद्ध धर्म के लिए यह सौभाग्य का प्रतीक है।
    - संरक्षण स्थिति:
- वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972: अनुसूची I IUCN स्थिति: कम चिंताजनक
- सीआईटीईएस: परिशिष्ट III
    - खतरा: आवास विखंडन, वनों की कटाई, प्राकृतिक आपदाएँ, अवैध शिकार।

71 उत्तर (1)

राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण 2021: शैक्षिक गुणवत्ता का आकलन करने के लिए एनसीईआरटी दिल्ली द्वारा 12 नवंबर 2021 को पूरे देश में राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण 2021 आयोजित किया गया है ।

- इस सर्वेक्षण में कक्षावार सीखने के परिणामों के आधार पर छात्र मूल्यांकन का राज्य रिपोर्ट कार्ड एनसीईआरटी द्वारा जारी किया गया है। राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण 2021 में राजस्थान के कक्षा 3, 5 और 8 में शैक्षिक गुणवत्ता का औसत स्कोर राष्ट्रीय स्कोर से अधिक रहा है।

72. उत्तर (4) 1998

संस्कृत भाषा के लिए अलग निदेशालय वर्ष 1958 में अपनी स्थापना के बाद से कार्य कर रहा है। संस्कृत विश्वविद्यालय की स्थापना वर्ष 1998 में हुई थी।

- निदेशालय स्कूल स्तर से लेकर स्नातकोत्तर स्तर तक अपने संस्थानों के माध्यम से संस्कृत भाषा को बढ़ावा देने के लिए काम कर रहा है।

73. उत्तर (1)

टोंक 985 > बांसवाड़ा 964 > प्रतापगढ़ 963 > डूंगरपुर 951 > राजसमंद

राजस्थान के शहरी क्षेत्रों में लिंग अनुपात 2011 में प्रति 1,000 पुरुषों पर 914 महिलाएं थी, जबकि 2001 में यह 890 महिलाएं थी, जो दर्शाता है कि शहरी क्षेत्रों में लिंग अनुपात प्रति 1,000 पुरुषों पर 24 महिलाओं की वृद्धि हुई है।

- वर्ष 2011 में ग्रामीण क्षेत्रों में लिंगानुपात प्रति 1,000 पुरुषों पर 933 महिलाएं है, जो शहरी क्षेत्रों की तुलना में थोड़ा अधिक है। वर्ष 2001 में ग्रामीण क्षेत्रों में लिंगानुपात प्रति 1,000 पुरुषों पर 930 महिलाएं थी।

Table 7.1: Districts with The Highest and Lowest Urban Sex Ratio in Rajasthan

Districts with Highest Urban Sex Ratio			Districts with Lowest Urban Sex Ratio		
S.No.	Districts	Sex Ratio	S.No.	Districts	Sex Ratio
1.	Tonk	985	1.	Jaisalmer	807
2.	Banswara	964	2.	Dholpur	864
3.	Pratapgarh	963	3.	Alwar	872
4.	Dungarpur	951	4.	Ganganagar	878
5.	Rajsamand	948	5.	Bharatpur	887

Source : Census 2011

74. उत्तर (3) केवल A और B

- पश्चिमी घाट पूर्वी घाट की तुलना में अपेक्षाकृत अधिक ऊंचाई पर हैं और अधिक निरंतर हैं। उनकी औसत ऊंचाई लगभग 1,500 मीटर है, जो उत्तर से दक्षिण की ओर बढ़ती है। पूर्वी घाट में असंतत और कम ऊँचाई वाली पहाड़ियाँ हैं, जो महानदी, गोदावरी, कृष्णा, कावेरी आदि नदियों द्वारा अत्यधिक कटाव की गई हैं।
- पूर्वी घाट पश्चिमी घाट से पुराने हैं और इनका भूगर्भिक इतिहास जटिल है। पूर्वी घाट का निर्माण 600 - 700 मिलियन वर्ष पहले सुपरकॉन्टिनेंट रोडिनिया के टूटने के दौरान हुआ था, जबकि पश्चिमी घाट का निर्माण हाल ही में हुआ जब लगभग 150 मिलियन वर्ष पहले सुपरकॉन्टिनेंट गोंडवाना टूट गया। पश्चिमी घाट औसतन पूर्वी घाट से कई हज़ार फ़ीट ऊँचे हैं, मुख्यतः इसलिए क्योंकि वे सैकड़ों मिलियन वर्ष छोटे हैं।

- पश्चिमी घाट में जैविक विविधता और स्थानिकता का असाधारण उच्च स्तर है और इसे दुनिया के आठ 'जैविक विविधता के सबसे गर्म स्थानों' में से एक माना जाता है। इस साइट के जंगलों में गैर-भूमध्यरेखीय उष्णकटिबंधीय सदाबहार वनों के कुछ सबसे अच्छे प्रतिनिधि शामिल हैं और ये कम से कम 325 वैश्विक रूप से संकटग्रस्त वनस्पतियों, जीवों, पक्षियों, उभयचरों, सरीसृपों और मछलियों की प्रजातियों का घर हैं।

75. उत्तर (2) A-i , B-iv, C-iii, D-ii

बीसलपुर बांध-टोंक, सोम कमला अम्बा-डूंगरपुर, जाखम-प्रतापगढ़, माही बजाज सागर-बांसवाड़ा

76. उत्तर (3) रोहिड़ा

वानस्पतिक नाम – टेकोमेला अंडुलाटा

- अन्य नाम – रेगिस्तानी सागौन, मारवाड़ सागौन।
- रोहिड़ा को राजस्थान का 'मरुशोभा' कहा जाता है।
- 21 अक्टूबर 1983 को राजस्थान सरकार द्वारा इसे राज्य पुष्प घोषित किया गया।
- राजस्थान में यह अधिकतर जैसलमेर, जोधपुर, पाली, अजमेर, नागौर, बीकानेर, चूरू, झुंझुनू, सीकर आदि जिलों में पाया जाता है।

77. उत्तर (4) कोटा-भारतीय मगरमच्छ (मगर)

राजस्थान के वन्यजीव शुभंकर वे जानवर हैं जो राज्य के प्रत्येक जिले का प्रतिनिधित्व करते हैं। राजस्थान वन विभाग ने राज्य के वन्यजीवों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और उन्हें संरक्षित करने की आवश्यकता के लिए 2016 में शुभंकर पेश किए। शुभंकर प्रत्येक जिले में पाए जाने वाले जानवरों पर आधारित होते हैं ।

- कोटा जिले का शुभंकर नेवला है, बारां का शुभंकर भारतीय मगरमच्छ है।

राजस्थान के जिला शुभंकर

ज़िला	शुभंकर	ज़िला	शुभंकर
अजमेर	खरमोर पक्षी	जैसलमेर	ग्रेट इंडियन बस्टर्ड

अलवर	सांभर हिरण	झालावाड़	गगरोनी तोता
बांसवाड़ा	कांस्य पंख वाला जैकाना	झालोर	भालू
बरन	भारतीय मगरमच्छ (मगर)	झुंझुनू	काला तीतर
बाड़मेर	लोमड़ी	जोधपुर	डेमोइसेल क्रेन
भरतपुर	सारस क्रेन	करौली	घड़ियाल
बीकानेर	सैंडग्राउज़	कोटा	नेवला
भीलवाड़ा	मोर	नागौर	राजहंस
बूंदी	सुनहरा तीतर	पाली	तेंदुआ
चित्तौड़गढ़	चौसिंघा	प्रतापगढ़	उड़ने वाली गिलहरी
चुरू	काला हिरन	राजसमंद	भेड़िया
दौसा	खरगोश	सवाई माधोपुर	चीता
धौलपुर	भारतीय चीखनेवाला	सीकर	शाहेन
डूंगरपुर	चित्रित सारस	सिरोही	जंगली मुर्गी
हनुमानगढ़	छोटा किंगफिशर	श्रीगंगानगर	चिंकारा
जयपुर	चीतल हिरण	टोंक	हंस
उदयपुर	कबर बिच्छू (ब्रॉक का मकबरा)		

78. उत्तर (2) यह यमुना नदी की एक सहायक नदी है।

960 किलोमीटर लंबी चंबल नदी मध्य प्रदेश राज्य के इंदौर जिले में महू से 15 किलोमीटर पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम में विंध्य पर्वतमाला की उत्तरी ढलान पर **सिंगार चौरी चोटी से लगभग 843 मीटर (2,766 फीट) की ऊंचाई पर निकलती है।**

- यह नदी पहले मध्य प्रदेश (एमपी) से होकर उत्तर दिशा में लगभग 346 किलोमीटर बहती है और फिर राजस्थान से होकर 225 किलोमीटर उत्तर-पूर्व दिशा में बहती है। चंबल मध्य प्रदेश और राजस्थान के बीच 217 किलोमीटर और मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश (यूपी) के बीच 145 किलोमीटर बहती है। यह उत्तर प्रदेश में प्रवेश करती है और जालौन जिले में यमुना नदी में 122 मीटर की ऊँचाई पर मिलने से पहले लगभग 32 किलोमीटर बहती है, और वृहद गंगा जल निकासी प्रणाली का हिस्सा बन जाती है।
- **सहायक नदियाँ:** चम्बल की मुख्य सहायक नदियों में बायीं ओर बनास और मेज नदियाँ तथा दायीं ओर पार्वती, कालीसिंध और शिप्रा नदियाँ शामिल हैं।
- **प्रमुख बांध:** गांधी सागर बांध, राणा प्रताप सागर बांध और जवाहर सागर बांध।

79. उत्तर (3) केवल B और C

कोपेन वर्गीकरण के अनुसार बी.एस.डब्लू. जलवायु क्षेत्र राजस्थान का सबसे बड़ा जलवायु क्षेत्र है।

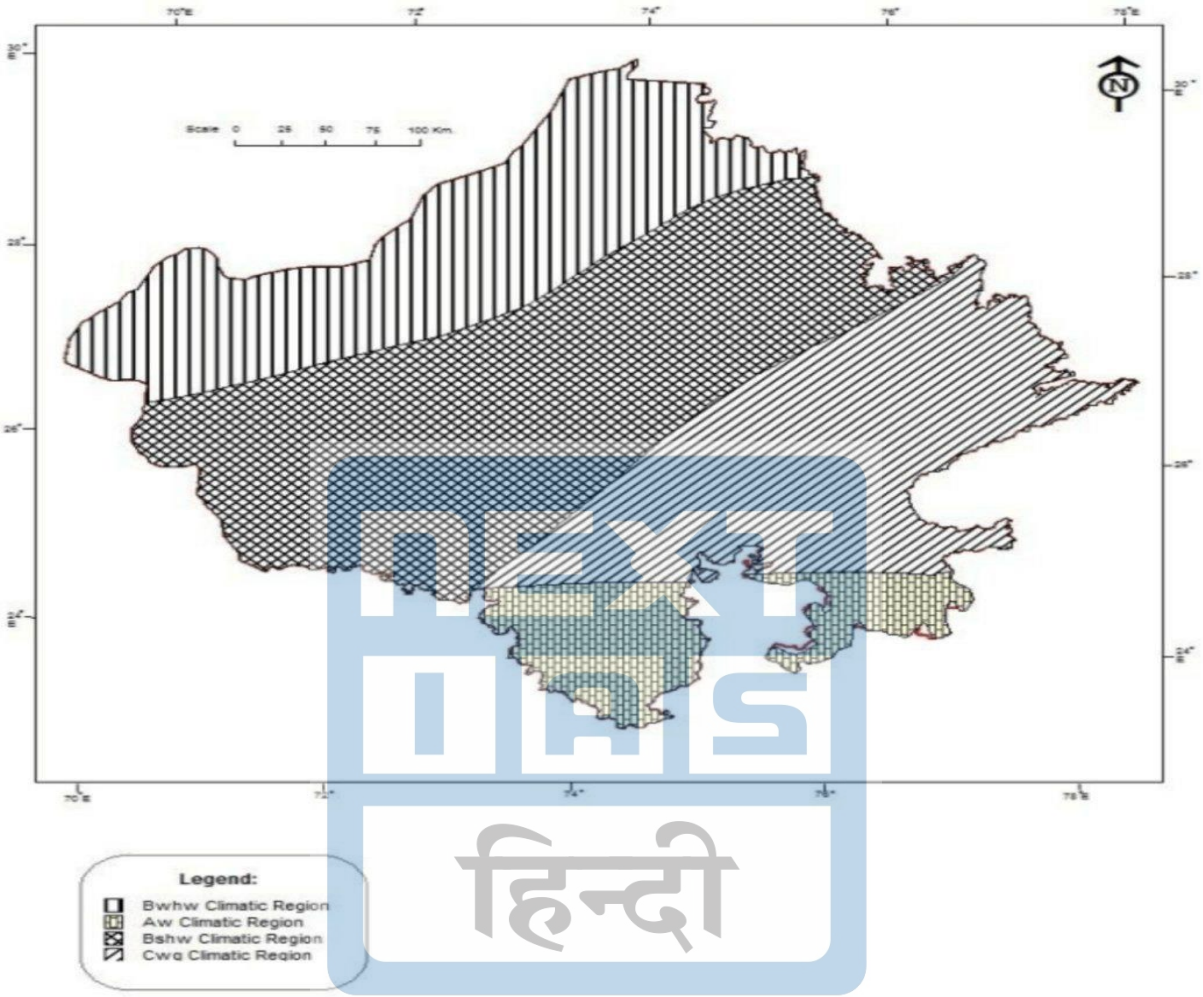

क्र.सं.	जलवायु क्षेत्र	विशेषताएँ
1.)	**O (उष्णकटिबंधीय आर्द्र क्षेत्र):** डूंगरपुर, बांसवाड़ा, सिरोही, दक्षिण चित्तौड़गढ़ और झालावाड़ के दक्षिणी हिस्सों में पाया जाता है।	• शुष्क उष्णकटिबंधीय घास के मैदान, सवाना जैसे क्षेत्र, और मानसून प्रकार के पर्णपाती पेड़। • सर्दियाँ शुष्क और ठंडी होती हैं; गर्मियाँ अत्यंत गर्म होती हैं। • वर्षा मुख्यतः गर्मियों में होती है। • सबसे ठंडे महीने में औसत तापमान 18°C से अधिक होता है।
2.)	**बीएसएचडब्ल्यू (अर्ध-शुष्क क्षेत्र):** बाड़मेर, जालौर, जोधपुर, नागौर, चूरू, सीकर, झुंझुनू और हनुमानगढ़।	• सर्दियाँ शुष्क होती हैं तथा गर्मियों में वर्षा बहुत कम होती है।

	• राज्य का अधिकांश क्षेत्र इसी क्षेत्र में आता है।	• वनस्पति मैदानी है, जिसमें कांटेदार झाड़ियाँ और घास हैं
3.)	**शुष्क उष्ण मरुस्थलीय क्षेत्र (Bwhw) : यह क्षेत्र** थार मरुस्थल के पश्चिमी भागों में पाया जाता है, जिसमें उत्तर-पश्चिमी जोधपुर, जैसलमेर, पश्चिमी बीकानेर, गंगानगर का दक्षिण-पश्चिमी भाग और चुरू जिले के कुछ भाग शामिल हैं।	• बहुत कम वर्षा और उच्च वाष्पीकरण दर वाली रेगिस्तानी जलवायु।
4.)	**Cwg (उपोष्णकटिबंधीय उपोष्णकटिबंधीय जलवायु):** अलवर, भरतपुर, करौली, धौलपुर, अजमेर, भीलवाड़ा, बूंदी, चित्तौड़गढ़, दौसा, राजसमंद, टोंक, सवाई-माधोपुर यानी दक्षिण-पूर्वी अरावली में।	• वर्षा मानसून के महीनों तक ही सीमित रहती है, तथा शीतकाल में शुष्क मौसमी हवाएं चलती हैं।

80. उत्तर (4) सभी सही हैं

इस अधिनियम की धारा 22 के प्रावधानों के अनुसार, राज्य सरकार इस अधिनियम के प्रयोजन के लिए राज्य जैव विविधता बोर्ड की स्थापना करेगी। तदनुसार, राजस्थान सरकार ने सरकारी आदेश संख्या: F.4 (8) वन/2005/भाग 1 जयपुर दिनांक: 14 सितम्बर, 2010 द्वारा राजस्थान राज्य जैव विविधता बोर्ड की स्थापना की है।

- जैव विविधता अधिनियम, 2002 की धारा 63 की उपधारा (1) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राजस्थान सरकार ने 02 मार्च, 2010 की अधिसूचना द्वारा 'राजस्थान जैव विविधता नियम, 2010' बनाए।

बोर्ड के कार्य:

(क) जैव विविधता के संरक्षण, उसके घटकों के सतत उपयोग तथा जैव संसाधनों के उपयोग से उत्पन्न लाभों के न्यायसंगत बंटवारे से संबंधित मामलों पर, केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए किसी भी दिशा-निर्देश के अधीन, राज्य सरकार को सलाह देना;

(ख) भारतीयों द्वारा किसी भी जैविक संसाधन के वाणिज्यिक उपयोग या जैव-सर्वेक्षण और जैव-उपयोग के लिए अनुमोदन या अन्यथा अनुरोध प्रदान करके विनियमित करना;

(ग) ऐसे अन्य कार्य करना जो जैव विविधता अधिनियम, 2002 के उपबंधों को कार्यान्वित करने के लिए आवश्यक हों या राज्य सरकार द्वारा विहित किए जाएं।

81. उत्तर (1)

- राजस्थान राज्य का उत्तर से दक्षिण विस्तार 826 किमी है
    - इसका विस्तार उत्तर में कोना गांव (गंगानगर) से लेकर दक्षिण में बोरकुंड गांव (कुशलगढ़, बांसवाड़ा) तक है।

- पूर्व से पश्चिम तक इसकी चौड़ाई 869 किमी है।
    - इसका विस्तार पूर्व में सिलाना गांव (राजखेड़ा, धौलपुर) से पश्चिम में कटरा (फतेहगढ़, सम, जैसलमेर) तक है।

82. उत्तर (1) A-iii, B-ii, C-iv, Di

व्याख्या: टीले रेत का एक टीला है जो हवा के द्वारा बनता है, आमतौर पर समुद्र तट के किनारे या रेगिस्तान में। टीले तब बनते हैं जब हवा रेत को किसी बाधा के पीछे एक सुरक्षित क्षेत्र में उड़ा देती है।

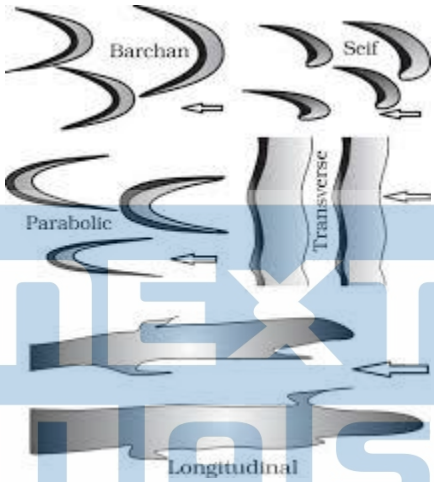

- हवा के समानांतर जमा रेत अनुदैर्ध्य/रैखिक रेत टिब्बा है।
- हवा के सही कोण पर जमा रेत को अनुप्रस्थ रेत का टीला कहा जाता है।
- अर्धचन्द्राकार आकार में जमा रेत बरखान रेत के टीले हैं।
- झाड़ियों के पास जमा रेत, स्क्रब रेत के टीलों या नेबखा की प्रतियां हैं।
    - नेबखा टीले (जिन्हें कॉपिस टीले भी कहा जाता है) सरल टीले होते हैं जो वनस्पति के चारों ओर, मुख्यतः रेत की चादर पर बनते हैं।

83. उत्तर (2) a-i, b-iv, c-iii, d-ii

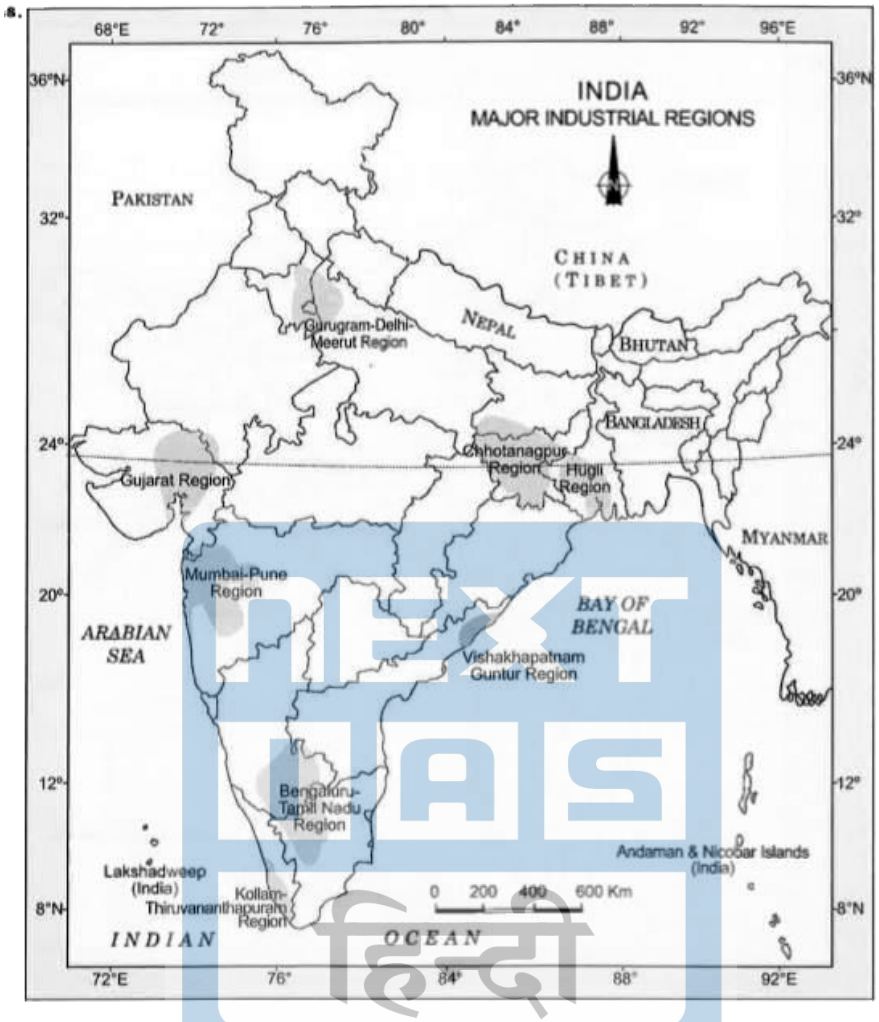

84. उत्तर (3) मक्का

गंगा सफेद-2, माही धवल, डी-765, नवजोत, सूर्या, माही कंचन मक्का की किस्में हैं।

85. उत्तर (1) a-i, b-ii, c-iii, d-iv

- शीतला अष्टमी चैत्र मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी को मनाई जाती है अर्थात यह होली के सात दिन बाद आती है।
  - शीतलाष्टमी के दिन शीतला माता की पूजा की जाती है।
  - शीतलाष्टमी पूजा को बसौड़ा भी कहा जाता है।
  - चाकसू (जयपुर के पास) में शील की डूंगरी पर स्थित शीतला माता मंदिर पर शीतला अष्टमी पर मेला लगता है।

- कजली तीज का त्यौहार बूंदी शहर के लिए अनोखा है। यह एक शानदार नाटकीय और जीवंत कार्यक्रम है, जो हर साल हिंदी महीने भाद्र (जुलाई-अगस्त) में आयोजित किया जाता है। उल्लास और धूमधाम से भरे ये दो दिवसीय उत्सव देवी को श्रद्धांजलि देते हैं। वैवाहिक सुख और प्रेम के चाहने वालों द्वारा देवी उमा को यह प्रार्थना की जाती है।
- अक्षय तृतीया, जैन और हिंदू दोनों द्वारा मनाया जाने वाला भारत का एक महत्वपूर्ण वसंत त्योहार है। इसका नाम हिंदू पंचांग में वसंत या वैशाख महीने के तीसरे चंद्र दिवस से लिया गया है।
    - अक्षय तृतीया जिसे आखा तीज के नाम से भी जाना जाता है, हिंदू धर्मग्रंथों के अनुसार एक शुभ दिन है। इस त्यौहार के दिन भगवान विष्णु, भगवान गणेश और देवी लक्ष्मी की पूजा की जाती है।
- गणगौर राजस्थान के सबसे महत्वपूर्ण त्यौहारों में से एक है। किसी न किसी रूप में यह पूरे राजस्थान में मनाया जाता है। "गण" भगवान शिव का पर्याय है और "गौरी" या "गौर" भगवान शिव की स्वर्गीय पत्नी देवी पार्वती का प्रतीक है। गणगौर दोनों के मिलन का उत्सव है और वैवाहिक सुख का प्रतीक है।
    - गणगौर हिंदू कैलेंडर के पहले महीने चैत्र (मार्च-अप्रैल) के महीने में मनाया जाता है। यह महीना सर्दियों के अंत और वसंत की शुरुआत का प्रतीक है। यह त्यौहार विशेष रूप से महिलाओं द्वारा मनाया जाता है, जो अपने घरों में मिट्टी की मूर्तियों "गण" और "गौरी" की पूजा करती हैं। इन मूर्तियों की पूजा अविवाहित लड़कियाँ करती हैं जो अच्छे पति के लिए गण और गौरी का आशीर्वाद मांगती हैं, जबकि विवाहित महिलाएँ अपने पति के अच्छे स्वास्थ्य और लंबी उम्र के लिए प्रार्थना करती हैं।
    - यह पूजा चैत्र माह के प्रथम दिन से शुरू होकर 18वें दिन बड़े धार्मिक उत्साह के साथ गणगौर उत्सव के रूप में समाप्त होती है।

86. उत्तर (1) यूरेनियम भंडार

सबसे बड़े व्यवहार्य भंडार कजाकिस्तान> कनाडा> ऑस्ट्रेलिया में पाए जाते हैं।

उत्पादन की दृष्टि से ऑस्ट्रेलिया प्रथम स्थान पर

- कजाकिस्तान में विश्व के 15% यूरेनियम संसाधन हैं तथा खनन क्षेत्र भी तेजी से बढ़ रहा है।
    - कजाकिस्तान के चू-सरयस्यू बेसिन/प्रांत में देश के आधे से अधिक ज्ञात संसाधन मौजूद हैं।
- कनाडा के अथाबास्का बेसिन में पृथ्वी पर उच्चतम श्रेणी के यूरेनियम भंडार मौजूद हैं।
    - इसका क्षेत्रफल लगभग 100,000 वर्ग किलोमीटर है तथा यहां विश्व की सबसे बड़ी यूरेनियम उत्पादक खदान, सिगार लेक स्थित है।
- मैकआर्थर नदी खदान, कनाडा के उत्तरी सस्केचवान में स्थित विश्व की सबसे बड़ी उच्च श्रेणी की यूरेनियम खदान है।

87. उत्तर (1) A-i, B-ii, C-iii, D-iv

राजस्थान में, साका युद्ध के दौरान पुरुषों द्वारा युद्ध के मैदान में जाने की रस्म है, जब हार निश्चित होती है। यह दिखाने के लिए किया जाता था कि पुरुष अपने जीवन से ज़्यादा अपने सम्मान को महत्व देते हैं। साका के साथ अक्सर जौहर की रस्म भी होती थी, जिसमें हिंदू राजपूत महिलाएँ पकड़े जाने और दुर्व्यवहार से बचने के लिए अपने कीमती सामान के साथ आग में आत्महत्या कर लेती थीं।

- राजस्थान के इतिहास का पहला साका, जो अलाउद्दीन खिलजी के आक्रमण के दौरान 1301 में हुआ था। शासक हम्मीर देव चौहान ने अलाउद्दीन के विद्रोही सेनापतियों को शरण दी थी और उनकी पत्नी रंगदेवी ने जौहर किया था।
- चित्तौड़गढ़ में तीन साके हुए: पहला साका: 1303 में, राणा रतन सिंह के शासनकाल के दौरान, जब दिल्ली सल्तनत के खिलजी वंश ने चित्तौड़ पर आक्रमण किया।
- जालौर का साका 1311 ई. में हुआ। जैतलदे ने जालौर की खातिर जौहर कर लिया। कान्हड़देव और वीरमदेव ने भगवा वस्त्र धारण किया। अलाउद्दीन खिलजी ने जालौर पर आक्रमण किया।
- गागरोन का प्रथम साका 1423 ई. में हुआ। गागरोन के प्रथम साके में लीला मेवाड़ी ने जौहर किया। अचलदास खागी ने केसर किया। होशंगशाह ने गागरोन पर आक्रमण किया।

88. उत्तर (3) दोनों कथन गलत हैं

बायोगैस गैसों का मिश्रण है, जिसमें शामिल हैं:

- मीथेन (50-75%) (90-95% नहीं), कार्बन डाइऑक्साइड (25-50%), तथा इसमें नाइट्रोजन (N2), हाइड्रोजन (H2), ऑक्सीजन (O2) तथा हाइड्रोजन सल्फाइड (H2S) जैसी अन्य गैसें भी अल्प मात्रा में होती हैं, जो फीडस्टॉक तथा अवायवीय पाचन प्रक्रिया की स्थितियों पर निर्भर करती हैं।
- बायोगैस एक प्रकार की गैस है जो जीवाणुओं द्वारा पौधों के पदार्थ, पशु अपशिष्ट और भोजन के अवशेषों जैसे कार्बनिक पदार्थों के अवायवीय (वायु या ऑक्सीजन की अनुपस्थिति में) पाचन से उत्पन्न होती है।

89. उत्तर (2) लाला लाजपत राय

लाला लाजपत राय भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान सबसे प्रमुख नेताओं में से एक थे। वे भारत में पूंजीवाद को साम्राज्यवाद से जोड़ने वाले पहले लोगों में से थे और इस संयोजन से लड़ने में मजदूर वर्ग की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते थे। उन्होंने 7 नवंबर 1920 को कहा: 'भारत संगठित पूंजी की ताकतों द्वारा लहूलुहान हो चुका है और आज उसके पैरों तले दबा पड़ा है। सैन्यवाद और साम्राज्यवाद पूंजीवाद के जुड़वां बच्चे हैं; वे तीन में से एक और एक में तीन हैं। उनकी छाया, उनके फल और उनकी छाल सभी जहरीले हैं। हाल ही में एक मारक की खोज की गई है और वह मारक संगठित श्रम है।'

90. उत्तर (3) गलत है

स्थानांतरित रेत के टीलों को धरियान के रूप में जाना जाता है, जबकि लहरदार प्रकार के रेत के टीलों को धोरे कहा जाता है।

- **अकाल वुड जीवाश्म पार्क:** अकाल वुड जीवाश्म पार्क, राजस्थान के जैसलमेर में एक राष्ट्रीय भूवैज्ञानिक स्मारक और जैव विविधता विरासत स्थल होने का अनूठा दर्जा रखता है।
    - इसकी खोज 1947 में डॉ. अमनी नामक भूविज्ञानी ने की थी, जिन्होंने इस क्षेत्र में जीवाश्म लकड़ी की मौजूदगी देखी थी। 21 हेक्टेयर में फैला अकाल वुड फॉसिल पार्क उस समय की झलक दिखाता है जब विशालकाय जीव धरती पर चलते थे।
    - इस पार्क में पाए जाने वाले जीवाश्म वास्तव में जुरासिक काल के हैं। यहाँ जीवन गतिविधि, पैरों के निशान, पगडंडियाँ और डायनासोर के पदचिह्नों के विभिन्न साक्ष्यों की पुष्टि की गई है।
- **लाठी श्रृंखला:** ये सरस्वती नदी के भूमिगत जलीय अवशेष हैं जिन्हें 'जल बेल्ट' कहा जाता है।
    - यह जैसलमेर में पोखरण और मोहनगढ़ के बीच स्थित है।
    - इस क्षेत्र में सीवन घास बहुतायत में पाई जाती है, जिसे ग्रेट इंडियन बस्टर्ड का आश्रय स्थल कहा जाता है।
    - इस क्षेत्र में चांदन गांव में नलकूप लगे हैं, जिन्हें 'थार का कुण्ड' कहा जाता है।
- **हम्प बेल्ट (कुबड़ पट्टी):** यह नागौर और अजमेर की सीमा पर स्थित है। इस क्षेत्र में फ्लोरोसिस रोग के प्रसार के कारण इसे हम्प बेल्ट कहा जाता है।

91. उत्तर (2) केवल धारणा II निहित है

जिला प्रशासन ने किसानों को कीटनाशकों के अंधाधुंध उपयोग से भूजल को होने वाले खतरों के बारे में जागरूक करने के लिए एक परिपत्र जारी किया है और उनसे ऐसा करने से बचने की अपील की है। इसलिए, II निहित है। हालाँकि, कथन से I नहीं माना जा सकता है और इसलिए यह निहित नहीं है।

92. उत्तर (4) न तो I और न ही II मजबूत है

निजीकरण से निस्संदेह बेहतर सेवाएँ मिलेंगी। लेकिन यह कहना कि यह 'एकमात्र तरीका' है, गलत है। इसलिए, मेरा तर्क सही नहीं है। तर्क II भी अस्पष्ट लगता है।

93. उत्तर (3) I और II दोनों अनुसरण करते हैं

कथन के अनुसार, सामाजिक विकास कार्यक्रमों की निगरानी और मूल्यांकन - उनके कार्य, प्रदर्शन और दक्षता - अत्यंत आवश्यक है। इसलिए, I और II दोनों ही सही हैं।

94. उत्तर (3) I और II दोनों अनुसरण करते हैं

आपूर्ति में समय-समय पर कटौती करके और लोगों से पानी बचाने का आग्रह करके स्थिति से निपटा जा सकता है। इसलिए दोनों ही तरीके अपनाए जा सकते हैं।

95. उत्तर (2) भाई

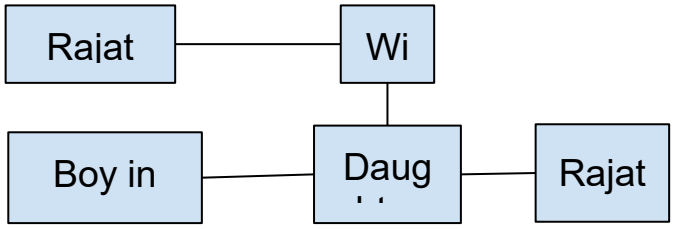

96. उत्तर : (4) सही उत्तर है।

श्रृंखला निम्नलिखित पैटर्न का अनुसरण करती है: पिछली संख्या x 2 + 1 पिछली संख्या x 2 + 2 पिछली संख्या x 2 + 3 और इसी प्रकार, हम देख सकते हैं: 34x 2 + 1 = 69, 69x2 + 2 = 140, 140x2 + 3 = 283, 283x2 +4 = 570, 570*2+5 =1145

97. उत्तर (4) केवल निष्कर्ष II अनुसरण करता है

दी गई जानकारी से हम निम्नलिखित आरेख बना सकते हैं:

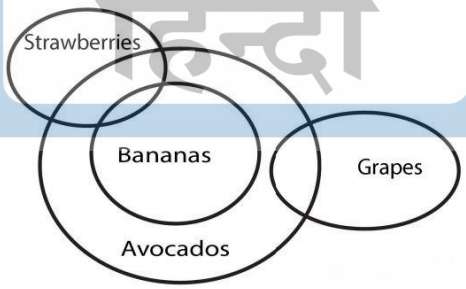

I.) कुछ अंगूर केले हैं - अनुसरण नहीं करता - (चूंकि उन्होंने अंगूर और केले के बीच संबंध का उल्लेख नहीं किया है। यह सत्य नहीं है)

II.) कुछ एवोकाडो स्ट्रॉबेरी हैं - अनुसरण करें - (चूँकि कुछ स्ट्रॉबेरी केले हैं और सभी केले एवोकाडो हैं। इसलिए, कुछ एवोकाडो स्ट्रॉबेरी हो सकते हैं। यह सत्य है)

98. उत्तर (3) emf

पहले और दूसरे कथन में, सामान्य कोड शब्द gnr है और सामान्य शब्द Olympic है। इसलिए, gnr का अर्थ Olympic है। दूसरे और तीसरे कथन में, सामान्य कोड hyto है और सामान्य शब्द games है। इसलिए, hyto का अर्थ games है। इस प्रकार, दूसरे कथन में, emf का अर्थ Summer है।

99. उत्तर (3) उत्तर-पश्चिम

A to B 50m
B to C 20m
C to D 30m
D to A, Direction is North-West

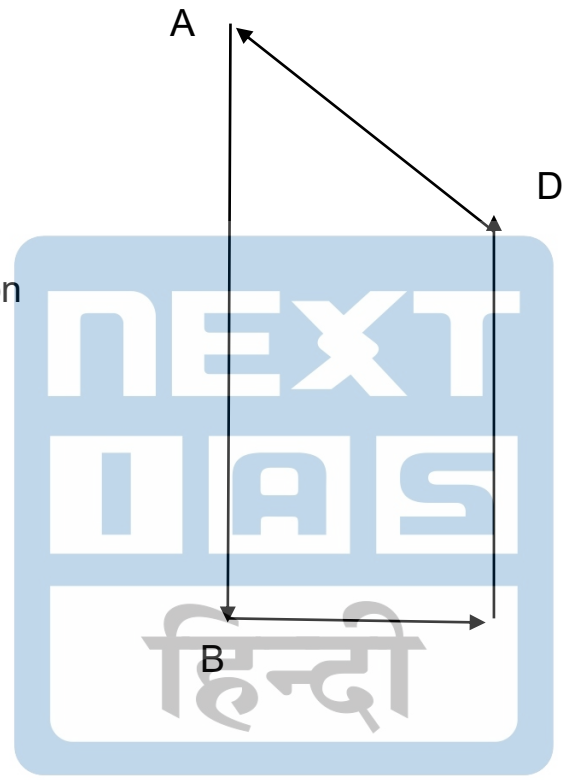

100. उत्तर (4)

Te29EKP

101. उत्तर (2) सही उत्तर है।

सबसे पहले, शब्दों के अक्षरों को शब्द में उनकी स्थिति के अनुसार घातांकित किया जाता है।

फिर जो दाएँ पक्ष पर है उसका योग निकाला जाता है

- डीसीएचबी = $4^1+ 3^2+8^3+2^4= 541$
- आरएमकेएफ= $18^1+13^2+11^3+6^4= 2814$
- WYJH = $23^1+ 25^2+10^3+8^4=5744$

102. उत्तर (2) 21 त्रिभुज, 7 वर्ग

चित्र को दिखाए अनुसार लेबल किया जा सकता है।

त्रिभुज :

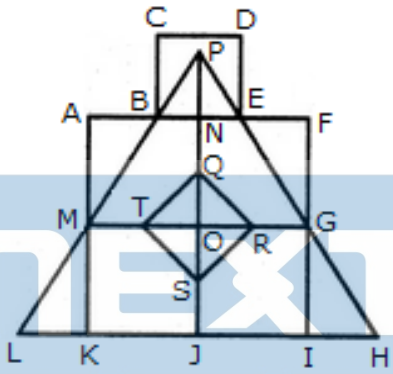

- सरलतम त्रिभुज BPN, PNE, ABM, EFG, MLK, GHI, QRO, RSO, STO और QTO हैं, अर्थात् इनकी संख्या 10 है।
- दो घटकों BPE, TQR, QRS, RST और STQ अर्थात संख्या 5 से बने त्रिभुज हैं।
- तीन घटकों से बने त्रिभुज MPO और GPO हैं, अर्थात संख्या 2 है।
- प्रत्येक छह घटकों एलपीजे, एचपीजे और एमपीजी यानी संख्या में 3 से बने त्रिकोण हैं।
- बारह घटकों से बना केवल एक त्रिभुज LPH है।

इसलिए, आकृति में त्रिभुजों की कुल संख्या = 10 + 5 - 2 + 3 + 1 = 21.

वर्ग:

- दो घटकों KJOM और JIGO से बने वर्ग, अर्थात् संख्या में 2 हैं।
- तीन घटकों से बने वर्ग ANOM, NFGO और CDEB हैं, अर्थात संख्या 3 है।
- इसमें केवल एक वर्ग है अर्थात QRST चार घटकों से बना है।
- इसमें केवल एक वर्ग है अर्थात AFIK दस घटकों से बना है।

इसलिए, आकृति में वर्गों की कुल संख्या = 2 + 3 + 1 + 1 = 7.

103. उत्तर (4) 17:8

कुल खेले गए मैच = 25

- जीते गए मैच = 17
- इसलिए, हारे गए मैच = 25 – 17 = 8
- आवश्यक अनुपात = जीते गए मैच : हारे गए मैच = 17 : 8
    - रोहन द्वारा जीते गए मैचों की संख्या और उसके द्वारा हारे गए मैचों की संख्या का अनुपात 17:8 है।

104. उत्तर (2) 20%

प्रभावी लागत मूल्य = लागत मूल्य + मरम्मत मूल्य = 10,000 + 800 = 10,800

- विक्रय मूल्य = 12,000 रुपये, इसलिए, लाभ राशि = (12,000 रुपये - 10,800 रुपये) = 1200 रुपये
    - इस प्रकार, लाभ प्रतिशत = (1200/10,800) * 100 = 11.11%

105. उत्तर (2) 15 वर्ष

मान लीजिए प्रारंभिक राशि x है।

- 5 वर्षों में राशि दोगुनी हो जाएगी, अर्थात कुल राशि = 2x
- अगले 5 वर्षों में, यानि 10 वर्षों में राशि पुनः दोगुनी हो जाएगी, यानि कुल राशि = 4x
- इसी प्रकार अगले 5 वर्षों में अर्थात् 15 वर्षों में कुल राशि = 2 × 4x = 8x.

106. उत्तर (2)

उन व्यवस्थाओं की संख्या जिसमें A और B एक साथ नहीं हैं

= व्यवस्थाओं की कुल संख्या - व्यवस्थाओं की संख्या जिसमें A और B एक साथ हैं

= 4! – 3! x 2! = 24 – 12 = 12.

107. उत्तर (2) 4/13

हुकुम का पत्ता मिलने की प्रायिकता = 1/4

- राजा का पत्ता मिलने की संभावना = 1/13
- हुकुम का बादशाह आने की प्रायिकता = 1/52
- हुकुम या राजा का पत्ता निकलने की संभावना

  = 1/4 + 1/13 – 1/52

= (13+4-1)/52

= 16/52 = 4/13

108. उत्तर (2) 2040

दिया गया है, सभी स्कूलों में विद्यार्थियों की कुल संख्या 30000 है तथा लड़कों का लड़कियों से अनुपात 3:2 है।

इसलिए,

- कुल छात्र = 30000 * 0.18 = 5400
  - उनमें लड़कियाँ = 12000 * 0.14 = 1680
- अत: लड़कों की संख्या = 5400 – 1680 = 3720
  - अत: अंतर = 3720 – 1680 = 2040

109. उत्तर (4) 2400

स्कूल A में लड़के = (30000 * 0.10) – (12000 * 0.15) = 1200

स्कूल B में लड़के = (30000 * 0.09) – (12000 * 0.12) = 1260

स्कूल C में लड़के = (30000 * 0.23) – (12000 * 0.18) = 4740.

इसलिए, औसत = (1200+1260+4740)/3 = 2400.

110. उत्तर (1) 216 मी ^{3}

दिया गया है कि ऊँचाई = 3 मीटर.

दिया गया है कि लम्बाई उसकी चौड़ाई की दोगुनी है, अर्थात यदि चौड़ाई x है और लम्बाई 2x होगी।

दिया गया है कि, चार दीवारों का क्षेत्रफल = 108 मी ^{2}.

2 (ल. + चौ.) × ऊ. = 108

2 (2 x + x) × 3 = 108

6 x × 3 = 108

18 x = 108

∴ x = 6 .

यदि चौड़ाई = 6, तो लंबाई 2 × 6 = 12 होगी

आयतन = ल. × चौ. × ऊ. = 12 × 6 × 3 = 216 मी. ^{3}

111. उत्तर (1) एमबी, केबी, बाइट, निबल

Name of memory	Equal to	Capacity in bites
Bit (b)	1 bit	1/8
Nibble	4 bits	1/2
Byte (B)	8 bits	1
Kilobyte (KB)	1024 bytes	1024
Megabyte (MB)	1024 kilobytes	1,048,576
Gigabyte (GB)	1024 megabytes	1,073,741,824
Terabyte (TB)	1024 gigabytes	1,099,511,627,776
Petabyte (PB)	1024 terabytes	1,125,899,906,842, 624
Exabyte (EB)	1024 petabytes	1,152,921,504,606,846,976
Zettabyte (ZB)	1024 exabytes	1,180,591,620,717,411,303,424
Yottabyte (YB)	1024 zettabytes	1,208,925,819,614,629,174,706,176

112. उत्तर: 1.) A-i, B-ii, C-iii, D-iv

भारतीय सेना का संयुक्त अभ्यास	भाग लेने वाला देश
अजय योद्धा	भारत-ब्रिटेन
अल नागाह	भारत-ओमान
ऑस्ट्रा हिंद	भारत-ऑस्ट्रेलिया
एकुवेरिन	भारत-मालदीव
गरुड़ शक्ति	भारत-इंडोनेशिया
खंजर	भारत-किर्गिज़स्तान
लामितिये	भारत-सेशेल्स
मैत्री	भारत-थाईलैंड
प्रबल दोस्तिक	भारत-कजाकिस्तान
शक्ति	भारत-फ्रांस
सम्प्रीति	भारत-बांग्लादेश
आईएमबीईएक्स	भारत-म्यांमार
सूर्यकिरण	भारत-नेपाल

- **मित्र शक्ति** : यह भारत और श्रीलंकाई सेना के बीच एक संयुक्त सैन्य अभ्यास है।

- **युद्ध अभ्यास** भारत और अमेरिका की सेनाओं के बीच एक संयुक्त सैन्य अभ्यास है जो युद्ध-संबंधी गतिविधियों पर केंद्रित है। इस अभ्यास का उद्देश्य दोनों सेनाओं के बीच अंतर-संचालन और तालमेल को बेहतर बनाना और उनकी संयुक्त सैन्य क्षमताओं को बढ़ाना है।
- **हैंड-इन-हैंड अभ्यास** भारत और चीन के बीच एक संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण अभ्यास है जो आतंकवाद-रोधी और आपदा राहत पर केंद्रित है।
- **अभ्यास इंद्र** भारत और रूस के बीच एक संयुक्त सैन्य अभ्यास है जो दोनों देशों की सेनाओं के बीच सहयोग और अंतरसंचालनीयता में सुधार लाने पर केंद्रित है।

113. उत्तर (1) O पॉजिटिव

माता-पिता का रक्त समूह AB और O है; बच्चे का रक्त समूह A या B हो सकता है और चूंकि लड़का गोद लिया गया है इसलिए प्रश्न में दिया गया है कि "तीनों बेटों का रक्त समूह A+, B+, O+ है"।

माता-पिता में से एक का रक्त समूह AB^+ है,

प्रजनन के दौरान, एक माता-पिता की कोशिका विभाजित होकर एकल-गुणसूत्र कोशिकाएँ (A^+ या B^+) बनाती है, जबकि O^- रक्त समूह वाले दूसरे माता-पिता अपरिवर्तित रहते हैं। संतान को निम्नलिखित विन्यास विरासत में मिल सकते हैं।

- A^+ और O^- का परिणाम A^+ होता है
- B^+ और O^- का परिणाम B^+ होता है

इसलिए, सही उत्तर विकल्प '1' है - दत्तक पुत्र का रक्त समूह O पॉजिटिव है।

114. उत्तर (2) Ai,B-iii,C-ii,D-iv

- मलेरिया प्लास्मोडियम जीनस के प्रोटोजोआ के कारण होता है। चार प्रजातियाँ मनुष्यों में बीमारी का कारण बनती हैं: पी फाल्सीपेरम, पी विवैक्स, पी ओवेल और पी मलेरिया।
- डेंगू एक वायरल संक्रमण है जो संक्रमित मच्छरों के काटने से मनुष्यों में फैलता है।
- डेंगू वायरस संक्रमित एडीज प्रजाति के मच्छरों (एई. एजिप्टी या एई. एल्बोपिक्टस) के काटने से लोगों में फैलता है।
- पेप्टिक अल्सर पेट, निचली ग्रासनली या छोटी आंत की परत में होने वाले घाव होते हैं, जो हेलिकोबैक्टर पाइलोरी (एच. पाइलोरी) नामक बैक्टीरिया की सूजन और पेट के एसिड के क्षरण के कारण होते हैं।
- एलिफैंटियासिस या लिम्फैटिक फाइलेरियासिस, धागे जैसे दिखने वाले परजीवी कृमियों के कारण होता है, जिन्हें फाइलेरिया कृमि कहा जाता है।

115. उत्तर (1) a-i, b-ii, c-iii, d-iv

किसी उपग्रह या अंतरिक्ष यान को प्रायः पृथ्वी के चारों ओर कई विशेष कक्षाओं में से किसी एक में स्थापित किया जाता है।

- **भूस्थिर पृथ्वी कक्षा (जीईओ):** इनका उपयोग दूरसंचार प्रयोजनों के लिए व्यापक रूप से किया जाता है क्योंकि यह उपग्रह को पृथ्वी की सतह पर एक बिंदु के सापेक्ष एक निश्चित स्थिति में रहने की अनुमति देता है।
    - इसका उपयोग मौसम निगरानी उपग्रहों द्वारा भी किया जा सकता है, क्योंकि वे विशिष्ट क्षेत्रों का निरंतर निरीक्षण कर सकते हैं, ताकि यह देखा जा सके कि वहां मौसम का रुझान कैसा है।
- **सूर्य-समकालिक कक्षा (एसएसओ**): यह एक प्रकार की ध्रुवीय कक्षा है, जहां उपग्रह ध्रुवीय क्षेत्रों पर यात्रा करता है और सूर्य के साथ समकालिक होता है।
    - यह क्षेत्रों की निगरानी करने, मौसम के पैटर्न की जांच करने के लिए छवियों की एक श्रृंखला लेने, तूफानों की भविष्यवाणी करने, जंगल की आग या बाढ़ जैसी आपात स्थितियों की निगरानी करने, तथा वनों की कटाई या समुद्र के बढ़ते स्तर जैसी दीर्घकालिक समस्याओं पर डेटा एकत्र करने के लिए उपयोगी है।
- **निम्न पृथ्वी कक्षा (LEO):** यह यह एक निकटतम कक्षा है जिसका उपयोग सामान्यतः उपग्रह इमेजिंग के लिए किया जाता है, तथा अंतरिक्ष यात्रियों की यात्रा में आसानी के कारण इसका उपयोग अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) के लिए भी किया जाता है।
    - हालांकि, दूरसंचार कार्यों के लिए LEO उपग्रह कम उपयोगी होते हैं, क्योंकि वे आकाश में बहुत तेजी से घूमते हैं और जमीनी स्टेशनों से उन पर नज़र रखने के लिए काफी प्रयास की आवश्यकता होती है।
- **भू-स्थानांतरण कक्षाएँ (जीटीओ)** एक प्रकार की कक्षा है जिसका उपयोग किसी उपग्रह या अंतरिक्ष यान को एक कक्षा से दूसरी कक्षा में ले जाने के लिए किया जाता है।
    - अंतरिक्ष में प्रक्षेपित उपग्रहों को अक्सर अन्तिम कक्षा तक पहुंचने के लिए अन्तरिक्षीय मोटरों और अपेक्षाकृत कम ऊर्जा का उपयोग करते हुए स्थानांतरण कक्षा में स्थापित किया जाता है।

116. उत्तर (4) सभी सही हैं

- सोडियम कार्बोनेट को लोकप्रिय रूप से वॉशिंग सोडा के नाम से जाना जाता है।
    - इसका उपयोग पानी को मृदु बनाने, धुलाई, सफाई, कांच के निर्माण आदि में किया जाता है।
- सोडियम हाइड्रोजन कार्बोनेट को बेकिंग सोडा के नाम से जाना जाता है।
    - इसका उपयोग बेकिंग प्रयोजनों के लिए, हल्के एंटीसेप्टिक के रूप में और अग्निशामक यंत्रों में किया जाता है।
- साधारण नमक/टेबल नमक सोडियम क्लोराइड है।
- सोडियम हाइड्रोक्साइड एक मजबूत क्षार है जिसे कास्टिक सोडा के नाम से भी जाना जाता है।
    - कास्टिक सोडा नालियों की सफाई के लिए उत्तम है और इसका उपयोग अक्सर घरेलू और औद्योगिक दोनों प्रयोजनों के लिए नाली साफ करने वाले पदार्थों में किया जाता है।

117. उत्तर (1) व्यक्ति की आधी ऊंचाई

किसी व्यक्ति का पूर्ण आकार का प्रतिबिंब देखने के लिए समतल दर्पण की न्यूनतम ऊंचाई उस व्यक्ति की आधी ऊंचाई के बराबर होती है।

118. उत्तर (2)

हाल ही में, बेल्जियम 'पारिस्थितिकी हत्या' को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अपराध के रूप में मान्यता देने वाला पहला यूरोपीय संघ देश बन गया है।

- इकोसाइड, ग्रीक और लैटिन से लिया गया है, जिसका अर्थ है 'किसी के घर या 'पर्यावरण को मारना'। इस तरह की 'हत्या' में बंदरगाह विस्तार परियोजनाएं शामिल हो सकती हैं जो नाजुक समुद्री जीवन और स्थानीय आजीविका को नष्ट करती हैं; वनों की कटाई; अवैध रेत खनन; अनुपचारित सीवेज से नदियों को प्रदूषित करना।

119. उत्तर (4) सभी सही हैं

- ओजोन परत के संरक्षण के लिए वियना कन्वेंशन एक वैश्विक संधि है जो ओजोन परत की सुरक्षा के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देती है।
    - इस अभिसमय पर 1985 में हस्ताक्षर किये गये तथा यह 1988 में प्रभावी हुआ।
- मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल एक अंतर्राष्ट्रीय समझौता है जिसका उद्देश्य ओजोन परत को नुकसान पहुंचाने वाले पदार्थों (ओडीएस) के उत्पादन और उपभोग को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करके ओजोन परत की रक्षा करना है।
    - मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल पर 1987 में हस्ताक्षर किये गये थे तथा यह 1989 में लागू हुआ। इसका उद्देश्य वायुमंडल में ODS के उत्पादन और आयात को सीमित करके उनकी सांद्रता को कम करना है।
- किगाली संशोधन एक अंतर्राष्ट्रीय समझौता है जिसका उद्देश्य हाइड्रोफ्लोरोकार्बन (एचएफसी) के उत्पादन और खपत को कम करना है:
    - संशोधन को 15 अक्टूबर 2016 को किगाली, रवांडा में 197 देशों द्वारा अपनाया गया था।
    - इसका लक्ष्य अगले 30 वर्षों में एचएफसी उत्पादन और खपत को 80% से अधिक कम करना है।

120. उत्तर (4) सतत विकास

ब्रुन्डलैंड रिपोर्ट, जिसे हमारा साझा भविष्य के रूप में भी जाना जाता है, सतत विकास से संबंधित है, जिसे यह ऐसे विकास के रूप में परिभाषित करता है जो भविष्य की पीढ़ियों की जरूरतों से समझौता किए बिना वर्तमान की जरूरतों को पूरा करता है।

- रिपोर्ट में वर्तमान और भावी दोनों पीढ़ियों के लिए समानता के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया है।
- यह स्थिरता के तीन स्तंभों - अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और सामाजिक समानता पर केंद्रित है।

- इसमें कहा गया है कि आर्थिक विकास, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक समानता के लिए समान नीतियों के बिना सतत विकास संभव नहीं है।

121. उत्तर (3.) 15

भारत की संविधान सभा को भारत का संविधान बनाने के लिए चुना गया था। इसका चुनाव 'प्रांतीय विधानसभा' द्वारा किया गया था। 1947 में ब्रिटिश सरकार से भारत की स्वतंत्रता के बाद, इसके सदस्यों ने देश की पहली संसद के रूप में कार्य किया।

- भारतीय संविधान सभा के 389 सदस्यों में से 15 महिलाएँ थीं।

  अम्मू स्वामीनाथन अम्मुकुट्टी, एनी मैस्करीन, दक्षिणायनी वेलायुधन : एकमात्र दलित महिला और *सबसे कम उम्र की सदस्यों में से एक),* **बेगम ऐज़ाज़ रसूल बेगम** (केवल मुस्लिम महिला सदस्य), **दुर्गाबाई देशमुख , हंसा जीवराज मेहता , कमला चौधरी, लीला रॉय , मालती चौधरी , पूर्णिमा बनर्जी , राजकुमारी अमृत कौर . रेणुका रे , सरोजिनी नायडू, सुचेता कृपलानी , विजयलक्ष्मी पंडित।**

122. उत्तर (3) कथन-I सही है लेकिन कथन-II गलत है।

कथन-I : संविधान दिवस जिसे 'संविधान दिवस' के रूप में भी जाना जाता है, हमारे देश में हर साल 26 नवंबर को भारत के संविधान को अपनाने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।

- **सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने** 19 *नवंबर 2015* को नागरिकों के बीच संविधान मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए हर साल 26 नवंबर को 'संविधान दिवस' के रूप में मनाने के भारत सरकार के निर्णय को अधिसूचित किया।

कथन-II : 29 अगस्त 1947 को संविधान सभा ने भारत के लिए संविधान का मसौदा तैयार करने हेतु डॉ. बी.आर. अंबेडकर की अध्यक्षता में एक मसौदा समिति का गठन किया।

- 26 नवम्बर 1949 को भारत की संविधान सभा ने भारत के संविधान को अपनाया, जो 26 जनवरी 1950 से लागू हुआ।

123. उत्तर (4) नए राज्यों का प्रवेश

संसद के साधारण बहुमत द्वारा संशोधन: इसका अर्थ है उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों का बहुमत। ये संशोधन संविधान के अनुच्छेद 368 के दायरे से बाहर हैं।

- **मौलिक अधिकार:** इसमें संसद के विशेष बहुमत द्वारा संशोधन किया जा सकता है। (इसका तात्पर्य सदन की कुल सदस्यता के बहुमत तथा उपस्थित एवं मतदान करने वाले सदस्यों के दो तिहाई बहुमत से है)।
- **राष्ट्रपति का चुनाव और संसद में राज्यों का प्रतिनिधित्व: इसके प्रावधान को** संसद के विशेष बहुमत द्वारा संशोधित किया जा सकता है और राज्यों द्वारा सुधार किया जा सकता है।

124. उत्तर (2) केशवानंद भारती केस, 1973

केशवानंद भारती मामले (1973) में, सर्वोच्च न्यायालय ने पहली बार पुष्टि की कि प्रस्तावना संविधान का एक अभिन्न अंग है और इसलिए इसमें संशोधन किया जा सकता है, इस शर्त के अधीन कि संविधान के 'मूल ढांचे' में कोई संशोधन नहीं किया जाएगा।

- एलआईसी ऑफ इंडिया मामले (1995) में सर्वोच्च न्यायालय ने पुनः पुष्टि की कि प्रस्तावना संविधान का अभिन्न अंग है।

प्रस्तावना के बारे में: भारतीय संविधान की प्रस्तावना एक संक्षिप्त और व्यापक परिचय है जो संविधान के दर्शन और उद्देश्यों को रेखांकित करती है।

- यह भारत की एक संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणराज्य होने की प्रतिबद्धता को उजागर करता है, जो स्वतंत्रता, समानता और धर्मनिरपेक्ष शासन सुनिश्चित करता है।
- प्रस्तावना न्याय (सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक), स्वतंत्रता (विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की), समानता (स्थिति और अवसर की) की गारंटी देती है, तथा राष्ट्रीय एकता और व्यक्तिगत गरिमा बनाए रखने के लिए भाईचारे को बढ़ावा देती है।
- यह लोगों के आदर्शों और आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करता है तथा संविधान की आत्मा और मार्गदर्शक सिद्धांत के रूप में कार्य करता है।
- संविधान के अभिन्न अंग के रूप में यह उसकी भावना और उद्देश्य का प्रतिनिधित्व करता है।

125. उत्तर (2) केवल b

कथन (a) गलत है: वोट का अधिकार *भारतीय संविधान के अनुच्छेद 326 के तहत गारंटीकृत एक संवैधानिक अधिकार (मौलिक अधिकार नहीं) है।*

- यह सुनिश्चित करता है कि लोक सभा और राज्यों की विधान सभाओं के चुनाव वयस्क मताधिकार के आधार पर होंगे, अर्थात् प्रत्येक व्यक्ति जो भारत का नागरिक है और जो कानून द्वारा निर्दिष्ट तिथि को 18 वर्ष से कम आयु का नहीं है, वह किसी भी ऐसे चुनाव में मतदाता के रूप में पंजीकृत होने का हकदार होगा, साथ ही यह भी शर्त है कि ऐसा अधिकार संविधान के तहत या उपयुक्त विधायिका द्वारा बनाए गए किसी कानून के तहत निर्धारित अयोग्यता के अधीन होगा।

कथन (b) सही है: संपत्ति के अधिकार को शुरू में भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19(1)(एफ) के तहत एक मौलिक अधिकार के रूप में शामिल किया गया था। हालाँकि, बाद में इसे 1978 में 44वें संशोधन अधिनियम द्वारा मौलिक अधिकार के रूप में हटा दिया गया था। अब **, इसे अनुच्छेद 300-ए के तहत एक कानूनी अधिकार माना जाता है।**

कथन (c) गलत है: भारतीय संविधान स्पष्ट रूप से निजता के अधिकार की गारंटी नहीं देता है। हालाँकि, 2017 में, सुप्रीम कोर्ट ने पुट्टस्वामी बनाम भारत संघ मामले में अनुच्छेद 14, 19 और 21 के तहत इसे मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता दी।

- न्यायालय ने फैसला सुनाया कि राज्य को नागरिकों की निजता को मनमाने हस्तक्षेप से बचाना चाहिए। चूंकि अनुच्छेद 21 नागरिकों और विदेशियों दोनों पर लागू होता है, इसलिए यह दावा करना गलत है कि यह अधिकार केवल भारतीय नागरिकों के लिए है।

126. उत्तर (2) केवल a, b और c

कथन (घ): 1978 के 44वें संशोधन अधिनियम ने भारत के संविधान में राज्य नीति का एक नया निर्देशक सिद्धांत (DPSP) जोड़ा। नया DPSP अनुच्छेद 38(2) है और इसमें राज्य से आय, स्थिति, सुविधाओं और अवसरों में असमानताओं को कम करने की अपेक्षा की गई है।

1976 में पारित भारतीय संविधान के 42वें संशोधन द्वारा राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत (डीपीएसपी) में चार नए निर्देशक सिद्धांत जोड़े गए,

1.) अनुच्छेद 39 में बच्चों के स्वस्थ विकास के लिए अवसर सुनिश्चित करने का प्रावधान है। यह अनुच्छेद बच्चों के विकास और उनकी पूरी क्षमता तक पहुँचने के लिए अवसर और स्वस्थ वातावरण प्रदान करने के महत्व पर जोर देता है।

2.) भारतीय संविधान के अनुच्छेद 39A को 42वें CAA के ज़रिए जोड़ा गया और कहा गया कि हर किसी को मुफ़्त कानूनी सहायता और कानूनी प्रक्रिया तक पहुँच का अधिकार है। इसमें यह भी कहा गया है कि राज्य का यह कर्तव्य है कि वह सुनिश्चित करे कि नागरिकों को न्याय तक पहुँच मिले और समाज के गरीब और कमज़ोर वर्गों को मुफ़्त कानूनी सहायता प्रदान करे।

3.) 42वें सीएए के ज़रिए लाया गया अनुच्छेद 43ए एक ऐसा प्रावधान है जो उद्योगों के प्रबंधन में श्रमिकों की भागीदारी पर ज़ोर देता है। इसमें कहा गया है कि सरकार को किसी भी उद्योग में लगे उपक्रमों, प्रतिष्ठानों या अन्य संगठनों के प्रबंधन में श्रमिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने चाहिए।

4.) अनुच्छेद 48A में कहा गया है कि राज्य पर्यावरण की रक्षा और सुधार करने तथा देश के वनों और वन्यजीवों की सुरक्षा करने का प्रयास करेगा। यह अनुच्छेद 42वें संशोधन, 1976 द्वारा जोड़ा गया था और राज्य पर पर्यावरण और वन्यजीवों की रक्षा करने का दायित्व डालता है।

127. उत्तर (2)

कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II सही उत्तर नहीं है। कथन-I के लिए स्पष्टीकरण.

मौलिक कर्तव्य न्यायालयों को किसी कानून की संवैधानिक वैधता की जांच करने और निर्धारित करने में मदद करते हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया कि यदि कोई कानून मौलिक कर्तव्य के साथ संरेखित होता है, तो न्यायालय इसे अनुच्छेद 14 (कानून के समक्ष समानता) या अनुच्छेद 19 (छह स्वतंत्रता) के संबंध में "उचित" मान सकता है, इस प्रकार इसे असंवैधानिक माने जाने से रोक सकता है।

- **कथन-II सही है लेकिन कथन-I की व्याख्या नहीं करता है:** मौलिक कर्तव्य, निर्देशक सिद्धांतों की तरह, गैर-न्यायसंगत हैं और अदालतों द्वारा सीधे लागू नहीं किए जा सकते हैं।
    - हालाँकि, कानून निर्माता और नीति निर्माता इनका उपयोग समाज की बेहतरी के लिए कानून और नीतियां बनाने में कर सकते हैं।
    - इसलिए यह कथन-I की व्याख्या नहीं करता है, क्योंकि न्यायपालिका विशिष्ट कानून के बिना भी, किसी कानून की संवैधानिकता का आकलन करने के लिए मौलिक कर्तव्यों का संदर्भ दे सकती है।

128. उत्तर (4) राष्ट्रीय वृद्धजन आयोग के अध्यक्ष

पदेन सदस्य (मानद सदस्य): राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग, राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग, राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग, राष्ट्रीय महिला आयोग और विकलांग व्यक्तियों के लिए मुख्य आयुक्त के अध्यक्ष।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) :

- **वैधानिक स्थापना:** भारत का राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) 12 अक्टूबर, 1993 को स्थापित किया गया था। जिस क़ानून के तहत इसकी स्थापना की गई है वह मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम (PHRA), 1993 है जिसे मानवाधिकार संरक्षण (संशोधन) अधिनियम, 2006 द्वारा संशोधित किया गया है। और इसे 2019 में संशोधित किया गया ।
- **संरचना:** राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) में एक अध्यक्ष, पांच पूर्णकालिक सदस्य और सात मानद सदस्य होते हैं।
  - **अध्यक्ष:** भारत के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश या सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश एनएचआरसी के अध्यक्ष के रूप में कार्य करते हैं
  - **इसके सदस्य हैं:**
    - एक सदस्य जो सर्वोच्च न्यायालय का न्यायाधीश हो या रहा हो
    - एक सदस्य जो किसी उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश हो या रह चुका हो
    - तीन सदस्य, मानव अधिकारों के मामलों में ज्ञान और व्यावहारिक अनुभव रखने वाले व्यक्तियों में से नियुक्त किए जाएंगे, जिनमें से एक महिला होगी।
- **नियुक्ति:** राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा एक समिति की सिफारिश पर की जाती है, जिसमें प्रधानमंत्री (इस समिति के अध्यक्ष), केंद्रीय गृह मंत्री, राज्यसभा और लोकसभा में विपक्ष के नेता, लोकसभा के अध्यक्ष और राज्यसभा के उपसभापति शामिल होते हैं।
- **कार्यकाल:** अध्यक्ष और सदस्यों का कार्यकाल पांच वर्ष से घटाकर तीन वर्ष या 70 वर्ष की आयु तक, जो भी पहले हो, कर दिया गया।

129. उत्तर (4) सभी सही हैं

- राष्ट्रपति का चुनाव एक निर्वाचक मंडल द्वारा किया जाता है, जिसमें संसद के दोनों सदनों के निर्वाचित सदस्य और सभी राज्यों की विधानसभाओं के निर्वाचित सदस्य और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी के निर्वाचित सदस्य शामिल होते हैं। [भारत के संविधान का अनुच्छेद 54]
  - इसमें राज्य विधान परिषदों से निर्वाचित या मनोनीत सदस्य शामिल नहीं होते हैं।
- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 55(3) के अनुसार, राष्ट्रपति चुनाव एकल संक्रमणीय मत के माध्यम से आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के अनुसार होता है, प्रत्येक निर्वाचक के पास चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के बराबर

वरीयताएँ होती हैं। विजयी उम्मीदवार को निर्वाचित घोषित होने के लिए आवश्यक मतों का कोटा प्राप्त करना होता है, अर्थात, डाले गए वैध मतों का 50% +1।

- मतदाताओं के मतों का मूल्य मूलतः संविधान के अनुच्छेद 55(2) में निर्धारित तरीके के अनुसार राज्यों की जनसंख्या के आधार पर निर्धारित किया जाता है।

$$\text{Value of the vote of an MLA} = \frac{\text{Total population of state}}{\text{Total number of elected members in the state legislative assembly}} \times \frac{1}{1000}$$

$$\text{Value of the vote of an MP} = \frac{\text{Total value of votes of all MLAs of all states}}{\text{Total number of elected members of Parliament}}$$

130. उत्तर (3) केवल C और D

कथन A.): संविधान मंत्रिपरिषद के सदस्यों को अलग-अलग श्रेणियों में वर्गीकृत नहीं करता है। सभी श्रेणियों को अनौपचारिक रूप से किया गया है और उन्हें विधायी स्वीकृति मिली हुई है। उदाहरण के लिए मंत्रियों के वेतन और भत्ते अधिनियम, 1952 में दो शब्दों का उपयोग किया गया है: मंत्री और उप मंत्री।

कथन b .) : मंत्रियों द्वारा राष्ट्रपति को दी गई सलाह की प्रकृति की जांच किसी भी अदालत द्वारा नहीं की जा सकती (संविधान का अनुच्छेद 74)।

- यह प्रावधान मंत्रियों द्वारा राष्ट्रपति को दी गई सलाह की गोपनीय प्रकृति को रेखांकित करता है, तथा किसी भी अदालत को इसके विवरण की जांच करने से रोकता है।

कथन C.) वीएनआर राव मामले (1971) में सर्वोच्च न्यायालय के फैसले में कहा गया कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 74 के अनुसार, लोकसभा के विघटन के बाद भी मंत्रिपरिषद अपने पद पर बनी रहती है।

- यह निरन्तरता सुनिश्चित करती है कि राष्ट्रपति की कार्यकारी शक्ति का प्रयोग मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह से किया जाए, जैसा कि अनुच्छेद 74 में निर्दिष्ट है।

कथन D.) 2003 में 91वें संविधान संशोधन द्वारा, प्रधानमंत्री/मुख्यमंत्री सहित मंत्रिपरिषद में मंत्रियों की कुल संख्या लोकसभा/राज्य विधानसभा की कुल सदस्य संख्या के 15% तक सीमित कर दी गई।

- केंद्रीय स्तर पर कोई न्यूनतम आवश्यकता नहीं है, जबकि छोटे राज्यों में भी कम से कम 12 मंत्री होने चाहिए। दिल्ली और जम्मू-कश्मीर (J&K) के केंद्र शासित प्रदेशों के लिए, अधिकतम सीमा विधानसभा की कुल संख्या का 10% है।

131. उत्तर (2) प्रखर राजस्थान

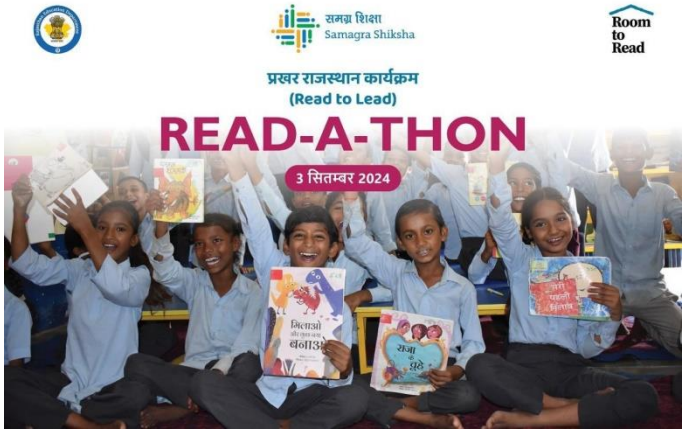

प्रखर राजस्थान: नेतृत्व करने के लिए पढ़ें

विद्यार्थियों में पठन कौशल बढ़ाने के लिए सरकारी स्कूलों में 9 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2024 तक "प्रखर राजस्थान" (राजस्थान में ज्ञान के साथ पठन एवं अंकगणित में दक्षता एवं समग्र उन्नति) अभियान चलाया जाएगा।

- यह कार्यक्रम कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए तैयार किया गया था।
- 3 सितम्बर को "रीड-ए-थॉन" कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

132. उत्तर (2)

मोहनलाल सुखाड़िया, अशोक गहलोत, भैरों सिंह शेखावत, वसुंधरा राजे

- मोहन लाल सुखाड़िया सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे। वे कुल 17 साल (1954-1971) तक मुख्यमंत्री रहे।
    - सुखाड़िया का मुख्यमंत्री के रूप में पहला कार्यकाल 13 नवंबर 1954 से 12 मार्च 1967 तक चला, जिसके बाद वे लगातार तीन कार्यकाल के लिए मुख्यमंत्री चुने गए।
    - 13 मार्च 1967 से 26 अप्रैल 1967 तक राजस्थान राष्ट्रपति शासन के अधीन रहा।
    - इसके बाद सुखाड़िया ने 26 अप्रैल 1967 से 9 जुलाई 1971 तक पुनः मुख्यमंत्री के रूप में राज्य पर शासन किया।
- उनके बाद क्रमश: अशोक गहलोत, भैरों सिंह शेखावत, वसुंधरा राजे का कार्यकाल सबसे लंबा रहा है.
- **सबसे कम समय तक शासन करने वाले मुख्यमंत्री:** राजस्थान के सबसे कम समय तक शासन करने वाले मुख्यमंत्री हीरा लाल देवपुरा थे, जो मात्र 15 दिनों तक पद पर रहे।
    - मुख्यमंत्री के रूप में उनका शासनकाल 23 फरवरी 1985 से 10 मार्च 1985 तक चला।
    - शिवचरण माथुरजी के त्यागपत्र से उत्पन्न संवैधानिक शून्यता के कारण देवपुराजी को राजस्थान का मुख्यमंत्री बनाया गया।
- बाद में उन्होंने राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।

133. उत्तर (1) सत्यस्य जयोस्तु

राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति **मनिन्द्र मोहन श्रीवास्तव** हैं .

- **राजस्थान राज्य लोकायुक्त** का आदर्श वाक्य **'सत्यमेव जयते'** है।
- **राजस्थान राज्य सूचना आयोग** का आदर्श वाक्य **'अवदा नी जनेभ्यः'** है।
- **मुख्य महालेखाकार राजस्थान** का आदर्श वाक्य **'लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा'** है।

134. उत्तर (4) सभी सही हैं

राष्ट्रपति शासन	मुख्यमंत्री के कार्यकाल में लगाया गया	राज्यपाल के कार्यकाल में लगाया गया
प्रथम (13/03/67 से 26/04/67)	मोहनलाल सुखाड़िया	डॉ. सम्पूर्णानन्द
2रा (30/04/77 से 21/06/77)	हरिदेव जोशी	सरदार जोगिंदर सिंह, वेदपाल त्यागी (अभिनय), रघुकुल तिलक
3रा (17/02/80 से 05/06/80)	भैरों सिंह शेखावत	रघुकुल तिलक
4वां (15/12/92 से 03/12/93)	भैरों सिंह शेखावत	एम. चेन्नारेड्डी

135. उत्तर (2) a, b और c

राजस्थान राज्य के उद्घाटन से पहले इन रियासतों के पास अपने स्वयं के उच्च न्यायालय और अधीनस्थ न्यायिक व्यवस्था थी। श्री बी.आर.पटेल, लेफ्टिनेंट कर्नल टी.सी.पुरी और श्री एस.पी.सिन्हा की एक समिति ने सिफारिश की कि जयपुर को नए राज्य की राजधानी बनाया जाना चाहिए और उच्च न्यायालय जोधपुर में स्थित होना चाहिए।

- राजस्थान राज्य का उद्घाटन 30 मार्च, 1949 को हुआ था और उस समय जयपुर, जोधपुर, बीकानेर, उदयपुर और अलवर में कार्यरत पांच उच्च न्यायालयों को राजस्थान उच्च न्यायालय अध्यादेश, 1949 द्वारा समाप्त कर दिया गया था और राजस्थान के लिए उच्च न्यायालय का उद्घाटन जोधपुर में राजप्रमुख महामहिम महाराजा सवाई मान सिंह द्वारा 29.08.1949 को किया गया था और 11 माननीय न्यायाधीशों को शपथ दिलाई गई थी।
- प्रारंभ में जयपुर, उदयपुर, बीकानेर और कोटा में भी उच्च न्यायालय थे। राजस्थान उच्च न्यायालय की मुख्य पीठ जोधपुर है। 26 जनवरी, 1950 को भारत का संविधान लागू हुआ और न्यायाधीशों की संख्या घटाकर 6 कर दी

गई। 22.05.1950 से बीकानेर, कोटा और उदयपुर में अन्य पीठों को समाप्त कर दिया गया, लेकिन जयपुर पीठ ने काम करना जारी रखा।

- इसके बाद, राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956 की धारा 49 के तहत राजस्थान उच्च न्यायालय के रूप में एक नया उच्च न्यायालय अस्तित्व में आया, जिसकी मुख्य सीट जोधपुर में थी।
    - सर्वश्री पी. सत्यनारायण राव, वी. विश्वनाथन और बी.के. गुप्ता की समिति की रिपोर्ट पर वर्ष 1958 में जयपुर बेंच को समाप्त कर दिया गया।
- राजस्थान उच्च न्यायालय (जयपुर में स्थायी पीठ की स्थापना) आदेश, 1976 के तहत, राजस्थान उच्च न्यायालय की पीठ पुनः जयपुर में स्थापित की गई तथा 30.01.1977 से कार्य करना प्रारंभ कर दिया।
- राजस्थान उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों के स्वीकृत पद 50 हैं।

136. उत्तर (2)

34 (एससी) +25 (एसटी) = 59

200 निर्वाचन क्षेत्रों में से 34 अनुसूचित जाति के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं जबकि 25 अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं।

- राजस्थान में लोकसभा की 25 सीटें हैं. इनमें से 7 आरक्षित हैं (एससी के लिए 4: भरतपुर, बीकानेर, गंगानगर, करौली-धौलपुर; और एसटी के लिए 3: बांसवाड़ा, दौसा, उदयपुर)।

137. उत्तर (3)

अशोक गहलोत

टीकाराम जूली राजस्थान की राज्य विधानसभा में विपक्ष के वर्तमान नेता हैं।

138. उत्तर (4)

कथन-I गलत है लेकिन कथन-II सही है।

राज्य चुनाव आयुक्त (SEC) को वास्तव में राज्यपाल के बजाय राष्ट्रपति द्वारा हटाया जाता है। ऐसा राज्य सरकार के प्रभाव से SEC की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए किया जाता है।

- एसईसी को हटाने की प्रक्रिया हाई कोर्ट के जज के समान है, जिसका मतलब है कि इसके लिए पूरी तरह से उचित प्रक्रिया की आवश्यकता होती है। इसलिए, राष्ट्रपति एसईसी को हटाता है क्योंकि संविधान में हाई कोर्ट के जज के समान ही हटाने की प्रक्रिया का प्रावधान है, जिसमें आमतौर पर राष्ट्रपति का अधिकार शामिल होता है।

139. उत्तर (4)

सभी सही हैं

भारत के संविधान के अनुच्छेद 243-I में प्रावधान है कि राज्य का राज्यपाल संविधान (तिहत्तरवां संशोधन) अधिनियम, 1992 के प्रारंभ से एक वर्ष के भीतर यथाशीघ्र और उसके बाद प्रत्येक पांचवें वर्ष की समाप्ति पर पंचायतों की वित्तीय स्थिति की समीक्षा करने और राज्यपाल को सिफारिशें करने के लिए एक वित्त आयोग का गठन करेगा।

- इसी तरह संविधान के अनुच्छेद 243-वाई में नगरपालिकाओं के लिए प्रावधान है। अनुच्छेद 243-आई और 243-वाई में प्रावधान है कि राज्य वित्त आयोग राज्य द्वारा लगाए जाने वाले करों, शुल्कों, टोल और फीस की शुद्ध आय के राज्य और पंचायतों और नगरपालिकाओं के बीच वितरण को नियंत्रित करने वाले सिद्धांतों की सिफारिश करेगा, जिसे उनके बीच विभाजित किया जा सकता है।
- आयोग राज्य की समेकित निधि से पंचायतों और नगर पालिकाओं को अनुदान देने तथा इन स्थानीय निकायों की वित्तीय स्थिति सुधारने के उपायों के बारे में भी सिफारिश करेगा।
- राज्यपाल अनुच्छेद 243-झ और 243-य के अधीन आयोग द्वारा की गई प्रत्येक सिफारिश को, उस पर की गई कार्रवाई के स्पष्टीकरण ज्ञापन सहित, राज्य विधानमंडल के समक्ष रखवाएगा।

6वें राज्य वित्त आयोग का गठन 12 अप्रैल, 2021 को प्रद्युम्न सिंह की अध्यक्षता में किया गया।

- डॉ. लक्ष्मण सिंह रावत, डॉ. अशोक लाहोटी इसके सदस्य हैं
- श्री एस.सी.देराश्री सदस्य सचिव हैं

State Finance Commission	Chairman	No. of members including Member Secretary	Award Period
First	Shri K. K. Goel	Three	1995-1996 to 1999-2000
Second	Shri Hira Lal Devpura	Three	2000-2001 to 2004-2005
Third	Shri Manik Chand Surana	Three	2005-2006 to 2009-2010
Fourth	Shri B.D. Kalla	Three	2010-2011 to 2014-15
Fifth	Dr. Jyoti Kiran	Two	2015-2016 to 2019-2020

140. उत्तर (3) कथन 3 गलत है

74वें संविधान संशोधन अधिनियम के अनुसार, प्रत्येक नगर पालिका के लिए तीन लाख या उससे अधिक आबादी वाली नगरपालिका के क्षेत्रीय क्षेत्र के भीतर एक या एक से अधिक वार्डों से मिलकर एक वार्ड समिति का गठन करना अनिवार्य है, जैसा कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 243 एस में निर्धारित है।

- इस प्रावधान के पीछे उद्देश्य निकट प्रतिनिधित्व और अधिक भागीदारीपूर्ण स्थानीय शासन सुनिश्चित करना है।

141. उत्तर (4) सभी सही हैं

वर्तमान जिला प्रशासन और जिला कलेक्टर का कार्यालय भारत में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के अधीन अस्तित्व में आया। यह कार्यालय 1772 में भारत के तत्कालीन गवर्नर-जनरल वॉरेन हेस्टिंग्स द्वारा बनाया गया था। 1787 में, कलेक्टर को राजस्व संग्रह के अलावा नागरिक न्याय और मजिस्ट्रेटी के लिए जिम्मेदार बनाया गया था। वह एक बहुत शक्तिशाली अधिकारी था और उसे 'छोटा नेपोलियन' कहा जाता था।

142. उत्तर (1) केवल a, b और d

पंचायती राज के 73वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम के अनुसार "गांव" की परिभाषा राज्य के राज्यपाल द्वारा निर्दिष्ट की जाती है, क्योंकि यह भारत में ग्रामीण प्रशासन और विकास का एक महत्वपूर्ण पहलू है।

- "गांव" की स्पष्ट परिभाषा होने से पंचायती राज प्रणाली के प्रावधानों के प्रभावी कार्यान्वयन में मदद मिलती है।
- यह परिभाषा किसी गांव की भौगोलिक और प्रशासनिक सीमाओं को निर्धारित करने के लिए मापदंड निर्धारित करती है, तथा यह सुनिश्चित करती है कि पंचायती राज प्रणाली के प्रावधान पूरे देश में समान रूप से लागू हों।

143. उत्तर (2)

भारतीय संघवाद शक्तियों के कठोर **पृथक्करण के सिद्धांत पर आधारित नहीं है।**

यह 'शक्ति विभाजन' पर आधारित है।

संघवाद एक शासन प्रणाली है जिसमें राज्य या प्रांत जैसी संस्थाएं राष्ट्रीय सरकार के साथ सत्ता साझा करती हैं।

- संविधान केंद्र और राज्यों के बीच या राज्यों के बीच विवादों को निपटाने के लिए सर्वोच्च न्यायालय की अध्यक्षता में एक स्वतंत्र न्यायपालिका की स्थापना करता है।
- भारतीय संविधान दोहरी राजव्यवस्था स्थापित करता है, जिसमें केन्द्र में संघ और परिधि पर राज्य होते हैं।
- संविधान की अनुसूची 7 के अंतर्गत केन्द्र और राज्यों के बीच शक्तियों का स्पष्ट विभाजन किया गया है।
- राज्यों को जनसंख्या के आधार पर राज्यसभा में प्रतिनिधित्व दिया जाता है।
    - संयुक्त राज्य अमेरिका के विपरीत, भारत में संघीय इकाइयों अर्थात् संघ और राज्यों के बीच कोई समझौता नहीं हुआ है।

144. उत्तर (1) केवल a

राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने 7 सितंबर 2024 को जयपुर में 5वें अंतर्राष्ट्रीय नीले आसमान के लिए स्वच्छ वायु दिवस या स्वच्छ वायु दिवस की मेजबानी की।

- 2024 का थीम है “अभी स्वच्छ हवा में निवेश करें।”
- इस कार्यक्रम में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले एनसीएपी शहरों को स्वच्छ वायु सर्वेक्षण पुरस्कार प्रदान किए गए।

- "स्वच्छ वायु सर्वेक्षण" पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा 130 एनसीएपी शहरों में शहर कार्य योजना और वायु गुणवत्ता के तहत अनुमोदित गतिविधियों के कार्यान्वयन के आधार पर शहरों को रैंक करने की एक पहल है।

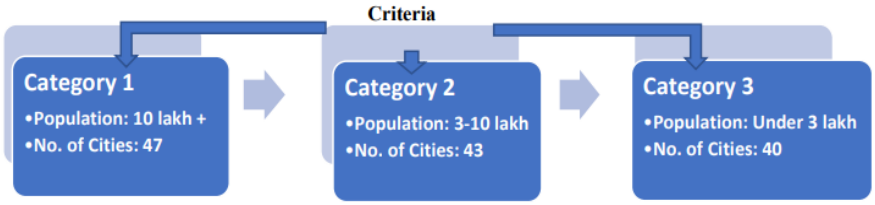

Swachh Vayu Survekshan 2024 Results			
Category	**Rank**	**Cities**	**Award Cash prize (₹ in crores) for FY 2023-24**
Category 1	1st	Surat, Gujarat	1.50
	2nd	Jabalpur, Madhya Pradesh	1.00
	3rd	Agra, Uttar Pradesh	0.50
Category 2	1st	Firozabad, Uttar Pradesh	0.75
	2nd	Amravati, Maharashtra	0.50
	3rd	Jhansi, Uttar Pradesh	0.25
Category 3	1st	Raebareli, Uttar Pradesh	0.375
	2nd	Nalgonda, Telangana	0.25
	3rd	Nalagarh, Himachal Pradesh	0.125

145. उत्तर (2) अजमेर

146. उत्तर (2)

कम्प्यूटेशनल प्रोटीन डिजाइन और प्रोटीन संरचना भविष्यवाणी में प्रगति के लिए।

नोबेल पुरस्कार विजेता 2024 की सूची

मैदान	**प्राप्तकर्ता**	**के लिए सम्मानित**
भौतिक विज्ञान	जॉन हॉपफील्ड और जेफ्री हिंटन	जॉन हॉपफील्ड और जेफ्री हिंटन को उनकी मौलिक खोजों और आविष्कारों के लिए सम्मानित किया गया है, जिन्होंने कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क के माध्यम से मशीन लर्निंग का मार्ग प्रशस्त किया है। उनके काम ने इस क्षेत्र को काफी आगे बढ़ाया है, जिससे कृत्रिम बुद्धिमत्ता में परिवर्तनकारी अनुप्रयोग सामने आए हैं।
रसायन विज्ञान	डेविड बेकर, डेमिस हसाबिस और जॉन जम्पर	डेविड बेकर को कम्प्यूटेशनल प्रोटीन डिजाइन में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया है, जबकि डेमिस हसाबिस और जॉन जम्पर को प्रोटीन संरचना भविष्यवाणी में उनकी प्रगति के लिए सम्मानित किया गया है। उनके कार्य ने प्रोटीन के कार्यों को समझने में महत्वपूर्ण प्रभाव डाला है

		तथा इसका चिकित्सा और जैव प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों पर प्रभाव पड़ा है।
दवा	विक्टर एम्ब्रोस और गैरी रुवकुन	विक्टर एम्ब्रोस और गैरी रुवकुन को माइक्रोआरएनए की उनकी अभूतपूर्व खोज और जीन विनियमन में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए जाना जाता है। उनके शोध ने आनुवंशिक नियंत्रण तंत्र की हमारी समझ को बदल दिया है और विकासात्मक जीव विज्ञान और रोग अनुसंधान के लिए महत्वपूर्ण निहितार्थ हैं।
साहित्य	हान कांग	हान कांग को उनके गहन काव्यात्मक गद्य के लिए सम्मानित किया गया, जो ऐतिहासिक आघातों का सामना करता है और मानव जीवन की नाजुकता को उजागर करता है। उनकी शक्तिशाली कथाएँ अस्तित्व, स्मृति और लचीलेपन के गहन विषयों का पता लगाती हैं, जो पाठकों के साथ गहराई से जुड़ती हैं।
शांति	निहोन हिदानक्यो	निहोन हिडांक्यो को परमाणु हथियारों से मुक्त विश्व बनाने के लिए किए गए अथक प्रयासों तथा साक्ष्यों के माध्यम से यह प्रदर्शित करने के लिए सम्मानित किया गया है कि परमाणु हथियारों का प्रयोग कभी भी नहीं किया जाना चाहिए। उनकी वकालत शांति के महत्व और परमाणु युद्ध के विनाशकारी परिणामों पर जोर देती है।
आर्थिक विज्ञान	डेरॉन ऐसमोग्लू, साइमन जॉनसन, और जेम्स रॉबिन्सन	डेरॉन ऐसमोग्लू, साइमन जॉनसन और जेम्स रॉबिन्सन को उनके अध्ययनों के लिए पुरस्कृत किया गया, जिसमें उन्होंने बताया कि संस्थाएँ कैसे बनती हैं और वे समृद्धि को कैसे प्रभावित करती हैं। उनके शोध ने राजनीतिक और आर्थिक संस्थाओं के बीच संबंधों और विकास और असमानता पर उनके प्रभाव के बारे में हमारी समझ को काफी हद तक बढ़ाया है।

147. उत्तर (2)

बारां (-33.29 किमी ^{2}), प्रतापगढ़ (-30.79 किमी ^{2}), अजमेर (-18.34 किमी ^{2}), बीकानेर (-14.85 किमी ^{2})

अधिकतम वृद्धि(+): सीकर (+19.14 किमी ^{2}), बाडमेर (+19 किमी ^{2}), अलवर (+16.39 किमी ^{2}), उदयपुर (+12.46 किमी ^{2})

- **वन आवरण (क्षेत्रवार)**
  - **अधिकतम :** उदयपुर 2766.30 किमी ^{2} > अलवर 1198.74 किमी ^{2} > प्रतापगढ़ 996.86 किमी ^{2} > बारां 975.13 किमी ^{2}
  - **न्यूनतम :** चूरू 62.73 किमी ^{2}, हनुमानगढ़ 92.29 किमी ^{2}, जोधपुर 111.23 किमी ^{2}, श्रीगंगानगर 113.46 किमी ^{2}
- **वन आवरण प्रतिशत (%) के संदर्भ में (उनके क्षेत्र के अनुपात में):**

- **अधिकतम** 1.) उदयपुर- 23.60 % 2.) प्रतापगढ़- 22.48% 3.) सिरोही- 17.50 % 4.) करौली- 15.18%
- **न्यूनतम :** 1.) चूरू (0.45%), 2.) जोधपुर (0.49%), 3.) बीकानेर (0.86%), 4.) जैसलमेर (0.89%)

भारतीय वन सर्वेक्षण द्वारा भारत के वनों के नवीनतम 18वें द्विवार्षिक मूल्यांकन ISFR को जारी करने में एक वर्ष से अधिक की देरी हुई। इसे पिछले वर्ष तक जारी किया जाना था।

- नवीनतम भारत वन स्थिति रिपोर्ट (आईएसएफआर) 2023 के अनुसार, भारत का कुल वन एवं वृक्ष आवरण 24.62 प्रतिशत से बढ़कर 2023 में 25.17 प्रतिशत हो जाएगा।
  - कुल वन क्षेत्र 7,15,342.61 वर्ग किलोमीटर है जो देश के भौगोलिक क्षेत्र का 21.76 प्रतिशत है और वृक्ष क्षेत्र देश के भौगोलिक क्षेत्र का 3.41 प्रतिशत है।
- देश में वृक्ष आवरण की तुलना में वन आवरण में मामूली वृद्धि हुई है।
- कृषि वानिकी के तहत पहली बार उगाए गए पेड़ों को भी कवर किया गया है।
- वन एवं वृक्ष आवरण में अधिकतम वृद्धि छत्तीसगढ़ (683.62 किमी ^{2}) में देखी गई है, इसके बाद उत्तर प्रदेश (559.19 किमी ^{2}), ओडिशा (558.57 किमी ^{2}) और राजस्थान (394.46 किमी ^{2}) का स्थान है।
- वन एवं वृक्ष आवरण में अधिकतम कमी मध्य प्रदेश (612.41 किमी ^{2}) में देखी गई है, इसके बाद कर्नाटक (459.36 किमी ^{2}), लद्दाख (159.26 किमी ^{2}) और नागालैंड (125.22 किमी ^{2}) का स्थान है।

148. उत्तर (4) सभी सही हैं

नवीनतम ISFR रिपोर्ट 2023 के अनुसार, देश का वन और वृक्ष आवरण 8,27,357 वर्ग किमी है जो देश के भौगोलिक क्षेत्र का 25.17 प्रतिशत है, जिसमें 7,15,343 वर्ग किमी (21.76%) वन आवरण और 1,12,014 वर्ग किमी (3.41%) वृक्ष आवरण है।

- 2021 के आकलन की तुलना में देश के वन एवं वृक्ष आवरण में 1445 वर्ग किमी की वृद्धि हुई है, जिसमें वन आवरण में 156 वर्ग किमी तथा वृक्ष आवरण में 1289 वर्ग किमी की वृद्धि शामिल है।
  - वन एवं वृक्ष आवरण में अधिकतम वृद्धि दर्शाने वाले शीर्ष चार राज्य छत्तीसगढ़ (684 वर्ग किमी) हैं, जिसके बाद उत्तर प्रदेश (559 वर्ग किमी), ओडिशा (559 वर्ग किमी) तथा राजस्थान (394 वर्ग किमी) का स्थान है।
  - वन आवरण में अधिकतम वृद्धि दिखाने वाले शीर्ष तीन राज्य मिजोरम (242 वर्ग किमी) हैं, जिसके बाद गुजरात (180 वर्ग किमी) और ओडिशा (152 वर्ग किमी) हैं।
- क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे अधिक वन एवं वृक्ष आवरण वाले शीर्ष तीन राज्य मध्य प्रदेश (85,724 वर्ग किमी) हैं, जिसके बाद अरुणाचल प्रदेश (67,083 वर्ग किमी) और महाराष्ट्र (65,383 वर्ग किमी) हैं।
  - क्षेत्रफल की दृष्टि से सर्वाधिक वन क्षेत्र वाले शीर्ष तीन राज्य मध्य प्रदेश (77,073 वर्ग किमी) हैं, जिसके बाद अरुणाचल प्रदेश (65,882 वर्ग किमी) और छत्तीसगढ़ (55,812 वर्ग किमी) हैं।
- कुल भौगोलिक क्षेत्र के संबंध में वन आवरण के प्रतिशत की दृष्टि से, लक्षद्वीप (91.33 प्रतिशत) में सबसे अधिक वन आवरण है, जिसके बाद मिजोरम (85.34 प्रतिशत) और अंडमान एवं निकोबार द्वीप (81.62 प्रतिशत) का स्थान है।

- वर्तमान आकलन से यह भी पता चलता है कि 19 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में 33 प्रतिशत से अधिक भौगोलिक क्षेत्र वन क्षेत्र में है। इनमें से आठ राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों अर्थात् मिजोरम, लक्षद्वीप, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मेघालय, त्रिपुरा और मणिपुर में 75 प्रतिशत से अधिक वन क्षेत्र है।

149. उत्तर (2) केवल B और C

तीन नए आपराधिक कानून जो 1 जुलाई, 2024 से लागू होंगे, वे हैं भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023।

- ये कानून क्रमशः भारतीय दंड संहिता, 1860 (आईपीसी), दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (सीआरपीसी) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 (आईईए) का स्थान लेंगे।

150. उत्तर (4) ड्रोमेडरी

भारत समृद्ध ऊँट आनुवंशिक संसाधनों का घर है।

आईसीएआर-राष्ट्रीय पशु आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो (आईसीएआर-एनबीएजीआर) द्वारा ऊंट की नौ नस्लें पंजीकृत हैं। सूचीबद्ध नौ नस्लों के अलावा, कुछ अन्य नस्लों को भी भविष्य में सूचीबद्ध किये जाने की उम्मीद है (जैसे, सिंधी)।

- भारत में ड्रोमेडरी = और बैक्ट्रियन = दोनों पाए जाते हैं, बैक्ट्रियन लद्दाख की नुब्रा घाटी में पाए जाते हैं।

No.	Breed	Home Tract	Remarks
1.	Bikaneri	Rajasthan	Highest in population in India and is a good draught animal
2.	Jaisalmeri	Rajasthan	Well known for riding and race potential; Second highest in number
3.	Jalori	Rajasthan	It is a medium sized breed of camel with an active temperament
4.	Kutchi	Gujarat	Highest milk producer
5.	Malvi	Madhya Pradesh	Light or off-white colour and small body size
6.	Marwari	Rajasthan	Used for carrying heavy loads and performing heavy agricultural operations
7.	Mewari	Rajasthan	Fit for the hot climate of the Arawali mountain range; Considered as a high milk producer
8.	Mewati	Rajasthan and Haryana	Mainly used as draught animals
9.	Kharai	Gujarat (Predominantly in Coastal belt of Lakhpat, Abdasa, Mundra & Bhachau taluka)	Well-adapted to both dryland as well as coastal ecosystems in Kachchh; Excellent swimming capacity in seawater; This breed can tolerate water with high TDS of up to 10000 ppm.

- ऊँट राजस्थान के थार रेगिस्तान और गुजरात के कच्छ रेगिस्तान का अभिन्न अंग हैं।
    - राइका/रबारी, फकीरानी जाट, हाजियानी जाट और कुछ अन्य समुदाय अपनी आजीविका के लिए काफी हद तक ऊंटों पर निर्भर हैं।
- **ऊँटों के प्रकार** : पुरानी दुनिया और नई दुनिया
    - **पुरानी दुनिया** के ड्रोमेडरी = और बैक्टीरिया = हैं
    - **नई दुनिया का ऊँट:** लामा, अल्पाका, गुआनाको, विकुना

ऊँट : उपनाम - **रेगिस्तान का जहाज**

- इसे 30 जून 2014 को राजस्थान के राज्य पशु (पशुधन) का दर्जा दिया गया और बाद में **19 सितंबर 2014 को इसकी घोषणा की गई।**
- **राजस्थान में ऊँटों का भौगोलिक आवास:** सर्वाधिक ऊँट वाला जिला **बाड़मेर है** तथा सबसे कम ऊँटों वाला जिला **प्रतापगढ़ है।**
- **धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व:** राजस्थान के लोक देवता पाबूजी को ऊंटों का देवता भी कहा जाता है।
    - रेबारी जाति राजस्थान में ऊँट पालन के लिए प्रसिद्ध है।
- ऊँट की खाल पर की गई कला को **उस्ता कला कहा जाता है** तथा ऊँट की खाल से बने ठंडे पानी के बर्तनों को **कपि कहा जाता है। गोरबंद** राजस्थान का एक ऊँट का श्रृंगार गीत है। ऊँट की नाक में लगाया जाने वाला लकड़ी का आभूषण **गिरबन कहलाता है।**